THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 138 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.6 2083 मंगलवार, 18 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

केरल का नाम बदलकर हुआ 'केरलम'

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी विधेयक को मंजूरी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केरल का नाम बदलकर 'केरलम' हो गया है। दरअसल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज केरल का नाम बदलकर 'केरलम'करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यह विधेयक अब कानून बन गया है। लोकसभा ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को मंगलवार को मंजूरी दी थी। इसके बाद अगले दिन यानी बुधवार को राज्यसभा ने भी इसे पारित कर दिया था। राज्यसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि केरल विधानसभा ने 2024 में एक प्रस्ताव पारित किया था। इसमें केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने के लिए कानून बनाने की मांग की गई थी।

नितिन नवीन की नई टीम घोषित

स्मृति ईरानी महामंत्री समेत 12 महिला नेताओं को मौका

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का एलान कर दिया। पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक, नई टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

वसुंधरा राजे समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया

भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार, वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है, जिससे संगठन में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है। नई टीम में स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। दोनों नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की जारी सूची में बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) के पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है।

नितिन नवीन की टीम में कई राज्यों को मिला प्रतिनिधित्व

भाजपा की नई सूची में राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के नेताओं को शामिल किया गया है।

पार्टी के केंद्रीय संगठन में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जिम्मेदारी दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के विस्तार और समन्वय को मजबूत करने का संकेत मिलता है।

भाजपा आईटी सेल से मालवीय बाहर, केमिस्ट्री प्रोफेसर म्हस्के संभालेंगे

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पद संभालने के 209 दिन बाद सोमवार को भाजपा आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय को हटा दिया है, छत्तीसगढ़ के दीपक म्हस्के उनकी जगह लेंगे।

अमित मालवीय करीब 11 वर्षों से पार्टी की सोशल मीडिया रणनीति को संभाल रहे थे। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि ये नियुक्तियां ऐसे समय हुई हैं, जब भाजपा देश के हर हिस्से तक अपने संदेश और संगठन को पहुंचाने की तैयारी कर रही है। मालवीय ने विशेष रूप से दीपक म्हस्के के साथ सोशल मीडिया विभाग के सह-संयोजकों प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट और अरुण यादव को भी बधाई दी।

रूस का यूक्रेन पर मिसाइल हमला

भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल के स्टील प्लांट को निशाना बनाया, 2 की मौत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल के स्टील प्लांट पर मिसाइल हमला किया। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 13 कर्मचारी व ठेकेदार घायल हुए हैं। यह यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है।

हमले के बाद प्लांट में प्रोडक्शन का कुछ काम रोकना पड़ा। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। हमले के बाद दमकलकर्मी, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव का काम जारी है। इस प्लांट पर रूस पहले भी हमला कर चुका है। 2022 में हुए रूसी मिसाइल हमले में प्लांट की एक रोलिंग मिल नष्ट हो गई थी और एक कर्मचारी की मौत हुई थी।

महाकाल परिसर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में भगदड़ से छह घायल

हरसिद्धि मंदिर में भी 13 की तबीयत बिगड़ी

उज्जैन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। महाकाल मंदिर परिसर स्थित श्रीनागचंद्रेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह दर्शन के लिए लगी कतार में करंट फैलने की अफवाह के बाद भगदड़ मच गई। नीलकंठ द्वार के पास हुई भगदड़ में करीब छह श्रद्धालु घायल हो गए। जबकि हरसिद्धि मंदिर के सामने बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र में भीड़ का दबाव बढ़ने से 13 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। घायलों और बीमार श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

कई श्रद्धालु घायल, चरक अस्पताल भी ले जाया गया

घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए चरक अस्पताल ले जाया गया। घायलों में हिंदूबाई निवासी ढांचा भवन उज्जैन, सागर पुत्र मनीष उम्र 19 वर्ष निवासी किशनपुरा उज्जैन, लक्ष्मीबाई निवासी ढांचा भवन उज्जैन, अनसूया और उनकी मां ममता दोनों निवासी गंजबासौदा, हरिश्चंद्र निवासी ग्राम सिलवासा, वापी गुजरात, सोनम उम्र 18 वर्ष निवासी ग्वालियर, सुजीत कुमार निवासी दरभंगा बिहार, खुशी निवासी ग्वालियर तथा तुलसी और उनकी मां रेखाबाई दोनों निवासी वलसाड गुजरात शामिल हैं।

बैरिकेड्स से टकराने से श्रद्धालु के पैरों में गंभीर चोट

भगदड़ जैसी स्थिति के दौरान बैरिकेड्स से टकराने के कारण हरिश्चंद्र के पैरों में गंभीर चोट आई है।

अन्य घायलों का भी अस्पताल में उपचार किया गया। भीड़ के दबाव और अफरा-तफरी के चलते कुछ समय के लिए दर्शन व्यवस्था प्रभावित हुई।

आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क ध्वस्त

> शाह बोले-14 राज्यों में 200 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान के शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि 14 राज्यों में चलाए गए समन्वित अभियानों के तहत 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया और आतंकी हमलों की उसकी योजनाओं को नाकाम किया गया।

शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया और उसके विध्वंसक हमलों की योजनाओं को विफल कर दिया। गृह मंत्री के अनुसार, अभियान के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और कथित तौर पर जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद किए गए। गृह मंत्री शाह ने कहा कि देशभर में की गई यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था। यह कार्रवाई देश के कई हिस्सों में भट्टी से जुड़े मॉड्यूल की जांच के बीच हुई है। 25 जुलाई को असम पुलिस ने बताया था कि उसकी स्पेशल टास्क फोर्स ने धुबरी, चिरांग और बारपेटा पुलिस के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

राम मंदिर दान का होगा हिसाब : एसआईटी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच कर रही कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच टीम एसआईटी से अपनी जांच में तेजी लाने और दो सप्ताह में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी को दान में कथित चोरी के मामले में अब तक हुई जांच की प्रगति की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश दिया। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट दान प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए निर्देश जारी कर सकता है।

पीठ ने एसआईटी से कहा कि जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाए।

कोर्ट ने संकेत दिया कि जांच में किसी भी तरह की कमी न रहे और पूरे मामले की पड़ताल प्रभावी तरीके से आगे बढ़े। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट देखने के बाद वह राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान के प्रबंधन में सुधार के लिए जरूरी निर्देश जारी कर सकता है। यानी कोर्ट की नजर केवल कथित हेराफेरी की जांच पर ही नहीं, बल्कि भविष्य में दान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने पर भी है। इससे पहले 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर में दान की कथित हेराफेरी की जांच के लिए आईजीपी किरण एस. की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय एसआईटी का संज्ञान लिया था। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने के लिए भी कहा था। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसमें 'सुधारात्मक कदम उठाने होंगे'। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया था कि दान के प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

तमिलनाडु में किसानों का 75000 रुपये तक का कर्ज माफ

* 13.34 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

चेन्नई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी विजय जोसेफ ने सोमवार को राज्य विधानसभा में फसल कर्ज माफी योजना का दायरा बढ़ाने का एलान किया। इसके साथ ही कुल वित्तीय मदद बढ़कर 6,220 करोड़ रुपये हो गई है। राज्यभर के 13.34 लाख किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री विजय जोसेफ ने कहा कि उनकी सरकार अपने 100 दिन पूरे करने के करीब है और वह गांवों में लोगों की रोजी-रोटी को लेकर अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने दोहराया कि किसानों और खेती की भलाई तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विजय ने कहा, अगर तमिलनाडु की जनता हमारी जिंदगी है, तो किसान हमारी जीवनरेखा हैं। किसानों की रोजी-रोटी की रक्षा करना, उनका कर्ज का बोझ कम करना और खेती को मजबूत करना इस सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने सहकारी बैंकों से 75 हजार रुपये तक का फसल कर्ज लिया है, अब उनका पूरा कर्ज माफ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत 75 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक के कर्ज पर अधिकतम 75 हजार रुपये की माफी होगी। इससे 2,38,264 किसानों को 40 हजार रुपये तक का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। 1 लाख रुपये से ज्यादा के कर्ज पर 35 हजार रुपये की तय माफी दी जाएगी। कर्ज माफी की बढ़ी हुई व्यवस्था से योजना में 953.06 करोड़ रुपये और जुड़ गए हैं। अब इस योजना पर कुल 6,220 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

बीजेपी-आरएसएस के लोग सिर्फ ध्यान भटकाते हैं : प्रियांक खड़गे

बेंगलुरु, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रियांक खड़गे ने सोमवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी तरफ से बातें रखीं। उन्होंने वंदे मातरम विवाद पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह कुछ भी नहीं है। यह सिर्फ ध्यान भटकाने की एक प्रक्रिया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हमें भाजपा या आरएसएस जैसे संगठनों से इस बात का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए कि हम कितने राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में किसी भी प्रकार का योगदान नहीं दिया। राष्ट्र गान और राष्ट्र गीत जैसे मुद्दों का जिक्र कर भाजपा राजनीतिक फायदा प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। इससे इन लोगों को किसी कोई फायदा होने वाला नहीं है। वो जितनी मर्जी चाहे, केस दर्ज करा सकते हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

'गलती एनटीए की फिर सजा छात्रों को क्यों?'

> यूजीसी-एनईटी री-एग्जाम पर राहुल गांधी का हमला, एनटीए से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को यूजीसी-नेट की दोबारा परीक्षा को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही मांग की कि इसके लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया, 'यह अब शिक्षा व्यवस्था नहीं रह गई है। यह तो बस पैसा वसूलने वाली मशीन बन गई है।' उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी, देखिए आपकी एनटीए ने अभी क्या किया है।

'गलती एनटीए करता है, लेकिन सजा छात्र भुगतते हैं'

सोशियोलॉजी, इंग्लिश और कॉमर्स के लिए यूजीसी-नेट परीक्षाएं 22 से 30 जून के बीच हुई थीं। लगभग दो महीने बाद,एनटीए ने इन तीनों परीक्षाओं को रद्द कर दिया क्योंकि उसने गलत पेपर सेट किए थे और पुराने सवाल दोहराए थे। जिन हजारों उम्मीदवारों ने वर्षों तक तैयारी की, फॉर्म भरे, फीस दी और दूर-दराज के सेंटर्स तक का सफर किया, उन्हें अब सितंबर में यह सब फिर से करना होगा। गलती एनटीए करता है, लेकिन सजा छात्र भुगतते हैं।' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आगे कहा, 'मैंने कोटा, देहरादून और प्रयागराज में यह बात कही थी और आगे भी कहता रहूंगा।

यह अब कोई शिक्षा व्यवस्था नहीं रह गई है। यह एक 'एक्सट्रैक्शन मशीन' (शोषण करने वाली मशीन) बन गई है। यह आपके पैसे, आपके साल, आपकी मानसिक सेहत और आपका आत्मविश्वास छीन लेती है और बदले में कुछ नहीं देती। यहां तक कि नौकरी भी नहीं।' 'एनटीए अब भी असली सवाल का जवाब नहीं दे रहा है। क्या परीक्षा से पहले ये पेपर लीक हुए थे?' उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार के बाकी विभागों की तरह, एनटीए भी कभी अपनी गलती नहीं मानता।

आय से अधिक संपत्ति मामले में राहुल गांधी को अंतरिम राहत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में 20 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर शिकायतकर्ता, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने उनके खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई और ईडी को कानून के तहत उचित कार्रवाई करने की छूट दी थी।

नौसेना को लीज मिलेंगे एमक्यू-9बी सी गार्डियन विमान

1,943 करोड़ रुपए का करार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और खुफिया क्षमताओं को और मजबूत मिलने जा रही है। इस दिशा में रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक. के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया।

इस समझौते के तहत भारतीय नौसेना के लिए 2, एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम लीज पर लिए जाएंगे। ये एयरक्राफ्ट के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की निगरानी क्षमता बढ़ेगी। भारतीय नौसेना इसकी मदद से पूरी क्षेत्र पर विशेष नजर बनाए रख सकेगी। यह दोनों एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट 30 महीने की अवधि के लिए भारतीय नौसेना को लीज पर मिलेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते की कुल कीमत करीब 1,943 करोड़ रुपए है। एमक्यू-9बी सी गार्डियन अत्याधुनिक प्रणालियों, आधुनिक सेंसर और उन्नत पेलोड से लैस हैं। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इन विमानों की सबसे बड़ी विशेषता समुद्री क्षेत्र के बड़े हिस्से में लगातार खुफिया, निगरानी और टोही क्षमता उपलब्ध कराना है। इसके जरिए भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में काफी लंबी अवधि तक समुद्री गतिविधियों पर नजर रख सकेगी।

अमेरिकी कंपनी के साथ हुए समझौते पर 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अनबरासु की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक एमक्यू-9बी सी गार्डियन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह लंबे समय तक हवा में रहकर समुद्री क्षेत्र की निगरानी कर सकता है।

त्योहारों में टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट एयरलाइंस पर सख्त

नियम नहीं मानें तो उड़ान रोक दो

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई टिकटों के दाम अचानक बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रूख अपनाते हुए कहा कि अगर एयरलाइंस नियमों का पालन नहीं कर रही हैं, तो उनकी उड़ानें रोक दी जाएं। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई टिकटों के दाम अचानक बढ़ने पर दायर याचिका पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि यात्रियों के हित में जो व्यवस्थाएं बनाई गई हैं, उसके पालन और नियमन को लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं है। याचिका की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अनिल कौशिक ने बताया कि हवाई किराए और शुल्क से जुड़े नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। इस प्रक्रिया को पूरा होने में 3 हफ्तों का समय लगेगा और हम अंतिम रूप दिए गए नियमों को कोर्ट के सामने रखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने एएसजी की तीन हफ्ते की मांग की दलील स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर तय कर दी है। वहीं, याचिकाकर्ता ने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने संसद में कहा है कि हम कुछ नहीं कर सकते। हम कोई कैपिंग नहीं लगा सकते। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किराए तय करने में एयरलाइंस कंपनियों की मनमानी यात्रियों का शोषण करने जैसा है और सरकार को यात्रियों को राहत देने के लिए कदम उठाने चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर एयरलाइंस पर किराया तय करने में मनमानी का आरोप लगाते हुए कोर्ट के दखल की मांग की।

कावेरी विवाद में सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते फिर सुनवाई

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद करने का फैसला किया है। अगली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ताजा आंकड़ों के साथ स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

याचिका में तमिलनाडु सरकार और डीएमके ने सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश देने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि कम मानसून और बारिश की कमी के कारण तमिलनाडु को उसके हिस्से का पूरा पानी नहीं मिल पा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक पर कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देशों का पालन नहीं करने का भी आरोप लगाया है।

विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर जोर : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार 'विकसित भारत के लिए बैंकिंग' पर एक उच्च-स्तरीय समिति का जल्द गठन करेगी। इस समिति का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करना है। वित्त मंत्री ने यह जानकारी पीएसबी कॉन्फ्लुएंस को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि समिति की घोषणा शीघ्र ही होने की उम्मीद है। यह समिति बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित अपने विचार और सिफारिशें सरकार को देगी।

निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026 को अपने बजट भाषण में इस समिति का प्रस्ताव रखा था। समिति का लक्ष्य क्षेत्र को भारत की अगली वृद्धि के चरण के साथ संरेखित करना है। इसका कार्य वित्तीय स्थिरता, समावेशन और उपभोक्ता संरक्षण को सुरक्षित रखना भी होगा। यह कदम भारत के आर्थिक विकास के लिए बैंकिंग प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार बैंकिंग प्रणाली को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहती है। समिति का मुख्य उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र की गहन समीक्षा करना है। यह सुनिश्चित करेगी कि बैंकिंग प्रणाली भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप हो। वित्तीय स्थिरता बनाए रखना इसका एक प्रमुख कार्य होगा। साथ ही, यह समावेशन और उपभोक्ता संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। वित्त मंत्री ने 1 फरवरी 2026 के बजट भाषण में इस समिति का प्रस्ताव किया था। उन्होंने कहा था कि यह समिति क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करेगी।

त्विषा शर्मा केस : रिटायर्ड जज और बेटे के खिलाफ 366 पन्नों का चालान पेश

> अदालत में सीबीआई के साक्ष्यों का अध्ययन जारी

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल के बहुचर्चित त्विषा शर्मा मौत मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद न्यायिक प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल जिला अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शोभना भलावे की अदालत में में 636 पन्नों का चालान पेश कर दिया है।

मामले में रिटायर्ड जिला न्यायाधीश गिरीबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को आरोपी बनाया गया है। चालान में दर्ज तथ्यों और जांच के दौरान जुटाए गए दस्तावेजों व साक्ष्यों का अदालत अध्ययन कर रही है। वहीं, दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने भी चालान की प्रतियां और उसमें शामिल साक्ष्यों का परीक्षण शुरू कर दिया है। अब इन्हीं तथ्यों के आधार पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया तय होगी।

12 मई को फंदे पर मिली थी त्विषा की लाश

मामले की शुरुआत 12 मई को हुई थी, जब त्विषा शर्मा की लाश फंदे पर मिली थी। घटना के बाद मौत की परिस्थितियों को लेकर सवाल उठे और पुलिस ने जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर मामला आगे बढ़ा। बाद में जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को मिली। सीबीआई ने मामले से जुड़े लोगों के बयान दर्ज करने के साथ दस्तावेजी और अन्य साक्ष्य जुटाए और उनकी कड़ियों को जोड़ते हुए जांच आगे बढ़ाई।

रिटायर्ड जज और बेटे को बनाया आरोपी

जांच पूरी करने के बाद सीबीआई ने अब अदालत में चालान पेश किया है। इसमें पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को आरोपी बनाया गया है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80(2), 85 और 108 के साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 और 4 के तहत आरोप लगाए गए हैं। इन धाराओं के तहत दहेज से जुड़े अपराध, महिला के साथ क्रूरता और आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित आरोपों की न्यायिक जांच होगी।

अब क्रॉस-वेरिफिकेशन करेंगे वकील

चालान पेश होने के बाद दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने सीबीआई की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों और साक्ष्यों का अध्ययन शुरू कर दिया है। अधिवक्ता चालान में दर्ज तथ्यों का उपलब्ध साक्ष्यों से मिलान करेंगे।

उनका फोकस इस बात पर रहेगा कि जांच एजेंसी ने जिन तथ्यों के आधार पर दोनों को आरोपी बनाया है, उन्हें समर्थन देने वाले साक्ष्य कितने ठोस हैं। अधिवक्ताओं के अध्ययन के बाद दोनों पक्ष अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। अदालत चालान में शामिल दस्तावेजों, साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय करेगी। फिलहाल मामले की अगली दिशा सीबीआई के चालान में प्रस्तुत साक्ष्यों और अदालत में दोनों पक्षों की दलीलों पर निर्भर करेगी।

ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट से गोदाम में आग, दो की मौत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में और गुजरात में सोमवार सुबह आग लग गई, सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पर लिया है। पहली आग पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई। वहीं, दूसरी घटना गुजरात के भरूच जिले के दहेज में भी सोमवार सुबह विजन प्रोडक्ट्स कंपनी में आग लग गई। पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई।

हादसे में आग की चपेट में आए दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को राघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, सोमवार सुबह 4:42 बजे आर-17ए, मस्जिद गुरुद्वारा रोड स्थित एक गोदाम में आग लगने की सूचना मिली।

देवेंद्र फडणवीस की पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद राजनीति गरमाई

मुंबई/नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम घोषित होने से पहले बीच सोमवार को नई दिल्ली में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। इस मुलाकात की जानकारी आते ही नई दिल्ली से लेकर मुंबई और नागपुर तक राजनीति गरमा गई। चर्चा शुरू हो गई कि क्या देवेंद्र फडणवीस भी केंद्र में आने वाले हैं? पीएम मोदी से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीस ने खुद सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। इनमें उन्होंने लिखा है कि देश के सफल प्रधानमंत्री और भारत के ग्लोबल लीडर, माननीय नरेंद्र मोदी जी से आज नई दिल्ली में मुलाकात हुई और अलग-अलग विषयों पर डिटेल में बातचीत हुई। महाराष्ट्र में अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्हें डिटेल में जानकारी दी गई, और केंद्र सरकार के साथ कोऑर्डिनेशन से चल रही स्कीम्स और प्रोजेक्ट्स के बारे में भी सहयोग मांगा गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट क्लर्क भर्ती विवाद

छात्रों ने खत्म किया आंदोलन

प्रशासन को दिया 7 दिन का समय

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में बॉम्बे हाई कोर्ट क्लर्क भर्ती की टाइपिंग परीक्षा में आई तकनीकी खामियों के खिलाफ उम्मीदवारों ने अपना विरोध प्रदर्शन फिलहाल स्थगित कर दिया है। छात्रों ने प्रशासन को इन समस्याओं को सुधारने और दोबारा परीक्षा आयोजित करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है।

रविवार को परीक्षा के दौरान कई केंद्रों पर कंप्यूटर और कीबोर्ड काम न करने की शिकायतें सामने आई थीं, जिसके बाद छात्रों ने भारी हंगामा किया। बॉम्बे हाई कोर्ट के नागपुर और औरंगाबाद बेंच के तहत 1,300 पदों के लिए यह टाइपिंग परीक्षा आयोजित की गई थी। पूरे महाराष्ट्र से लगभग 13,000 उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए पात्र थे। छत्रपति संभाजीनगर में मराठवाड़ा और विदर्भ के करीब 2,900 छात्र परीक्षा देने पहुंचे थे। उम्मीदवारों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान कंप्यूटर स्क्रीन पीली पड़ गई और कीबोर्ड ने काम करना बंद कर दिया, जिससे वे अपना टेस्ट पूरा नहीं कर पाए।

बॉम्बे हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार (कार्मिक) ने इस मामले में एक पत्र जारी किया है। प्रशासन के अनुसार, टाइपिंग परीक्षा मुख्य रूप से सुचारू रूप से संपन्न हुई है। हालांकि, औरंगाबाद और कल्याण जैसे कुछ केंद्रों पर तकनीकी दिक्कतें आने की रिपोर्ट मिली है। प्रशासन ने कहा है कि एजेंसी के स्तर पर हुई इन खामियों की जांच की जा रही है। जांच के बाद छात्रों को आधिकारिक तौर पर आगे की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाएगी। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

केजरीवाल ने पीएम मोदी के लालकिले के भाषण पर साधा निशाना

'जो सवाल पूछे, वह दिमागी नक्सली ?'

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से दिए गए भाषण को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर दिमागी नक्सली कौन है?

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में जो व्यक्ति सरकार से सवाल करता है, व्यवस्था में बदलाव की मांग करता है और बेहतर सुविधाओं की आवाज उठाता है, उसे दिमागी नक्सली बताया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जो व्यक्ति देशभक्ति की बात करता है और देश की समस्याओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद करता है, क्या वह दिमागी नक्सली है? उन्होंने कहा कि जो इस देश में

सवाल पूछता है, वह दिमागी नक्सली है। जो सड़ी-गली व्यवस्था को बदलना चाहता है, उसे भी नक्सली कहा जा रहा है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो अपने बच्चों के लिए अच्छे सरकारी स्कूल चाहता है, बेहतर अस्पताल चाहता है और आम लोगों के लिए सुविधाएं चाहता है, उसे भी दिमागी नक्सली करार दिया जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि जो नागरिक साफ पानी, बेहतर बिजली व्यवस्था, सीवर और ड्रेनेज की सुविधा की मांग करता है, क्या वह देश विरोधी हो गया? उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखने वाले लोगों को लेकर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि यदि कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है और देश में ईमानदार तथा जवाबदेह शासन की मांग करता है, तो क्या उसे भी 'दिमागी नक्सली' कहा जाएगा? आप संयोजक ने कहा कि जो प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी से डरता नहीं है और सरकार से सवाल करने की हिम्मत रखता है, उसे भी इस नजरिए से देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जो नागरिक विकसित भारत का सपना देखता है और देश को बेहतर बनाने के लिए सरकार से जवाब मांगता है, वह किसी भी तरह से देश विरोधी नहीं हो सकता। केजरीवाल ने अपने बयान में स्वतंत्रता आंदोलन के महान क्रांतिकारी भगत सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर आज भगत सिंह जिंदा होते और देश की व्यवस्था में बदलाव तथा आजादी के मूल्यों की बात करते, तो प्रधानमंत्री के बयान के हिसाब से उन्हें भी 'दिमागी नक्सली' कहा जा सकता था।

400 पायलटों के डोप टेस्ट पूरे, दो के नतीजे सामान्य से अलग

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। एअर इंडिया समूह ने 13 अगस्त से सभी पायलटों के लिए जांच अनिवार्य कर दी है। अब तक करीब 300 से 400 पायलटों की जांच की जा चुकी है। इनमें से दो पायलटों की शुरुआती जांच में सामान्य से अलग (नॉन-नेगेटिव) नतीजे आए हैं।

इनकी पक्की जांच रिपोर्ट का अभी इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि अभी तक किसी भी पायलट को जांच में फेल नहीं पाया गया है। शुरुआती जांच में नॉन-नेगेटिव नतीजे आने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें दवाइयों का सेवन भी एक कारण हो सकता है।

बीते हफ्ते एअर इंडिया की थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट में भीषण टर्बुलेंस की वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। इस घटना की तब विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच शुरू कर दी थी। कुछ रिपोर्ट्स में फ्लाइट के पायलट के डोप टेस्ट के पॉजिटिव आने के भी कई दावे किए गए। हालांकि, बाद में सवालों के घेरे में आए पायलट के गांजे के नशे में फ्लाइट उड़ाने की पुष्टि हुई। पुनर्परीक्षण की पुष्ट की बात कही गई। विमानन कंपनियों को हर साल अपने कम से कम 10% उड़ान क्रू और हवाई यातायात नियंत्रकों (एटीसीओ) की औचक ड्रग जांच एक वैज्ञानिक रूप से मान्य औचक तरीके से करनी होती है। यह जांच पायलट की छुट्टी या आराम की अवधि के दौरान नहीं की जा सकती। नशीले पदार्थों की जांच के लिए नमूना लेने (मूत्र का नमूना, न्यूनतम 45 मिलीलीटर) और ऑन-साइट स्क्रीनिंग की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य रूप से की जाती है और इसे छह महीने तक सुरक्षित रखा जाता है।

ड्रग्स या नशीले पदार्थों की जांच के लिए एक बहुत ही संवेदनशील और कानूनी रूप से सुरक्षित बहु-चरणीय प्रक्रिया अपनाई जाती है। यह परीक्षण केवल एनएबीएल सर्टिफाइड लैब में ही किया जा सकता है।विमानन कंपनी का आंतरिक चिकित्सा अधिकारी भी सैंपल कलेक्शन के दौरान मौजूद रहता है, जो गवाह के तौर पर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी करता है।

राहुल गांधी की पुणे रैली सिर्फ छात्राओं के लिए

22 अगस्त को होगा 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत पुणे में होने वाले अगले कार्यक्रम को सिर्फ लड़कियों के लिए रखने का ऐलान किया है। यह कार्यक्रम 22 अगस्त को होगा। राहुल ने कहा कि इस बार छात्राएं अपनी बात खुलकर रखेंगी और देश उनकी आवाज सुनेगा।

राहुल ने यह घोषणा सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए की। वीडियो में वह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले कुछ युवाओं से बातचीत करते नजर आए। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान युवाओं के हौसले की तारीफ की और खास तौर पर उन लड़कियों का जिक्र किया, जिनके साथ कथित तौर पर बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा हुई।

22 अगस्त को पुणे में कार्यक्रम

राहुल गांधी ने बताया कि 'छात्रों की गूंज' का अगला कार्यक्रम 22 अगस्त को पुणे में होगा। इस बार कार्यक्रम में सिर्फ लड़कियां शामिल होंगी। इसका मुख्य फोकस छात्राओं की बात और उनकी समस्याओं को सामने लाना होगा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन का जिक्र

राहुल ने कहा कि भारत के युवाओं ने जवाबदेही की मांग को लेकर मजबूती से अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान लड़कियों ने भी दबाव और कथित बदसलूकी के बावजूद हिम्मत नहीं छोड़ी। राहुल ने कहा कि लड़कियों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पुणे में छात्राएं खुद अपनी बात रखेंगी और देश उनकी बात सुनेगा। कांग्रेस ने जून 2026 में 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया था।

कोई 1 करोड़ रुपये दे तो हिमंत बिस्व सरमा को मार डालूंगा

मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण में मुस्लिम शख्स ने दी धमकी, अब गिरफ्तार

गुवाहाटी, 16 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के भाषण का लाइव प्रसारण चल रहा थी। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एस शख्स ने उन्हें धमकी दी। उसने कहा कि उसे कोई एक करोड़ रुपये दे तो वह हिमंत बिस्व सरमा की हत्या कर सकता है। इस कमेंट को कुछ ने लाइक भी किया। हालांकि इस कमेंट के बाद असम पुलिस एक्टिव हुई और पुलिस ने मोरीगांव जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के पिता, भाई और एक अन्य व्यक्ति समेत तीन और लोगों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि कमेंट के बाद पूरे राज्य की पुलिस एक्टिव हो गई थी। ताबड़तोड़ छापेमारी की गईं और सभी गिरफ्तारियां रात भर में असम के मोरीगांव जिले में की गईं। गिरफ्तार किए गए मुख्य संदिग्ध की पहचान अब्दुल मुतालेब के तौर पर हुई है, जो पेशे से दर्जी है। पुलिस ने बताया कि मुख्यमंत्री को सोशल मीडिया पर मिली धमकी के साथ दिखाए गए मोबाइल नंबर की जांच के बाद उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस को पता चला कि यह नंबर मुतालेब के नाम पर रजिस्टर्ड था। यह कथित धमकी गुवाहाटी के खानापारा में सरमा के स्वतंत्रता दिवस भाषण की लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान सामने आई। शिकायत के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'मीटा' पर अब्दुल मुतालेब नाम से यह फेसबुक अकाउंट था।

अरुणाचल सीमा पर चीन की गतिविधियों को लेकर ओवैसी के सवाल

> केंद्र से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीन की गतिविधियों और भारतीय सेना की पेट्रोलिंग को रोके जाने की खबरों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार से सीमा पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और देश को पूरी जानकारी देने की मांग की है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सरकार की लगातार चुप्पी के कारण वह अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा पर स्थिति को लेकर अपने सवाल दोहरा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलओ) ने हाल में भारतीय सेना की पेट्रोलिंग टीम को उस इलाके में जाने से रोका है, जहां जवान पहले नियमित रूप से गश्त करते रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख ने यह भी सवाल उठाया कि क्या पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भारतीय सेना की पेट्रोलिंग टीम द्वारा इलाके में बनाए गए किसी अस्थायी ढांचे को नष्ट किया है। इसके अलावा उन्होंने पूछा कि क्या चीन ने उन क्षेत्रों में टेंट लगाए हैं, जहां पहले भारतीय पेट्रोलिंग टीम जाती थी और जो भारत के क्षेत्र में आते हैं। ओवैसी ने इससे पहले भी अरुणाचल प्रदेश की सीमा को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। उन्होंने कहा था कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि सीमा पर वास्तव में क्या हो रहा है। उनके मुताबिक, अब तक सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी अपर्याप्त और अस्पष्ट है।

खबरें जरा हटके

भारत में बसाया जा रहा था 'मिनी इटली', हजारों करोड़ का था प्रॉजेक्ट, आज बना घोस्ट टाउन!

भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट के कई बड़े प्रोजेक्ट समय-समय पर लॉन्च होते रहे हैं. कुछ सफल रहे तो कई अधूरे रह गए और निवेशकों के पैसे फंस गए. इनमें से एक प्रमुख नाम है पुणे के पास लवासा प्रोजेक्ट का. इसे भारत का पहला प्राइवेट हिल स्टेशन बनाने का सपना देखा गया था. इटली के तटीय शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर डिजाइन किया गया यह टाउन आज घोस्ट टाउन जैसा दिखता है. हजारों करोड़ रुपये का निवेश होने के बावजूद यहां मुट्ठीभर लोग रहते हैं और बेसिक सुविधाएं भी पूरी तरह उपलब्ध नहीं है. लवासा की कहानी दो दशक पहले शुरू हुई. महाराष्ट्र सरकार की हिल स्टेशन पॉलिसी के तहत हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी यानी एचसीसी ने इसे विकसित करने का जिम्मा लिया था. अजित गुलाबचंद के नेतृत्व में यह प्रोजेक्ट पश्चिमी घाट की पहाड़ियों में मुलशी तालुका के आसपास फैला. वरसगांव बांध के बैकवाटर्स के किनारे रंग-बिरंगी इमारतें, लेकसाइड प्रॉमनेड, होटल, विला और आधुनिक सुविधाओं वाला शहर बसाने की योजना थी. पांच टाउन और सात पहाड़ियों पर फैले इस प्रोजेक्ट में दो लाख लोगों के रहने की कल्पना की गई थी. लेकिन इसका अंत ऐसा होगा, किसी ने नहीं सोचा था.

इन्वेस्टर्स को किया था आकर्षित

शुरुआत में लवासा आकर्षण का केंद्र बना. पर्यटक यहां आने लगे. कुछ लोग विला और अपार्टमेंट खरीदने लगे. इटालियन अंदाज की सड़कें, खुले स्थान और हरियाली ने इसे खास बनाया. लेकिन जल्द ही समस्याएं सामने आने लगीं. 2010 में पर्यावरण और वन मंत्रालय ने निर्माण पर रोक लगा दी. आरोप था कि जरूरी पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी. प्रोजेक्ट पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में था. पेड़ों की कटाई, ढलानों पर निर्माण और जल स्रोतों पर प्रभाव को लेकर सवाल उठे. कानूनी लड़ाई शुरू हुई. कुछ समय बाद रोक हटी लेकिन प्रोजेक्ट की रफ्तार धीमी पड़ गई. जमीन अधिग्रहण को लेकर भी विवाद रहे. स्थानीय किसानों और आदिवासी समुदायों के अधिकारों की बातें उठीं. सीएजी रिपोर्ट में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगे.

नेपालियों की आंखें क्यों होती है खींची? प्रकृति ने सोच-समझ कर बनाए ऐसे फीचर, ठंड और हवा से करती है रक्षा!

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की शारीरिक बनावट में फर्क साफ दिखता है. त्वचा का रंग, बालों की बनावट, नाक की शक्ल और आंखों का आकार—ये सब प्रकृति और पर्यावरण के लंबे असर का नतीजा होते हैं. इन्हीं में से एक खास फीचर है पूर्वी एशियाई लोगों की आंखें. कोरियाई, चीनी, जापानी, मंगोलियाई और नेपाली समुदायों में आंखों का आकार आम यूरोपीय या दक्षिण एशियाई लोगों से अलग दिखता है. इन्हें आम भाषा में "खींची हुई आंखें" या वैज्ञानिक भाषा में मोनीलिड और एपिकैंथिक फोल्ड कहा जाता है. कई लोग इस फर्क को सिर्फ सुंदरता या फैशन से जोड़कर देखते हैं. कुछ सेलिब्रिटी डबल आईलिड सर्जरी करवाकर अपनी आंखों का आकार बदलवा लेते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि प्रकृति ने इन इलाकों में रहने वाले लोगों की आंखें ऐसी क्यों बनाईं?

इसका जवाब पर्यावरणीय अनुकूलन यानी एवोल्यूशनरी एडाप्टेशन में छिपा है. ठंड, तेज हवा, बर्फ की चमक और कठोर जलवायु से बचाव के लिए प्रकृति ने यह अनोखा फीचर विकसित किया है. मोनीलिड आंखों में ऊपरी पलक पर एक अतिरिक्त त्वचा की परत होती है जो आंख के भीतरी कोने को ढक लेती है. इसे एपिकैंथिक फोल्ड कहते हैं. इससे आंखें थोड़ी संकरी और खींची हुई दिखती हैं. यह फीचर सिर्फ पूर्वी एशिया तक सीमित नहीं है. कुछ मूल अमेरिकी जनजातियों, दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ समूहों और मध्य एशिया के लोगों में भी यह पाया जाता है. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह फीचर हजारों साल पहले विकसित हुआ जब मनुष्य कठोर ठंडे इलाकों में रहने लगे. सबसे प्रचलित सिद्धांत यह है कि एपिकैंथिक फोल्ड ठंडी और हवा वाली जलवायु में फायदेमंद साबित हुआ. साइबेरिया, मंगोलिया, उत्तरी चीन और कोरिया जैसे इलाकों में सर्दियां बहुत कठोर होती हैं. तेज ठंडी हवा आंखों को नुकसान पहुंचा सकती है. बर्फ और बर्फीली धरती से परावर्तित होने वाली तेज रोशनी यानी स्नो ग्लेयर से आंखें प्रभावित हो सकती हैं. इस फोल्ड की वजह से आंख का खुला हिस्सा कम हो जाता है. इससे ठंडी हवा का सीधा संपर्क कम होता है और तेज रोशनी से भी बचाव मिलता है. आंखों के आसपास की वसा की परत भी अतिरिक्त सुरक्षा देती है.

एक दांत की जगह निकले चार-चार दांत, कनाडा की इस महिला के अनोखे मुंह ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया में कुछ लोगों के शरीर में ऐसी दुर्लभ शारीरिक विशेषताएं होती हैं, जो उन्हें बाकी लोगों से बिल्कुल अलग बना देती हैं. कनाडा की सिल्विया बोक्टर भी ऐसी ही एक अनोखी स्थिति के कारण चर्चा में हैं. उनके मुंह में एक ही दांत की जगह यानी सॉकेट में चार दांत मौजूद हैं. उनकी इसी असामान्य स्थिति ने उन्हें वर्ल्ड रिकॉड्र्स में जगह दिला दी है.

सबसे दिलचस्प बात यह है कि सिल्विया को लंबे समय तक इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि उनके मुंह में सामान्य से ज्यादा दांत हैं. उन्हें इसका पता करीब 20 साल की उम्र में चला, जब डॉक्टरों ने उनका पैनोरमिक डेंटल एक्स-रे किया. जांच के दौरान तस्वीरों में कुछ ऐसा नजर आया, जिसने डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया. एक सामान्य दांत के अलावा उसी स्थान पर तीन अतिरिक्त दांत भी विकसित हो रहे थे. इन्हें मेडिकल भाषा में सुपरमेररी टीथ यानी अतिरिक्त दांत कहा जाता है. यह स्थिति काफी दुर्लभ मानी जाती है और इसी वजह से सिल्विया का मामला डेंटल विशेषज्ञों के लिए भी खास बन गया. अपने अतिरिक्त दांतों के बारे में पता चलने के बाद सिल्विया कई डेंटिस्ट से मिलीं. कुछ डॉक्टरों ने उन्हें सलाह दी कि इन अतिरिक्त दांतों को निकाल देना बेहतर होगा. हालांकि, सिल्विया को इनकी वजह से न तो दर्द होता था और न ही रोजमर्रा की जिंदगी में कोई बड़ी परेशानी थी. इसीलिए उन्होंने दांतों को हटवाने के बजाय उन्हें वैसे ही रखने का फैसला किया. एक बार एक डेंटिस्ट ने तो पहली नजर में इन दांतों को सामान्य दांत समझ लिया था. डॉक्टर को लगा कि शायद उन्हें सीधा करने के लिए ऑर्थोडॉन्टिक ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ेगी. लेकिन करीब से जांच करने पर पता चला कि ये अतिरिक्त दांत हैं. डॉक्टर के लिए भी यह अनुभव बेहद असामान्य था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 18 अगस्त, 2026 3

सुविचार: सज्जन व्यक्ति कभी दिखावा, आडमंबर नहीं करते।

निजी जमीनों को 22-ए सूची में शामिल करना अधिकारियों की गलती : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया कि निजी जमीनों को 22-ए प्रतिबंधित संपत्तियों की सूची में शामिल किया जाना अधिकारियों की गलतियों का परिणाम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसी सभी गलतियों को सुधारा जाएगा और किसी भी वास्तविक निजी संपत्ति को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

सचिवालय में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि सरकार की लोगों की संपत्तियों में बाधा डालने की कोई मंशा नहीं है। उन्होंने लोगों से घबराने की अपील करते हुए कहा कि संपत्तियों में हस्तक्षेप करना सरकार की नीति नहीं है और किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने बताया कि सरकार को अब तक निजी जमीनों को 22-ए सूची में शामिल किए जाने से संबंधित 750 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें करीब 500 शिकायतें मेदचल और 100 शिकायतें रंगारेड्डी जिले से मिली हैं, जबकि कुछ शिकायतें हैदराबाद से भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि चार जिलों के प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित मामलों की जांच कराई गई है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक निजी संपत्ति की एक भी गज जमीन प्रभावित न हो। पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिले से मिली करीब 350 शिकायतें अभिलेखित संपत्तियों से संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सूची में शामिल कुछ जमीनों से जुड़े मामले उच्च न्यायालय में लंबित हैं। मंत्री ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा की गई गलतियों की पहचान की गई है। न्यायालय के आदेशों को ऑनलाइन दर्ज नहीं किए जाने के कारण भी कई समस्याएं उत्पन्न हुईं।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों से हुई गलतियों को सुधारा जा रहा है और वास्तविक मामलों का जल्द समाधान किया जाएगा। पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने 22-ए मुद्दे को लेकर प्रभावित लोगों से चिंता नहीं करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि सरकार प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी निभाएगी। उन्होंने

22-ए के नाम पर लोगों को भड़काने के प्रयासों की भी आलोचना की और कहा कि वास्तविक शिकायतों का समाधान किया जाएगा। मंत्री ने 22-ए मुद्दे के कारण परेशानी झेलने वाले लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को समस्या के समाधान के नाम पर एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर लगवाए गए तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने 22-ए से जुड़े मामलों के समाधान के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की। साथ ही वास्तविक शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर भी स्थापित किया जाएगा। मंत्री ने 22-ए प्रतिबंधित संपत्तियों की सूची से संबंधित वास्तविक समस्या झेल रहे लोगों से टोल-फ्री नंबर 18005-994788 पर अपनी शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

एसआईआर के तहत तेलंगाना में प्रारूप मतदाता सूची जारी

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण के बाद तैयार की गई प्रारूप मतदाता सूची सोमवार को जारी कर दी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि राज्यव्यापी पुनरीक्षण अभियान का प्रारंभिक चरण पूरा हो चुका है और गणना प्रपत्र प्राप्त होने का आंकड़ा 78 प्रतिशत से अधिक हो गया है। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान दो प्रतिशत से अधिक मतदाता मृत पाए गए, जबकि करीब 60 लाख मतदाता अभिलेखों में विभिन्न प्रकार की विसंगतियां सामने आई हैं। इसके अलावा लगभग 32 लाख मतदाताओं का मिलान नहीं हो पाया है। इन परिस्थितियों के चलते राज्यभर में करीब 92 लाख लोगों को नोटिस जारी किए जाने हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं से जल्द से जल्द आवश्यक दस्तावेजों के साथ जवाब दाखिल कर सत्यापन प्रक्रिया पूरी कराने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रत्येक नोटिस जारी किए जाने के कारणों की स्पष्ट जानकारी संबंधित मतदाता को दी जाएगी। सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यदि किसी मतदाता को मतदाता सूची से अपना नाम हटाए जाने को लेकर कोई आपत्ति या चिंता है तो वह अपना पक्ष रखने का अधिकार रखता है और इसके लिए संबंधित अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने बताया कि दावों, आपत्तियों और संबंधित आवेदनों की जांच की प्रक्रिया अक्टूबर तक चलेगी। इस कार्य के लिए राज्यभर में 2,000 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

बेगम बाज़ार में जुआ खेलने के आरोप में 10 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने रविवार तड़के बेगम बाज़ार छतरी के पास गैर-कानूनी ताश का खेल आयोजित करने और उसमें शामिल होने के आरोप में 10 लोगों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, एक टीम ने बेगम बाज़ार छतरी के पास एक घर पर छापा मारा और कथित तौर पर 10 लोगों को पैसे के लिए तीन-पत्ती वाला ताश का खेल खेलते हुए पाया। पुलिस ने 1,18,800 रुपये नकद, 52 ताश के पत्तों का एक पैकेट, कसीनो-स्टाइल टोकन और हुक्का कॉइल व इलेक्ट्रिक स्टोव के साथ तीन हुक्का पॉट ज़ब्त किए।

पुलिस ने श्याम सुंदर और घनश्याम दास करवा की पहचान उन लोगों के तौर पर की है जिन्होंने कथित तौर पर इस गेमिंग गतिविधि में मदद की थी। बाकी आठ लोग कथित तौर पर खेल में शामिल थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए लोगों में से कुछ पहले भी गेमिंग, आबकारी और अन्य आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं।

चोरी के आरोप में पांच गिरफ्तार

निर्मल, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को ज़िले के अलग-अलग हिस्सों में मंदिरों, घरों और दुकानों में चोरी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने इन पांचों लोगों से तीन मोटरसाइकिल, 7.5 ग्राम सोना, 300 ग्राम चांदी और पांच मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किए।

गिरफ़्तारी की जानकारी देते हुए एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि आरोपी - राजशेखर, राजेश्वर, श्रीकांत, रामचरण और क्रांति - ज़िले भर में हुई 25 वारदातों में शामिल थे। इन पांचों को 'टाइगर टास्क फ़ोर्स' नाम की एक स्पेशल टीम ने सीसीटीवी फ़ुटेज, अपराधियों की गतिविधियों और पुराने अपराधों के रिकॉर्ड की मदद से पकड़ा।

पूछताछ के दौरान, पांचों ने महादेवपुरम, शास्त्रीनगर, सोफ़ीनगर, गल्लापेट, बंगालपेट और शहर के अन्य हिस्सों के साथ-साथ ममाडा, थानूर, लक्ष्मणचंदा और सारंगापुर मंडलों में चोरी करने की बात कबूल की। उन्होंने आंध्र प्रदेश के गन्नावरम में एक मंदिर में चोरी करने की बात भी मानी। भैंसा एएसपी साई किरण, निर्मल डीएसपी श्रीनिवास, इंस्पेक्टर कृष्णा और सम्मैया, सब-इंस्पेक्टर लिंबाद्री, गणेश, एसके गफ़र, हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर युवक ने युवती को धोखा दिया

कोत्तागुडेम, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पालोंचा मंडल के कोडिपूंजुलवागु गांव में एक युवती और उसके परिवार वालों ने एक युवक के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवक ने शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण किया। परिवार वालों के अनुसार, गांव का रहने वाला युवक भुक्या अभि और युवती पिछले दो साल से प्रेम संबंध में थे। रविवार रात करीब 11 बजे युवक उसे पुल्लैयागुडेम इलाके के एक डंपिंग यार्ड में ले गया और कहा कि वह उससे शादी करेगा।

हालांकि, वहां उसने युवती का यौन शोषण किया और शादी करने से इनकार करते हुए उसकी पिटाई भी की। बाद में, युवती ने अपने परिवार वालों को फोन किया और उन्हें अपनी स्थिति बताई। उन्होंने बताया कि युवती के परिवार वालों के वहां पहुंचने से पहले ही युवक वहां से भाग गया। न्याय की मांग करते हुए युवती ने अपने परिवार वालों के साथ सोमवार को अभि के घर के सामने धरना दिया। वे चाहते थे कि पुलिस घटना की पूरी जांच करे और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे।

टीजीएचआरसी ने प्रवेश संबंधी चिंताओं को उजागर किया

श्रेणी-बी के लिए सख्त नियमों की मांग की

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने छात्रों के लिए पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए श्रेणी-बी (प्रबंधन / एनआरआई) इंजीनियरिंग प्रवेश को नियंत्रित करने वाले दिशानिर्देशों के सख्त प्रवर्तन की सिफारिश की है। हाल ही में आयोग ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के जेएसी श्री पलादुगु शीनिवास द्वारा दायर शिकायत पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने धुलापल्ली स्थित सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग कॉलेज और शमशाबाद स्थित वर्धमान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए श्रेणी-बी प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। जबकि टीएससीएचई ने दावा किया कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया था, शिकायतकर्ता ने निष्कर्षों पर आपत्ति जताई और सहायक दस्तावेज प्रस्तुत किए। तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद (टीएससीएचई) के सचिव ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें कहा गया कि दोनों कॉलेजों ने 18 सितंबर, 2021 को तीन समाचार पत्रों में अधिसूचना जारी की थी और निर्धारित दिशानिर्देशों और कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली थी। हालांकि, शिकायतकर्ता ने इस रिपोर्ट का खंडन किया और अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत किए। आयोग ने पाया कि आरोप गंभीर थे और यदि वे सच साबित हुए, तो अधिसूचित प्रवेश प्रक्रिया और उसके वास्तविक कार्यान्वयन के बीच विसंगति होगी, जिससे योग्य और मेधावी छात्रों के वैध शैक्षिक अवसरों पर संभावित रूप से असर पड़ सकता है। आयोग ने पाया कि अधिसूचित प्रक्रिया से किसी भी प्रकार का विचलन योग्य और मेधावी छात्रों को प्रभावित कर सकता है। आयोग ने टीएससीएचई को प्रवेश दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने, मनमानी या अनधिकृत प्रथाओं को रोकने और सभी योग्य उम्मीदवारों के लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और समान अवसर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

महिला की हत्या, शव बोरी में भरा मिला

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह बालापुर में एक भयानक हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। एक महिला की कथित तौर पर उसके प्रेमी ने चाकू मारकर हत्या कर दी और फिर उसके शव को बोरी में भरकर भाग गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता रेहाना और संदिग्ध मोहम्मद सलाम रिलेशनशिप में थे और बिस्मिल्लाह कॉलोनी में रह रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार, रेहाना काफी समय से सलाम पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इससे सलाम नाराज हो गया। पुलिस को शक है कि शादी के लिए लगातार दबाव बनाने की वजह से बहस हुई, जिसके बाद सलाम ने कथित तौर पर चाकू से रेहाना पर हमला किया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने कथित तौर पर महिला के शव को बोरी में भरा, उसे बेडरूम में रखा और घर से भाग गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद बालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच से पता चला है कि रेहाना और सलाम दोनों बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस टीमें संदिग्ध का पता लगाने और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही हैं। हत्या के पीछे की असल वजह और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी का इंतजार है।

ख्वाजागुड़ा और मल्कंचेरुवु में यातायात सुरक्षा की समीक्षा

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुचारु बनाने के उद्देश्य से यातायात संयुक्त पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह ने सोमवार को ख्वाजागुड़ा और मल्कंचेरुवु क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर यातायात की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सनप्रीत सिंह ने ख्वाजागुड़ा स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास प्रस्तावित नए यू-टर्न स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर यातायात व्यवस्था और प्रस्तावित बदलाव को लेकर उनकी राय भी जानी। उन्होंने यातायात के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, शेरिलिंगमपल्ली, माधापुर यातायात सहायक पुलिस आयुक्त और रायदुर्गम यातायात थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास वर्तमान पुराने यू-टर्न को पूरी तरह बंद कर उससे करीब 70 मीटर आगे नया यू-टर्न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के साथ ही वाहन चालकों द्वारा गलत दिशा में वाहन चलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। इसके बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त ने मल्कंचेरुवु के पीछे स्थित हाईटेंशन रोड का निरीक्षण किया और वहां यातायात की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि बहुत कम दूरी पर दो यू-टर्न होने के कारण वाहनों की आवाजाही में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस पर उन्होंने अधिकारियों को कम दूरी पर स्थित दोनों यू-टर्न बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने, यातायात को व्यवस्थित करने तथा वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम तत्काल उठाने को कहा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय यातायात पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

एसीआर महाप्रबंधक ने की सुरक्षा समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में रेल परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष शामिल हुए। सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो सम्मेलन के माध्यम से बैठक में भाग लिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को गैर-अंतरसंचालन समपार फाटकों पर अचानक निरीक्षण करने तथा निर्धारित सभी सुरक्षा कार्य नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी स्तर के कर्मचारियों और संविदा कर्मियों को नियमित रूप से सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया। विशेष रूप से प्वाइंटों और क्रॉसिंग के आसपास सुरक्षा दिशानिर्देशों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि ट्रेनों का परिचालन सुरक्षित और सुचारु रूप से हो सके। संजय कुमार शीवास्तव ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पटरियों के आसपास किसी भी प्रकार की निर्माण सामग्री न छोड़ी जाए। उन्होंने कर्मचारियों को नवीनतम सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं से अद्यतन रखने के लिए नियमित पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों से पूरे जोन में निरंतर सतर्कता बनाए रखने और सभी कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता को और मजबूत करने को कहा। बैठक के दौरान उन्होंने रेल संकेतों की दृश्यता तथा पेड़ों और उनकी बढ़ी हुई शाखाओं के कारण उत्पन्न होने वाली बाधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जहां आवश्यक हो, पेड़ों की शाखाओं की छंटाई कराई जाए, ताकि लोको पायलटों को संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दें और रेल परिचालन सुरक्षित एवं निर्बाध बना रहे। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. शीधर ने यह जानकारी दी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

Army no 20000579A Rank SEP , I, KURRA SRINIVASA RAO, S/o Kurra Samba Siva Rao, Residing at Panditivari palem , Piduguralla, Guntur ,A.P -522413, hereby declare that the name and date of birth of my wife have been incorrectly recorded in my service records as VENKATA PADMAVATHI, Date of Birth 05.05.1992. Her correct name is KURRA VENKATA PADMAVATHI and her correct Date of Birth is 21.07.1991, as per her Aadhaar Card..

Army no 4005674A Rank HAV I, MUKESH KUMAR M, S/o MADHAVA KURUP, Residing at Vill – Atholi, Post – Modakkallur, The Koyilandy, Dist –Kozhikode, Kerala – 673315,That the name of my mother have been incorrectly entered in my service records as SUMATHI Whereas, her correct name is SUMATHI AMMA.

I, Shoba S, Mother of No. 14684216X, CHM, Ratheesh Kumar R, R/o, Vill & PO: Karakulam, Dist: Trivandrum, Kerala, changed my name from Shoba S to Sobha S, vide Affidavit No. 467786 dt. 23.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अंतर-राज्यीय हशीश ऑयल सप्लाई नेटवर्क मामले में छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल ऑपरेशन्स टीम एलबी नगर ज़ोन और वनस्थलीपुरम पुलिस ने सोमवार को चिंथलकुंटा के पास एक अंतर-राज्यीय हशीश ऑयल सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और छह लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें एक महिला और दो नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने लगभग 1.5 करोड़ रुपये कीमत का 12 किलोग्राम हशीश ऑयल, पांच मोबाइल फोन और 5,000 रुपये नकद ज़ब्त किए। संदिग्धों की पहचान जी. श्रीनू, उनकी पत्नी निबिया केबी उर्फ अम्मू, सीएच. सरन, पी. जगदीश उर्फ जग्गा और दो 17 वर्षीय नाबालिगों के रूप में की गई।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह कथित तौर पर आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू ज़िले से बेंगलुरु तक हैदराबाद के रास्ते हशीश ऑयल पहुंचाता था। दो नाबालिगों सहित चार कैरियर (सामान ले जाने वाले) ने नशीले पदार्थ को 1 किलोग्राम के पैकेट में छिपाकर अपने पैरों और पेट पर बांध रखा था; हर कैरियर लगभग 3 किलोग्राम सामान ले जा रहा था।

मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नर बी. सुमति ने कहा, मुख्य संदिग्ध श्रीनू को पहले आंध्र प्रदेश में एनडीपीएस मामलों में गिरफ्तार किया गया था और रिहाई के बाद उसने फिर से ड्रग तस्करी शुरू कर दी थी। उसने और उसकी पत्नी ने कथित तौर पर बेरोज़गार आदिवासी युवाओं को पैसे का लालच देकर नशीले पदार्थ की तस्करी के काम में लगाया था।

इस खेप के लिए, बेंगलुरु स्थित एक रिसीवर ने 12 किलोग्राम हशीश ऑयल पहुंचाने के बदले 10 लाख रुपये देने का वादा किया था। गिरफ्तार लोगों ने कथित तौर पर चिंतापल्ली इलाके में कृष्णा नाम के सप्लायर से खेप ली थी और बेंगलुरु की ओर जा रहे थे। पुलिस कृष्णा और एक अन्य आरोपी सिजो की तलाश कर रही है, जिसके बेंगलुरु में मुख्य रिसीवर होने का संदेह है। अंतर-राज्यीय नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

प्रयागराज के घरों में 3-3 फीट पानी भरा, कारें-बाइकें डूबीं

एनडीआरएफ ने नावों से लोगों को रेस्क्यू किया, 25 शहरों में बारिश, 75 में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मानसून ने फिर से पूरे यूपी को कवर कर लिया है। सोमवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत 25 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। आसमान में काले बादल छाए होने की वजह से सुबह भी अंधेरा छाया रहा।

प्रयागराज में देर रात से हो रही बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करेली इलाके की कॉलोनियों और गलियों में 3-4 फीट तक पानी भर गया है। कारें और बाइकें डूब गई हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है।

लखनऊ में 6 घंटे से रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश की वजह से कई इलाकों में सड़कें और गलियां जलमग्न हो गई हैं। यहां रविवार को इस सीजन में एक दिन में सबसे ज्यादा 40.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। सीतापुर, हरदोई और रायबरेली में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

इधर, यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। कानपुर-उन्नाव में गंगा किनारे बसे इलाके जलमग्न हो गए हैं। 500 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। सड़कों और गलियों में नावें चल रही हैं। लोग छतों पर जिंदगी काटने को मजबूर हैं।

चित्रकूट में मंदाकिनी और बरदहा नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। रामघाट की सीढ़ियां डूब गई हैं। वाराणसी में घाट के किनारे बने 100 से अधिक छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है। रत्नेश्वर महादेव और ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर 70% तक डूब गए हैं।

लखीसराय में भगदड़ 7 महिलाओं की मौत

मंदिर में जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे, करंट फैलने की अफवाह उड़ी

लखीसराय, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार के मुताबिक, पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था।

पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं। चार मृतकों की पहचान हुई है। इनमें लखीसराय की मधुबाला देवी, मनमाला देवी, हेमलता देवी और मुंगेर की रिंकू देवी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। घटना के बाद बीजेपी विधायक और मंत्री विजय सिन्हा घटनास्थल पर पहुंचे।

दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालु ने कहा, 'बहुत भीड़ थी। तभी पोल गिरने और करंट लगने की बात फैली। इसके बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे, तभी बैरिकेडिंग टूटी और लोग एक-दूसरे पर गिर गए।'

मां ने बेटे को बचाने के लिए किडनी दी

मोहाली में 7 लाख रुपये का ट्रांसप्लांट फेल, अब मां-बेटे दोनों बीमार, 1 बीघा जमीन भी बिकी

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। 'जिस बेटे को जन्म दिया, उसकी जिंदगी बचाने के लिए मां ने अपनी किडनी भी दे दी। मगर, मोहाली के एक प्राइवेट अस्पताल में कराए ट्रांसप्लांट के बाद किडनी फेल हो गई। अल्ताफ की तबीयत बिगड़ती चली गई तो पिता उसे लेकर चंडीगढ़ पीजीआई पहुंचे। यहां वह करीब 8 दिन भर्ती रहा, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। अब हर तीसरे दिन बाहर से डायलिसिस करानी पड़ रही है। परिवार अब हर तीसरे दिन 500 रुपए में सस्ते डायलिसिस के लिए पीजीआई पहुंचता है, लेकिन नंबर नहीं आता तो 3 हजार में बाहर से डायलिसिस करानी पड़ती है।

इलाज के बढ़ते खर्च के बीच परिवार को अपनी एक बीघा जमीन तक बेचनी पड़ी। पीजीआई के बाहर खड़े अल्ताफ और उसके पिता से बातचीत में उनकी पूरी कहानी सामने आई।

अल्ताफ बिजनौर (उत्तर प्रदेश) की नजीबाबाद तहसील का रहने वाला है। वह करीब 5 साल तक अबू धाबी में ड्राइवर का काम करता रहा। शुरुआत में उसे 20 हजार रुपए महीने मिलते थे। भारत वापस आने के समय उसकी कमाई करीब 25 हजार रुपए महीना थी। अल्ताफ की शादी हो चुकी है, लेकिन उसके कोई बच्चा नहीं है।

एक दिन अचानक उसके पैर में दर्द हुआ। इसके बाद पैर पर सूजन आ गई। अबू धाबी में उसका इलाज कराया गया। वहां से डिस्चार्ज होने के बाद परिवार उसे भारत वापस ले आया। बिजनौर में जांच कराई गई तो पता चला कि उसकी किडनी में परेशानी है।

किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत सामने आने पर अल्ताफ की मां शेरूनिका ने अपनी किडनी देने का फैसला किया। परिवार के मुताबिक, ट्रांसप्लांट से पहले शेरूनिका की किडनी में पथरी थी। पिता शाहिद ने डॉक्टरों को इसकी जानकारी दी थी।

अक्टूबर 2025 में मोहाली के एक निजी अस्पताल में अल्ताफ का किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। परिवार के मुताबिक, ट्रांसप्लांट पर करीब 7 लाख रुपए खर्च हुए।

यूपी एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकी को गिरफ्तार किया

मदरसों से चंदा इकट्ठा करके पाकिस्तान भेजता था

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकी को गिरफ्तार किया। आरोपी मदरसे के नाम पर चंदा लेकर पाकिस्तान भेज रहा था। यूपी एटीएस को सूचना मिली कि मोहम्मद जफर (24) पूर्णिया बिहार का रहने वाला है। उसके द्वारा मदरसे के नाम पर लोगों से चंदा ले रहा है। उस चंदे की रकम को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन को भारत में जेहाद करने के उद्देश्य से भेज रहा है ।

मोहम्मद जफर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर से प्रभावित था। मोहम्मद जफर मदरसे के नाम पर लोगों से चंदा ले रहा है और उस चंदे की रकम को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन को भारत में जेहाद करने के उद्देश्य से भेज रहा है। यह भी सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त व्यक्ति पाकिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर से प्रभावित है। उसके बयान साझा कर लोगों को भारत में हिंसात्मक जेहाद के लिए भड़काता है।

मोहम्मद जफर पुत्र मोहम्मद जहीर मूलरूप से बिहार के पूर्णिया जिले का रहने वाला है और वह पूर्व में मेरठ में रहकर एक मदरसे से पढ़ाई कर चुका है।

जेन-अल्फा सड़कों पर, हाईवे जाम किया

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में शिक्षकों की कमी को लेकर जेन-अल्फा एक बार फिर सड़कों पर उतर आया। सोमवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच करीब 250 जेन-अल्फा छात्राएं दुबग्गा-कानपुर बाईपास चौराहे पर इकट्ठा हो गईं। सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। छात्राएं मोहान रोड स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय से ढाई किमी चलकर यहां तक पहुंचीं। 6वीं से 12वीं कक्षा तक के इस स्कूल को समाज कल्याण विभाग चलाता है।

प्रदर्शन के दौरान बाईपास के चारों तरफ 2 से 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यह जानकारी मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई। 4 थानों और चौकियों से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने करीब 2 घंटे तक छात्राओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे डीएम को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ी रहीं। जब बात नहीं बनी, तो छात्राएं हजरतगंज स्थित डीएम आवास की तरफ चल दौड़ने लगीं। लखनऊ-हरदोई हाईवे पर रॉन्ग साइड में दौड़ती छात्राओं के पीछे-पीछे पुलिसकर्मी भी दौड़ पड़े। जब छात्राएं मोहान रोड से 8 किमी दूर बालागंज चौराहे पर पहुंचीं तो एसीपी काकोरी शकील अहमद और एडीसीपी धनंजय ने उन्हें रोका। उनसे बातचीत की। उनके सामने ही समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात की। उन्हें पूरी बात बताई।

अधिकारियों ने स्कूल में छात्राओं से सीधे बात करने का आश्वासन दिया। एसीपी काकोरी ने छात्राओं को बताया कि अधिकारी की समस्या का समाधान आज ही करेंगे। इसके बाद छात्राएं मान गईं और उन्हें ई-बसों से वापस स्कूल भेज दिया गया। छात्राओं से मिलने भारी बारिश के बीच विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव, सचिव व निदेशक संजीव सिंह और सरोजनीनगर एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह विद्यालय पहुंचे। प्रमुख सचिव ढाई घंटे बाद स्कूल से बाहर निकले।

छात्राओं का कहना था कि उनके स्कूल में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के शिक्षक नहीं हैं।

नदी में डूबने से 7 बच्चों की मौत

7 बहनें गंगा में डूबीं, 3 शव मिले-3 को बचाया गया, कटिहार में 3 लड़कों की मौत

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सावन के तीसरे सोमवार पर पटना और कटिहार में डूबने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इनमें 4 लड़कियां और 3 लड़के हैं। 3 लड़कियों के शव मिले हैं, जबकि एक लापता हैं।

पटना में सोमवार सुबह गंगा स्नान के लिए गई 7 बच्चियां डूब गईं। 3 बहनों के शव मिले हैं। 3 को स्थानीय लोगों ने बचाया लिया है। घटना बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीसराय गांव के पास हुई। सभी सावन की सोमवारी पर सुबह करीब 5 बजे नहाने गई थीं।

इधर, कटिहार में कमला नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब तीनों बच्चे नदी में डुबकी लगाने गए थे। चार बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, रानीसराय गांव की सात बच्चियां सावन की सोमवारी पर गंगा स्नान करने के लिए नदी किनारे पहुंची थीं। स्नान करने के दौरान एक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगी।

उसे बचाने के लिए बाकी बच्चियां भी आगे बढ़ीं। सभी डूबने लगीं। बच्चियों को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल नदी में उतरकर बचाव शुरू किया।

काफी प्रयास के बाद तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार डूब गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहाने गई सभी बच्चियां जब डूब रही थीं तो दूसरे गांव के एक व्यक्ति ने उन्हें बचाने के लिए बांस को फेंका। इस बांस को पकड़कर 3 बच्चियां नदी से बाहर आ गई, लेकिन 4 लड़कियां नदी में बह गईं। घटना की सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

2 बच्चों की हत्याः बुर्के में फंदे से लटकी मिली मां

एक ही कमरे में मिली तीनों की लाश, दुबई में नौकरी करता है पति

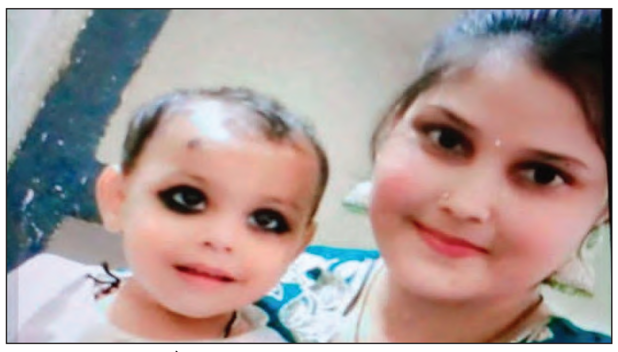

नवादा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नवादा में सोमवार सुबह एक महिला और उसकी दो बेटियों के शव बंद कमरे में मिले। मृतकों की पहचान निदा खातून (30), उसकी बेटियां सरिया खातून (3) और सितारा खातून (4) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चियों की गला दबाकर हत्या की गई है।

परिजनों के अनुसार, निदा अपनी दोनों बेटियों के साथ घर की ऊपरी मंजिल के एक कमरे में रहती थी। सोमवार सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने उसे खोलने की कोशिश की। दरवाजा खुलने पर निदा फंदे से लटकी मिली, जबकि दोनों बच्चियां बेड पर मृत पड़ी थीं।

शवों की स्थिति को देखते हुए परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के दर्जी मोहल्ले की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला का शव पलंग से सटा हुआ था। इससे आशंका जताई जा रही है कि किसी ने उसकी हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटका दिया होगा। हालांकि, मृतका की सास के मुताबिक, निदा ने पहले अपनी दोनों बेटियों की हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली।

मृतका निदा खातून की सास ने बताया कि बच्चों को लेकर निदा का अपने पति मोहम्मद साजिद से लगातार विवाद होता था। साजिद करीब 11 महीने पहले काम करने के लिए दुबई गया था और फिलहाल वहीं है। घटना की सूचना मृतका के पति और अन्य परिजनों को दे दी गई है।

बिहार बहुत मिस कर रहा है सर आपको

अस्पताल में नीतीश कुमार को देखते हुए बोले लोग

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइडेट (जेडीयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्य की सियासत में एक्टिव नहीं है। राज्यसभा सांसद बनने के बाद नीतीश कुमार केंद्र की सियासत में व्यस्त हैं। हालांकि बिहार के लोगों को नीतीश कुमार की कमी आए दिन खलती रहती है। इसका नजारा उस वक्त देखने को मिला जब नीतीश कुमार मेदांता हॉस्पिटल में पहुंचे। नीतीश कुमार को देखते ही वहां मौजूद लोगों की भीड़ ने आवाज लगाते हुए कहा- 'बिहार बहुत मिस कर रहा है सर आपको।' नीतीश कुमार ने भीड़ की ओर हाथ जोड़े और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गए।

मेदांता अस्पताल में पहुंचे थे नीतीश कुमार

नीतीश कुमार का वीडियो भी सामने आया है। घटना रविवार की है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मेदांता अस्पताल में भर्ती बिहार के योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा से मुलाकात की। नीतीश कुमार के अस्पताल में होने की खबर से मरीजों के परिजनों की भीड़ पूर्व सीएम को देखने के लिए जमा हो गई।

राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार जैसे ही भगवान सिंह कुशवाहा से मिलकर जाने लगे, वहां मौजूद भीड़ ने अपने मोबाइल में उनकी तस्वीरें कैद करना शुरू कर दिया। नीतीश कुमार हाथ जोड़कर सभी का अभिनंदन करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान भीड़ से आवाज आई- 'सर बिहार आपको बहुत मिस कर रहा है। बिहार बहुत मिस कर रहा है सर आपको।'

दरअसल बिहार के मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा की बीते दिनों तबीयत खराब हो गई थी। उन्हें राजधानी पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

महिला को जिंदा झुलसाकर मारा

लखनऊ में करंट लगने से महिला की मौत, भाई ने ससुरालियों पर लगाए आरोप

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिजली की हाईटेंशन लाइन के मोटे-मोटे तारों की चपेट में आने से लापरवाही के चलते अक्सर बड़े हादसे हो जाते हैं। ऐसा ही एक हादसा रविवार को लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में हुआ था, जहां जयराजपुरी कॉलोनी में रविवार सुबह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला मीरा रावत बुरी तरह झुलस गई थी। शुरू में तो ये घटना एक हादसा लग रही थी लेकिन अब इस मामले में सनसनीखेज मोड़ आ गया है। इस हादसे के बाद महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, पीड़िता के मायके पक्ष ने इसे महज एक दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए महिला के पति और ससुरालियों पर सोची-समझी साजिश के तहत करंट लगाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

दरअसल, ये पूरी घटना बीते रविवार सुबह करीब 9 बजे की है। सरोजनीनगर के जयराजपुरी कॉलोनी निवासी संदीप रावत की पत्नी मीरा घर की दूसरी मंजिल पर कपड़े सुखाने गई थी। इसी दौरान उसका दुपट्टा और पैर मकान के पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से छू गया। करंट लगते ही महिला छज्जे पर गिरकर तार से चिपक गई और उसके कपड़ों में आग लग गई।

करीब 5 मिनट तक वह तार से चिपकी तड़पती रही और शरीर से धुआं निकलता रहा। शोर सुनकर जुटे स्थानीय लोगों ने गहरु पावर हाउस में फोन कर सप्लाई कटवाई, जिसके बाद महिला को सीएचसी सरोजनीनगर से सिविल अस्पताल रेफर कराया गया। हालत गंभीर होने पर महिला को सिविल अस्पताल से केजीएमयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मां-बेटी की गला रेतकर हत्या

इटावा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के इटावा में मां-बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह 8 बजे घटना का खुलासा तब हुआ, जब दूध वाला घर में दूध देने पहुंचा। उसने काफी देर गेट खटखटाया पर दरवाजा नहीं खुला। दूधवाले ने महिला के नोएडा में कार्यरत पति को फोन किया।

घर के पिछले हिस्से में जाकर अंदर झांका तो देखा कि मां पुष्पा देवी यादव (55) का शव आंगन में फर्श पर पड़ा है। बेटी निर्मला देवी उर्फ मंजू देवी (38) का शव 10 मीटर दूर कमरे में चारपाई पर था। चारपाई पर खून से सनी दराती पड़ी थी। मां निर्मला के शव को कमरे से घसीटकर आंगन तक लाया गया था। कमरे से आंगन तक खून की धार फैली मिली।

बेटी निर्मला का ससुराल से 5 साल से विवाद चल रहा था। शादी के 4 महीने बाद ही पति और देवरों ने पीटकर मायके भेज दिया था। तब से मां के साथ ही रह रही थी। तलाक का केस भी चल रहा था। 3 अगस्त 2026 को ही कोर्ट ने पति को 7 हजार रुपए प्रति महीना भरण-पोषण भत्ता देने का आदेश दिया था।

पड़ोसियों ने बताया- 14 और 15 अगस्त को एक युवक को स्कूटी से आते-जाते देखा था। 15 अगस्त के बाद से घर में कोई हलचल नहीं थी। आशंका है कि निर्मला के ससुराल वालों ने ही डबल मर्डर को अंजाम दिया। मामला जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर भरथना थाना क्षेत्र के चंदेठी गांव का है।

चंदेठी गांव निवासी सुरेश चंद्र (60) नोएडा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। गांव स्थित घर में उनकी पत्नी पुष्पा और बेटी निर्मला यादव रहती थीं। बड़ा बेटा नवल किशोर (28) नोएडा में ओला कैब चलाता है।

टीआरई-4 को लेकर कई पेचीदगियां, असमंजस में अभ्यर्थी

एसटीईटी के बाद करीब 6 लाख प्रतियोगियों के बीच 32,388 पदों के लिए मुकाबला!

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। टीआरई-4 परीक्षा को लेकर कई पेचीदगियां पैदा हो गयी हैं जिससे परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र असमंजस में पड़ गये हैं। एसटीईटी के अपीयरिंग कैंडिडेट को भी इस परीक्षा में शामिल होने की छूट मिली है।

इस छूट का टीआरई-4 पर क्या असर पड़ेगा? इसका सीधा असर ये पड़ेगा कि अभ्यर्थी बहुत ज्यादा हो जाएंगे जब कि सीट पहले ही कम कर दी गयी है। अगर एसटीईटी परीक्षा के रिजल्ट में देरी हुई तो टीआरई-4 की संभावित तारीख भी बढ़ानी पड़ेगी। एक तो टीआरई-4 तारीख तय नहीं है और अब ऊपर से ये पेचीदगी पैदा हो गयी।

2024 के एसटीईटी का फाइनल रिजल्ट आने तक 6 महीने का समय लगा एसटीईटी-2026 की परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2026 है। लेकिन परीक्षा की तारीख अभी घोषित नहीं की गयी है। अगर मान लिया जाय कि 15 सितम्बर को भी परीक्षा होती है तो रिजल्ट कितने समय में घोषित होगा? एसटीईटी- 2024 में आवेदन की अंतिम तिथि 1 मार्च 2024 थी। पेपर-1 (कक्षा 9 ,10) की परीक्षा 18 मई से 29 मई 2024 तक हुई थी। पेपर-2 (कक्षा 11,12) की परीक्षा 11 जून से 20 जून 2024 तक हुई ही थी। फाइनल रिजल्ट18 नवम्बर 2024 को घोषित हुआ था। यानी कुल छह महीने का वक्त लगा था। तो सवाल उठता है कि एसटीईटी-2026 की परीक्षा कब होगी और उसका रिजल्ट कब निकलेगा?

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने एसटीईटी-2024 का रिजल्ट छह महीने में निकाला था। तो क्या वह 2026 में तेजी दिखा कर एसटीईटी का रिजल्ट दो- तीन महीने में जारी कर सकता है? अगर मान लिया जाय कि परीक्षा 15 सितम्बर से शुरू होती है और रिजल्ट दो महीने में निकल जाता है तो 15 नवम्बर के आसपास का समय आ जाएगा।

यानी टीआरई-4 की प्रक्रिया 15 नवम्बर के बाद शुरू हो सकती है। एसटीईटी-2026 की परीक्षा में पास करने वाले अपीयरिंग कैंडिडेट ही टीआरई-4 की परीक्षा दे पाएंगे। इसके लिए उन्हें पास सर्टिफिकेट जमा करना पड़ेगा। अगर मान लिया जाय कि 20 नवम्बर 2026 से टीआरई-4 की परीक्षा शुरू होती है तो पहले पीटी होगा। पीटी का रिजल्ट आम तौर पर 30 से 45 दिनों में निकलता है। अगर जल्दबाजी कर 30 दिन में भी रिजल्ट निकला तो 20 दिसम्बर आ जाएगा।

आरा का मिथिलेश सिंह सीधे कॉपी ही निकलवा लेता था

आरा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जेपीएससी पेपर लीक के तार अब भोजपुर जिले से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। यहां के चरपोखरी के रहने वाले मिथिलेश सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। मिथिलेश सिंह चरपोखरी के दिवंगत ललित किशोर सिंह का बेटा है। उसकी गिरफ्तारी सीआईडी की टीम ने देश की राजधानी दिल्ली से की है। पता चला है कि मिथिलेश सिंह जेपीएससी परीक्षा घोटाले की एक अहम कड़ी था।

मिथिलेश सिंह चरपोखरी थाना क्षेत्र के पसौर गांव के रहने वाला है। कहा जा रहा है कि भोजपुर जिले के रहने वाले मिथिलेश सिंह की पकड़ इतनी मजबूत थी कि वह आयोग के कार्यालय से कॉपी ही निकलवा लेता था। इसके बाद सेटिंग करके अभ्यर्थियों से कॉपी लिखवाता था। इसके लिए वो कैंडिडेट्स से लाखों रुपयों में वसूली करता था। बताया जा रहा है कि उसकी सेटिंग जेपीएससी में इस कदर हो गई थी कि वो वहां से कुछ भी निकलवा लेने में सक्षम हो गया था।

मिथिलेश सिंह की गिरफ्तारी यूं ही नहीं हुई। जेपीएससी परीक्षा घोटाले में पकड़े गए आरोपियों से जब सीआईडी की टीम ने पूछताछ की तो एक नया नाम उभर कर सामने आया। ये नाम था मिथिलेश सिंह का।

छात्र आंदोलन पर राहुल गांधी का सीएम हेमंत को पत्र

युवा देश का भविष्य, उनकी मांगें जायज

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से आंदोलनरत छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी बाकी चिंताओं का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि युवाओं की बात सुनी जानी चाहिए और सरकार को इस मुद्दे के समाधान के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।

'शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का मुख्य स्तंभ'

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजे पत्र में कहा कि कांग्रेस पार्टी का मानना है कि संविधान में दिया गया शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार लोकतंत्र के मुख्य स्तंभों में से एक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को कांग्रेस ने अपना पूरा समर्थन दिया है। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर आरएसएस और बीजेपी का कब्जा हो गया है और इसे छात्रों के शोषण और दमन का माध्यम बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था अब वैसी मजबूत ज्ञान-व्यवस्था नहीं रही, जैसी एक दशक पहले हुआ करती थी।

'छात्रों की मांगें जायज हैं'

राहुल गांधी ने पत्र में कहा कि झारखंड में छात्र राज्य की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका विरोध शांतिपूर्ण है और उनकी मांगें जायज हैं। उन्होंने झारखंड सरकार की ओर से छात्रों के साथ बातचीत शुरू किए जाने की सराहना भी की।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बनाई गई कमेटी के माध्यम से छात्रों से बातचीत शुरू की गई है और छात्रों की कई मांगों पर सहमति भी बनी है। हालांकि, इसके बावजूद आंदोलन जारी है और कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

'आप छात्रों से व्यक्तिगत रूप से मिलिए'

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि वह स्वयं आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत मुलाकात से छात्रों की बाकी चिंताओं को दूर करने और सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत के युवा देश का भविष्य हैं। ऐसे संकट के समय में उनके साथ एकजुटता दिखाना और उनका समर्थन करना जरूरी है। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से छात्रों की बात सुनने और इस पूरे मामले का समाधान निकालने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की।

पुतला दहन के बाद सरकार ने फिर बातचीत के लिए बुलाया

रांची में छात्रों का आंदोलन पिछले 20 दिनों से अधिक समय से जारी है। 16 अगस्त को प्रदर्शनकारी छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के पुतले दहन किए थे। इसके बाद झारखंड सरकार ने छात्रों को एक बार फिर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। सरकार और छात्रों के बीच पहले भी कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। आंदोलन के लिहाज से 17 अगस्त की बैठक को अहम माना जा रहा है।

सरकारी अधिकारियों को आम लोगों से नियमित तौर पर मिलना चाहिए : राजनाथ सिंह

नई दिल्लीनई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सरकारी अधिकारियों को नियमित रूप से आम लोगों के बीच जाना चाहिए। लोगों से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं को सुनने से अधिकारियों को जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों की शिकायतों और चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहिए कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान ये बातें कहीं। रक्षा मंत्री ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में लोक सेवकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी 'सेवा भावना' के साथ करें और लोगों को सुविधाजनक, संवेदनशील तथा जनहितैषी तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दें।

हिमंत का कांग्रेस पर हमला

सोनिया-राहुल पर लगाया माहौल खराब करने का आरोप, चिदंबरम को बताया 'पक्का नक्सली'

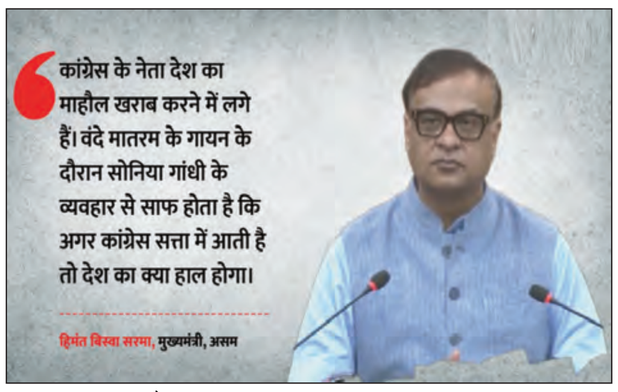

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम को लेकर शुरु हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि चाहे सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, दोनों ने देश के खिलाफ काम करने का मिशन अपना लिया है। सरमा के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं ने देश का माहौल खराब करने की ठान ली है। उन्होंने वंदे मातरम के गायन के दौरान सोनिया गांधी के व्यवहार का जिक्र करते हुए कहा कि इससे साफ हो जाता है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो देश का क्या हाल होगा।

सोनिया गांधी के व्यवहार पर उठाए सवाल

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वंदे मातरम के गायन के दौरान सोनिया गांधी का व्यवहार कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति देश के माहौल को खराब करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने की स्थिति में देश के सामने गंभीर परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं।

कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप

असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर खुले तौर पर देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता लोगों को विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसा रहे हैं और देश में अराजकता का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। सरमा के अनुसार, ऐसी गतिविधियां देश के हित में नहीं हैं और इनसे सामाजिक तथा राजनीतिक माहौल प्रभावित होता है।

चिदंबरम को लेकर भी साधा निशाना

हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पी. चिदंबरम केवल 'दिमागी नक्सल' नहीं, बल्कि पक्के नक्सली हैं। सरमा ने यह टिप्पणी चिदंबरम के उस कथित बयान के संदर्भ में की, जिसमें उन्होंने खुद को 'दिमागी नक्सल' बताया था। सरमा ने कहा कि जब देश के गृह मंत्री रह चुके पी. चिदंबरम ने खुद को 'दिमागी नक्सल' कहा है, तो इस बात की जांच होनी चाहिए कि उनके गृह मंत्री के कार्यकाल के दौरान नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई में कहीं जान-बूझकर लापरवाही तो नहीं बरती गई थी।

चूक नहीं, चौका मारना है, रवनीत बिट्टू के हाथ बीजेपी ने खोले

कांग्रेस की नाक में दम करने का दिया टास्क

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने पत्ते खोलने शुरू कर दिए हैं। बीजेपी की नजर सिख जाट वोटरों पर भी है। पहले सरदार केवल सिंह ढिल्लों को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी दे दी। ढिल्लों प्रदेश अध्यक्ष बनने वाले पहले जाट सिख नेता हैं। अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से मुकाबले के लिए अपने नेताओं को मोर्चे पर खड़ा किया है। कांग्रेस पर हमलों के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू की जिम्मेदारी दी है। बिट्टू भी सिख जाट हैं और वह पंजाब के पूर्व सीएम सरदार बेअंत सिंह के पोते हैं। बिट्टू मार्च 2024 को बीजेपी में शामिल हुए थे।

राहुल गांधी को आतंकवादी बता चुके हैं रवनीत बिट्टू भगवा पार्टी में आने के बाद रवनीत सिंह बिट्टू कांग्रेस के निशाने पर आए, फिर उन्होंने पलटवार से कांग्रेस नेताओं को असहज किया। सितंबर 2024 में उन्होंने राहुल गांधी देश का नंबर वन आतंकवादी बताकर चौंका दिया था। जब उन्हें संसद में राहुल गांधी ने गद्दार दोस्त कहा, तब भी बिट्टू ने सीधे गांधी परिवार को निशाने पर लिया। फरवरी 2026 में संसद के मकर द्वार पर हुए विवाद के बाद भी उन्होंने राहुल गांधी को देश का दुश्मन बताया था। उनके एक बयान पर भी काफी हंगामा मचा था, जिसमें उन्होंने कहा कि वे गांधी परिवार के किसी ऐसे सदस्य से हाथ नहीं मिलाएंगे, जिसकी पार्टी और परिवार का इतिहास सिखों के खिलाफ दमन, स्वर्ण मंदिर पर कार्रवाई का गवाह रहा है।

केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद रवनीत बिट्टू पूरी तरह से पंजाब विधानसभा चुनाव में जुट चुके हैं। अब उन्होंने कांग्रेस की एक परिवार, एक टिकट के नीति पर कमेंट किया है। कांग्रेस के भीतर अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और सुखजिंदर सिंह रंधावा के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान में उन्होंने रंधावा का समर्थन किया है। राजा वड़िंग ने अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का फॉर्मूला दिया था। रंधावा ने कहा है कि अगर किसी परिवार में चार ऐसे काबिल उम्मीदवार हैं जो चुनाव जीत सकते हैं, तो कांग्रेस उन चारों को टिकट क्यों नहीं दे सकती? टिकट बंटवारे का आधार पारिवारिक संबंध नहीं, बल्कि चुनावी क्षमता होनी चाहिए। कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा के बयान को लपकते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने एक बार फिर कांग्रेस परिवार को लपेट लिया। उन्होंने कहा कि अगर गांधी परिवार के तीन सदस्यों को चुनाव टिकट मिल सकते हैं, तो किसी दूसरे परिवार को क्यों नहीं, जिसके पास चार ऐसे उम्मीदवार हों जो जीत सकते हैं?

मराठी सीखने के लिए 105 दिन दिए गए, अब सीधी कार्रवाई शुरू होगी : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जिन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी भाषा का कामकाजी ज्ञान नहीं है, उनके खिलाफ अब सीधे कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उनका लाइसेंस सस्पेंड या रद्द भी किया जा सकता है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को पुष्टि की कि गैर-मराठी ड्राइवरों को भाषा की बुनियादी जानकारी हासिल करने के लिए दी गई 105 दिनों की समय-सीमा आधिकारिक तौर पर 15 अगस्त को खत्म हो गई है। इस नियम के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, मंत्री सरनाइक ने बताया कि हालांकि मराठी में ड्राइवर की दक्षता के लिए 1989 से ही कानून मौजूद था, लेकिन इसे शायद ही लागू किया गया। उन्होंने कहा, मैंने कड़ा रुख अपनाया कि राज्य में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों को मराठी का कामकाजी ज्ञान होना चाहिए। ऑटो और टैक्सी यूनियनों के शुरुआती विरोध पर बात करते हुए, मंत्री ने बताया कि सरकार का पक्ष समझाने के लिए हाजी अराफात शेख, संजय निरुपम, कृपाशंकर सिंह और शशांक राव जैसे प्रमुख यूनियन नेताओं और राजनेताओं के साथ बातचीत की गई।

दोस्त नदी में डूबा, मदद के बजाय फिल्म देखने चले गए दोनों साथी

सुप्रीम कोर्ट ने फिर भी क्यों किया बरी?

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दो लोगों को हत्या के मामले में बरी कर दिया है। उनका दोस्त नदी में डूब गया था। दोनों उसे बचाने की कोशिश किए बिना वहां से चले गए और फिल्म देखने चले गए। अदालत ने कहा कि उनका यह व्यवहार गलत और निंदनीय जरूर था, लेकिन केवल इसी आधार पर हत्या साबित नहीं की जा सकती।

निचली अदालत से हाई कोर्ट तक उम्रकैद

मामला 17 जुलाई 2006 का है। अभियोजन के मुताबिक, दोनों आरोपी अपने दोस्त को सुबह घर से यह कहकर ले गए थे कि उन्हें वॉलीबॉल खेलने के लिए अंकलेश्वर जाना है। बाद में वे नदी के पास पहुंचे। शाम तक दोस्त घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। आरोपियों में से एक ने कथित तौर पर बताया कि वह फिल्म देख रहा था और मृतक को पहले ही सहारा दरवाजा छोड़ चुका था। बाद में नदी किनारे मिले कपड़ों की पहचान मृतक के रूप में हुई। दोनों आरोपी बाद में मृतक के घर पहुंचे और बताया कि वे नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान उनका दोस्त डूब गया। उन्होंने कहा कि घबराकर वे वहां से भाग गए और बाद में फिल्म देखने चले गए। अगले दिन मृतक का शव मिला। पोस्टमार्टम में मौत का कारण डूबने से दम घुटना बताया गया था। इसके बावजूद निचली अदालत ने दोनों को हत्या, साजिश और सबूत मिटाने के आरोपों में उम्रकैद की सजा दी। गुजरात हाई कोर्ट ने भी दोषसिद्धि बरकरार रखी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हादसे की संभावना ज्यादा मजबूत

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर पाया कि मौत हत्या थी। अदालत ने पोस्टमार्टम और डॉक्टर की गवाही का हवाला देते हुए कहा कि मृतक के शरीर पर मिली चोटें नदी में नहाते समय या पानी के बहाव में किसी कठोर वस्तु से टकराने के कारण भी हो सकती थीं। अदालत ने यह भी कहा कि कथित टूटी सोडा बोतल को डॉक्टर के सामने पेश नहीं किया गया और न ही खून लगे कांच के टुकड़े की विश्वसनीय बरामदगी या फोरेंसिक जांच सामने आई।

'फिल्म देखने जाना' हत्या का सबूत नहीं

पीठ ने हाई कोर्ट की उस धारणा से भी असहमति जताई कि जो व्यक्ति अपने दोस्त को डूबते देखे, वह फिल्म देखने नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंसानी दिमाग चंचल, चालाक और कल्पनाशील होता है। मुश्किल परिस्थितियों में किसी व्यक्ति के गलत या मूर्खतापूर्ण व्यवहार का पहले से अनुमान नहीं लगाया जा सकता। इसलिए आरोपियों का घटनास्थल से भागना, मदद नहीं मांगना और बाद में फिल्म देखने जाना निंदनीय तो है, लेकिन इसे हत्या साबित करने वाला सबूत नहीं माना जा सकता।

अदालत ने दोनों को किया बरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में निर्दोष होने की संभावना पूरी तरह बनी हुई है और उपलब्ध परिस्थितियां पहले से सोची-समझी हत्या के बजाय हादसे की ओर इशारा करती हैं। अदालत ने निचली अदालत और गुजरात हाई कोर्ट के फैसले पलट दिए और दोनों आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

हाथियों का आतंक : सिद्धबली मंदिर के पास वाहनों पर किया हमला, जान बचाकर भागे लोग

कोटद्वार, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कोटद्वार में सिद्धबली मंदिर और लालपुल के बीच पौड़ी हाईवे पर सोमवार सुबह हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। अचानक हाईवे पर आए गजराज वाहनों के पीछे दौड़ पड़े। इस दौरान हाथी ने तीन वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों को देख राहगीरों में अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह 7:45 की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही वन कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हाथी को बामुश्किल जंगल की ओर खदेड़ा। बताया जा रहा है कि हाथी अभी भी घटनास्थल के आसपास ही घूम रहा है और हाईवे पर आने का प्रयास कर रहा है। वन कर्मी मौके पर डटे हुए हैं। सुबह हाथी के हाईवे पर आने से कोटद्वार से पर्वतीय क्षेत्रों के स्कूलों और कॉलेजों में जाने वाले शिक्षक देर से रवाना हुए।

चिदंबरम पर भाजपा का जोरदार पलटवार

सुधांशु त्रिवेदी ने बता दी 'दिमागी नक्सल' की परिभाषा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बयान पर बीजेपी बुरी तरह भड़क गई है। कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी के बयान पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है।

चिदंबरम ने ये बात पीएम मोदी के उस बयान पर पलटवार करते हुए कही थी, जिसमें लाल किले से प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सलियों से सतर्क रहने की अपील की थी।

अब चिदंबरम के बयान पर बीजेपी ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएम मोदी ने तो किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन 24 घंटे के अंदर ही दिमागी नक्सली खुद-ब-खुद सबके सामने आ गए। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने छत्तीसगढ़ के मशहूर झीरम घाटी हत्याकांड की भी याद दिलाई। सुधांशु त्रिवेदी ने 'दिमागी नक्सल' की परिभाषा भी बताई है।

बीजेपी ने किन्हें बताया दिमागी नक्सल?

जिन्हें हाफिज में 'साहब' नजर आता है। याकूब मेनन में 'ज्यूडिशियल किलिंग' नजर आती है। जिसे ओसामा में 'जी' नजर आता है। जिसको जाकिर नाईक में 'शांति का मसीहा' नजर आता है। जिसे इशरत जहां में 'बेटी' नजर आती है। बुरहान वानी में 'भटका हुआ नौजवान' नजर आता है। भारत के सेना अध्यक्ष में 'सड़कछाप गुंडा' नजर आता है।

चिदंबरम ने क्या कहा था?
मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व है।
पी चिदंबरम, कांग्रेस नेता

दिमागी नक्सल पर पीएम मोदी ने क्या कहा था?

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि जंगलों में हथियारबंद नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता मिली है और यह हिंसक आंदोलन अब कमजोर पड़ रहा है। हालांकि, पीएम ने चेताया था कि नक्सली विचारधारा से जुड़े 'दिमागी नक्सल' अब भी मौजूद हैं। उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत पर जोर दिया था।

हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक बनर्जी : बैंक खाता फ्रीज होने पर सुनवाई कल होगी

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने एक निजी बैंक द्वारा कथित तौर पर अपना बैंक खाता फ्रीज किए जाने को चुनौती दी है। बनर्जी ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की है। उनके वकील ने अदालत को बताया कि टीएमसी सांसद जल्द ही चिकित्सा कारणों से विदेश जाने वाले हैं और सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दी है।

मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने कहा कि वह बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई करेंगे। अदालत ने इस बीच अभिषेक बनर्जी के वकील से संबंधित पक्षों को नोटिस देने को कहा है। बनर्जी की ओर से पेश वकील अयान भट्टाचार्य ने दावा किया कि निजी बैंक ने उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनके मुवक्किल के निजी बैंक खाते को फ्रीज कर दिया। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने बैंक प्राधिकरण की कथित कार्रवाई को चुनौती देते हुए मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। उनके वकील ने कहा कि बनर्जी चिकित्सा कारणों से जल्द विदेश यात्रा करने वाले हैं और इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिल चुकी है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने पूछा कि क्या अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई जांच चल रही है। इस पर उनके वकील ने कहा कि उनके खिलाफ चल रही जांच में हाईकोर्ट ने उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा दी हुई है और वह अदालत की ओर से लगाई गई शर्तों का पालन कर रहे हैं।

कोलकाता से चल रहा था पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क?

एसटीएफ का बड़ा एक्शन, राणा रऊफ का सहयोगी गिरफ्तार

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सोमवार को कथित पाकिस्तानी खुफिया एजेंट राणा रऊफ के एक संदिग्ध सहयोगी को गिरफ्तार किया। जिसे पहले कोलकाता से संचालित होने वाले एक कथित जासूसी नेटवर्क के संबंध में पकड़ा गया था। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है।

अधिकारी ने क्या बताया?

उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान इमरान के रूप में हुई है और उसे शहर के टॉपसिया इलाके में एक फ्लैट से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ अधिकारी के अनुसार, इमरान ने कथित तौर पर रऊफ को जाली दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने के प्रयासों में मदद की थी। अधिकारी ने बताया कि एसटीएफ को संदेह है कि इस ऑपरेशन में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और वे उनका पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। एसटीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी रऊफ की ओर से कोलकाता में कथित तौर पर बनाए जा रहे नेटवर्क की जांच का हिस्सा है। अधिकारी ने कहा, 'जांच में पता चला है कि इमरान कथित तौर पर रऊफ को भारतीय पासपोर्ट के लिए दस्तावेज जुटाने में मदद कर रहा था। हम नेटवर्क के अन्य सदस्यों के साथ उसके संबंधों की जांच कर रहे हैं और जांच के दौरान बरामद दस्तावेजों और अन्य सामग्री का सत्यापन कर रहे हैं।'

पिछले सप्ताह बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा में गिरफ्तार किए गए रऊफ के बारे में एसटीएफ को संदेह है कि वह पाकिस्तान के फैसलाबाद का मूल निवासी है। जांचकर्ताओं का आरोप है कि उसके संबंध पाकिस्तान की अंतर-सेवा खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से थे। इसके साथ ही उसने नेपाल में कई साल बिताने के बाद 2012 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके भारत में प्रवेश किया था।

एसटीएफ को क्या संदेह है?

उन्होंने कहा कि एसटीएफ को संदेह है कि रऊफ भारतीय सेना और रेलवे से संबंधित जानकारी पाकिस्तान में अपने कथित आकाओं को दे रहा था। एसटीएफ को रऊफ द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए एक पाकिस्तानी पासपोर्ट का जानकारी भी मिला। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, ढाका से कराची की प्रस्तावित यात्रा के इंतजाम के लिए यह पासपोर्ट ढाका भेजा गया था।

राउत का भाजपा पर हमला, बोले-कांग्रेस ने दिलाया वंदे मातरम को सम्मान

नासिक, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' के कथित अपमान को लेकर जारी विवाद पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बनाई हुई कहानी बताया।

उन्होंने दावा किया कि वंदे मातरम को आज जो सम्मान मिला है, वह कांग्रेस ने ही दिलाया है। संजय राउत ने कहा, यह सब भाजपा की बनाई हुई कहानी (नैरेटिव) है। वंदे मातरम को जो सम्मान मिला है, वह कांग्रेस ने ही दिलाया है।

गृह मंत्री अमित शाह को बताया 'व्यापारी'

उन्होंने कहा, 1896 में जब के एक अधिवेशन में वंदे मातरम गाया गया था, तब कांग्रेस के अध्यक्ष एक मुस्लिम व्यक्ति रहिमतुल्ला सयानी थे। (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह को इतिहास पढ़ना चाहिए। भारत के स्वतंत्रता संग्राम, वंदे मातरम और राष्ट्रगान से उनका क्या संबंध है। वह व्यापारी हैं। 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया जा रहा था। इसी दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से बात करते और इशारा करते देखा गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने वंदे मातरम को बीच में रोकने का संकेत दिया और इसे राष्ट्रीय गीत का अपमान बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस ने आरोप खारिज करते हुए कहा कि सोनिया गांधी गीत रुकवाने के लिए नहीं, बल्कि काफी देर से खड़े खरगे के लिए कुर्सी मंगाने का इशारा कर रही थीं। अब इसी पर बवाल कटा है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 अगस्त - 2026

रिश्तों को बचाने की चुनौती

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय एक ऐसी कूटनीतिक परीक्षा से गुजर रहे हैं, जिसमें एक व्यक्ति से जुड़ा विवाद दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के प्रस्तावित भारत दौरे को लेकर ढाका ने स्पष्ट किया है कि अनुकूल राजनीतिक माहौल बनने और शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर प्रगति के बिना यात्रा आगे बढ़ाना मुश्किल होगा। दोनों देशों के बीच कई सप्ताह से इस दौरे को लेकर बातचीत चल रही थी, लेकिन शेख हसीना का मुद्दा अब सबसे बड़ी अड़चन बनकर सामने आ खड़ा हुआ है। ढाका की नाराजगी का एक ताजा कारण 5 अगस्त को भारत से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस बातचीत भी है। बांग्लादेश का आरोप है कि भारत में रहकर हसीना की राजनीतिक गतिविधियां उसके आंतरिक मामलों को प्रभावित कर रही हैं। नई दिल्ली का रुख है कि हसीना को भारत की धरती से राजनीतिक गतिविधियां करने की अनुमति नहीं है और उनका भारत में रहना मानवीय आधार पर है। प्रत्यर्पण के बांग्लादेशी अनुरोध की भारत में स्थापित कानूनी प्रक्रिया के तहत समीक्षा की जा रही है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्यर्पण जैसे संवेदनशील मामले को केवल राजनीतिक दबाव के आधार पर नहीं देखा जा सकता। शेख हसीना को बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2025 में मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी। हसीना इन आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताती रही हैं। ऐसे में भारत के लिए फैसला करते समय कानूनी प्रावधानों, प्रत्यर्पण संधि और न्यायिक प्रक्रिया के साथ निष्पक्ष सुनवाई से जुड़े सवालों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंधों का दायरा शेख हसीना तक सीमित नहीं है। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा, सुरक्षा सहयोग, व्यापार, जल बंटवारा, ऊर्जा, परिवहन और सड़क संपर्क जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इन क्षेत्रों में सहयोग केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए भी अहम है। इसलिए किसी एक राजनीतिक विवाद को पूरे रिश्ते की दिशा तय करने देना समझदारी नहीं होगी। तारिक रहमान का भारत दौरा इस गतिरोध को कम करने का महत्वपूर्ण अवसर बन सकता था। शीर्ष नेतृत्व के बीच सीधा संवाद कई जटिल मुद्दों पर भरोसा बहाल करने में मदद कर सकता है। यात्रा को शेख हसीना के प्रत्यर्पण की एकमात्र शर्त से जोड़ना बातचीत की गुंजाइश को सीमित करता है, जबकि संवाद ही ऐसे विवादों का सबसे प्रभावी रास्ता है। भारत को ढाका की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन जल्दबाजी में कोई ऐसा निर्णय भी नहीं लेना चाहिए जो कानूनी प्रक्रिया और दीर्घकालिक हितों को प्रभावित करे। प्रत्यर्पण के सवाल पर कानून को अपना रास्ता तय करने देना और राजनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखना ही संतुलित नीति होगी। दोनों देशों के बीच रिश्ते इतिहास, भूगोल और साझा हितों से जुड़े हैं। इसलिए शेख हसीना प्रकरण गंभीर जरूर है, लेकिन इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों का भविष्य तय करने वाला अकेला मुद्दा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। मतभेद रह सकते हैं, संवाद नहीं रुकना चाहिए। यही समय है कि जब नई दिल्ली और ढाका सार्वजनिक बयानबाजी से आगे बढ़कर बातचीत की मेज पर लौटें और रिश्तों की बुनियाद को किसी एक राजनीतिक विवाद से कमजोर होने से बचाएं।

मैं अब नहीं लड़ता क्योंकि मैंने खुद को खोकर जीतना छोड़ दिया है

आरके जैन

जब जीवन बहुत कुछ सिखा देता है, तब इंसान हर आवाज़ का जवाब देना और हर लड़ाई लड़ना छोड़ देता है। वह कहता है-"अब मैं नहीं लड़ता," तो दुनिया इसे उसकी कमजोरी समझ लेती है, जबकि यह अक्सर भीतर जागी हुई समझ का संकेत होता है। वह जान चुका होता है कि हर टकराव जरूरी नहीं और हर जीत की कीमत चुकाना समझदारी नहीं होती। कुछ विजय ऐसी होती हैं, जो बाहर तो जीत दिलाती हैं, लेकिन भीतर का सुकून छीन लेती हैं। इंसान की सबसे बड़ी हार किसी संघर्ष से पीछे हटना नहीं, बल्कि उस दिन होती है जब वह अपने मन की शांति और आत्मनिर्णय की शक्ति दूसरों और परिस्थितियों के हवाले कर देता है। आज का दौर शोर, विवाद और टकराव से भरा है। हर ओर बहसें, आरोप और विरोध की आवाजें हैं। समाचारों में विचारों की जगह संघर्ष दिखता है, सोशल मीडिया पर संवाद की जगह कटुता बढ़ रही है और राजनीति में समाधान से अधिक टकराव है। हर इंसान किसी न किसी लड़ाई में उलझा है-कोई रोजगार के लिए, कोई महँगाई से, तो कोई पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। लेकिन इन लगातार लड़ाइयों ने इंसान की भीतर की शांति को कितना कमजोर किया है, इस पर ध्यान कम दिया जाता है।

क्योंकि हर समय संघर्ष में रहने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी हँसी, सहजता और मानसिक शांति खो देता है। आज संघर्ष का मैदान केवल बाहर नहीं, इंसान के घर और मन तक पहुँच चुका है। हर कोई किसी न किसी अदृश्य लड़ाई से गुजर रहा है-कोई पिता जिम्मेदारियों के बोझ में दबा है, कोई युवा सफलता की दौड़ में अपनी खुशियाँ खो रहा है और कोई कर्मचारी खुद को साबित करने की चिंता में जी रहा है। सोशल मीडिया ने बिना मैदान के भी हर व्यक्ति को योद्धा बना दिया है, जहाँ एक टिप्पणी, तस्वीर या विचार विवाद खड़ा कर देता है। लोग दूसरों को गलत साबित करने में इतने उलझ गए हैं कि खुद को समझने का समय नहीं बचा। चेहरे पर सफलता की चमक है, लेकिन भीतर गहरी थकान छिपी है। प्रकृति मौन रहकर जीवन का गहरा सत्य सिखाती है, जिसे मनुष्य अपनी भागदौड़ में भूल चुका है। नदी कभी पहाड़ से टकराकर अपनी शक्ति नहीं दिखाती, फिर भी अपना रास्ता बना लेती है। हवा कभी पेड़ों से संघर्ष नहीं करती, फिर भी उसकी मौजूदगी महसूस होती है।

प्रकृति बताती है कि हर बदलाव के लिए संघर्ष जरूरी नहीं, कई बार धैर्य और निरंतरता ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। लेकिन मनुष्य ने जीवन के हर क्षेत्र को प्रतियोगिता में बदल दिया है। शिक्षा, रोजगार, रिश्ते और सामाजिक पहचान-हर जगह एक अदृश्य दौड़ चल रही है। इस दौड़ में इंसान अक्सर भूल जाता है कि वह किस मंजिल के लिए इतना संघर्ष कर रहा है। मैंने लड़ना इसलिए छोड़ा है, क्योंकि अब समझ आया है कि हर युद्ध मेरा नहीं होता। कई मैदान दूसरों ने बनाए होते हैं, जिनमें हम बिना सोचे उतर जाते हैं। राजनीति को संघर्ष चाहिए, बाजार को दौड़ और मीडिया को विवाद-लेकिन इसकी कीमत आम इंसान अपनी ऊर्जा और शांति से चुकाता है। लोग ऐसे झगड़ों में उलझ जाते हैं, जिनका कोई अंत नहीं होता। व्यवस्था भी अक्सर यही चाहती है कि इंसान आपस में बंटा रहे, क्योंकि उलझे हुए लोग सवाल करना भूल जाते हैं। जब व्यक्ति हर बात पर प्रतिक्रिया देना छोड़ देता है, तभी वह सच में स्वतंत्र सोचने लगता है।

हर संघर्ष से दूर होना हार नहीं, बल्कि जीवन की गहरी समझ है। परिपक्व इंसान जानता है कि हर लड़ाई जीतना जरूरी नहीं और हर बहस में खुद को सही साबित करना आवश्यक नहीं।

आस्था का मंदिर क्यों बन जाता है 'मौत का कुआं'?

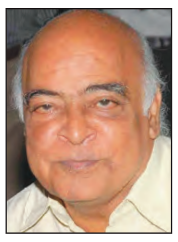

अशोक भाटिया

सभ्यता के विकास के साथ ही भारत में मंदिर, चेतना और आध्यात्मिक शांति के सर्वोच्च केंद्र रहे हैं। जब एक आम श्रद्धालु अपने घर से किसी भी तीर्थस्थल की ओर कदम बढ़ाता है, तो उसके मन में केवल अगाध श्रद्धा, आत्मिक संतोष और ईश्वर के दर्शन की लालसा होती है। लेकिन क्या वजह है कि हाल के वर्षों में भारत के, और विशेषकर बिहार के पवित्र धार्मिक परिसर अचानक 'मौत के कुएँ' में तब्दील हो जाते हैं? क्यों आस्था के जयकारों के बीच अचानक चीखें, रुदन और अपनों को खोने का हाहाकार गूंजने लगता है? बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में सावन के पावन महीने में घटित हुई ताज़ा विभीषिका ने एक बार फिर हमारी व्यवस्था के खोखलेपन, प्रशासनिक ढुलमुल रवैये और आपदा प्रबंधन के दावों की धंज्जियाँ उड़ाकर रख दी हैं। एक ऐसे समय में जब विज्ञान और तकनीकी प्रबंधन के जरिए दुनिया लाखों-करोड़ों की भीड़ को उंगली पर नचा सकती है, हमारे यहाँ त्योहारों और धार्मिक अवसरों पर उमड़ने वाली भीड़ को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। यह हादसा कोई पहला नहीं है और न ही अप्रत्याशित है; यह उन दर्जनों चेतावनियों की कड़वी कड़ी है जिन्हें नजरअंदाज करने की हमें आत्मघाती आदत हो चुकी है। सावन मास के तीसरे सोमवार की सुबह, जब पूरा देश सूर्योदय के साथ महादेव के जलाभिषेक की तैयारी कर रहा था, लखीसराय का इंद्रदमनेश्वर महादेव (अशोकधाम) मंदिर परिसर चीखों से दहल उठा। सावन के इस पवित्र सोमवार पर बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाने के लिए करीब 50,000 श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर परिसर खचाखच भरा हुआ था, कतारें किलोमीटर लंबी थीं और प्रशासनिक चौकसी सिर्फ कागजों तक सीमित थी। सुबह करीब 6:30 से 6:45 के बीच जब यह हादसा हुआ, तो इसके कारणों को लेकर प्रशासन और ज़मीनी हकीकत यानी चश्मदीदों के बयानों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला।

लखीसराय के जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और पुलिस प्रशासन का तर्क है कि सुबह के समय दो स्थानीय रेलगाड़ियों के अशोकधाम हॉल्ट पर पहुँचने से श्रद्धालुओं का दबाव अचानक अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया था। प्रशासन के अनुसार, पुरुषों की कतार के दाहिनी ओर स्थित एक बिजली का खंभा अचानक गिर गया, जिससे भीड़ में यह अफवाह फैल गई कि कतार पर बिजली का चालू तार गिर गया है, जबकि वह केवल एक केबल वायर था। इसी अफवाह के बीच कुछ युवकों ने जबरन आगे बढ़ने की कोशिश में बैरिकेडिंग तोड़ दी, जिससे कतार में खड़ी महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं और भगदड़ मच गई। इस भीषण कुप्रबंधन और हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए लोगों में महिलाओं की संख्या अधिक थी, जो कतारों में खड़ी थीं। इस पूरी घटना ने यह साफ कर दिया कि जब बुनियादी बिजली सुरक्षा, बैरिकेडिंग की मजबूती और भीड़ नियंत्रण जैसे प्राथमिक इंतजाम ही दुरुस्त न हों, तो प्रशासनिक दावों की पोल खुलने में चंद सेकंड ही लगते हैं। लखीसराय की यह त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के मोर्चे पर हुई आपराधिक लापरवाहियों का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है। यदि हम अतीत के पन्नों को पलटें, तो पाएंगे कि हर हादसे का ढर्रा बिल्कुल एक जैसा रहा है—भीड़ का अत्यधिक जुटना, किसी अफवाह या दुर्घटना का होना, और अंततः प्रशासन का लाचार होकर हाथ खड़े कर देना। उदाहरण के लिए, 12 अगस्त 2024 को जहानाबाद जिले के मखदूमपुर में स्थित बराबर पहाड़ी पर बने प्राचीन बाबा सिद्धनाथ मंदिर में ऐसी ही एक भयावह भगदड़ मची थी। सावन के सोमवार के अवसर पर ही आधी रात के बाद करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच यह हादसा हुआ था। पहाड़ी की संकरी सीढ़ियों और रास्तों पर हज़ारों श्रद्धालु जल चढ़ाने के लिए ऊपर चढ़ रहे थे, जबकि दर्शन कर चुके सैकड़ों लोग नीचे उतर रहे थे। आने और जाने का रास्ता एक होने और बेहद संकरा होने के कारण दबाव पहले से ही चरम पर था। इसी बीच स्थानीय फूल विक्रेताओं के बीच किसी बात को लेकर लाठी-डंडों से मारपीट हो गई, जिसे भीड़ ने पुलिस का लाठीचार्ज समझ लिया। इस एक अफवाह ने पहाड़ी पर मौत का तांडव शुरू कर दिया और लोग अंधेरे में संकरी सीढ़ियों पर एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे, जिससे 7 निर्दोष श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इसी तरह, चैत्र मास के आखिरी मंगलवार यानी 31 मार्च 2026 को नालंदा जिले के बिहार शरीफ के मघरा इलाके में स्थित माँ शीतला माता मंदिर में एक और हृदयविदारक घटना घटी थी। शीतला अष्टमी के पावन अवसर पर सुबह-सुबह भारी संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना के लिए जुटी थीं। भोर से ही मंदिर प्रांगण में महिलाओं की कतारें लगी थीं और अचानक अत्यधिक भीड़ व कुप्रबंधन की वजह से अफरा-तफरी मच गई। सैकड़ों लोग एक क्षण में नियंत्रण खो बैठे और देखते ही देखते भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। चश्मदीदों ने यहाँ भी प्रशासन की विफलता और पुलिस बल की भारी कमी को हादसे का ज़िम्मेदार ठहराया था, जिसके कारण 8 महिलाओं की कुचलने और दम घुटने से मौत हो गई थी। सुरक्षा में चूक और भीड़ नियंत्रण के अभाव का एक और वीभत्स उदाहरण अक्टूबर 2023 में महा नवमी की रात को गोपालगंज में देखने को मिला था। वहाँ के प्रसिद्ध राजा दल दुर्गा पूजा पंडाल में भारी संख्या में दर्शनार्थी उमड़े थे। पंडाल के मुख्य द्वार पर अत्यधिक भीड़ हो जाने और प्रवेश व निकास की सही व्यवस्था न होने के कारण अचानक भगदड़ मच गई थी। पुलिस की प्राथमिक जाँच में स्पष्ट हुआ था कि उस विशाल और संवेदनशील पंडाल के गेट पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों की तैनाती नहीं की गई थी, जिसके चलते दो महिलाओं और एक मासूम बच्चे की कुचलकर मौत हो गई थी। इन सभी पुरानी और नई घटनाओं का बारीकी से विश्लेषण करने पर कुछ ऐसे साझा और गंभीर कारण उभरकर सामने आते हैं, जो यह साबित करते हैं कि ये मौतें प्राकृतिक आपदाएं नहीं, बल्कि प्रशासनिक और ढांचागत विफलताओं के कारण हुए 'मानव-निर्मित अपराध' हैं। इसके अलावा, किसी भी भीड़भाड़ वाले स्थान पर एक छोटी सी अफवाह बारूद में चिंगारी का काम करती है। जब अफवाह फैलती है, तो लोगों में जान बचाने के लिए भागने की स्थिति बन जाती है।

ऐसे समय में भीड़ को शांत करने के लिए मंदिरों में न तो कोई प्रभावी लाउडस्पीकर सिस्टम होता है और ना ही प्रशासन तुरंत घोषणाएं करके स्थिति को संभालता है। साथ ही, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड और स्थानीय जिला प्रशासन के बीच अक्सर जिम्मेदारी को लेकर खींचतान चलती रहती है। मंदिर समितियां अपनी कमाई और चढ़ावे पर तो पूरा नियंत्रण रखती हैं, लेकिन जब बात बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था या सीसीटीवी कैमरे लगाने की आती है, तो वे सारा जिम्मा पुलिस-प्रशासन पर मढ़ देती हैं। धार्मिक स्थलों पर हादसों का एक और छिपा हुआ लेकिन कड़वा सच 'वीआईपी संस्कृति' है। जब आम श्रद्धालु घंटों भूखे-प्यासे कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे होते हैं, तब प्रशासनिक अमला और मंदिर के रसूखदार लोग वीआईपी दर्शन कराने में व्यस्त होते हैं।

परीक्षाओं में व्यापक सुधार और पेपर लीक रोकने से जुड़े यक्ष प्रश्न

कमलेश पांडेय

पेपर लीक अब केवल किसी एक परीक्षा या किसी एक राज्य की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह मेहनत, मेरिट, रोजगार, प्रशासनिक विश्वसनीयता और देश की मानव पूंजी से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। लिहाजा परीक्षाओं में व्यापक सुधार अपेक्षित है। यूँ तो स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने छात्रों-युवाओं को पेपर लीक रोकने से लेकर परीक्षा प्रणालियों में सुधार का कदम उठाए जाने का भरोसा दिया है, फिर भी केंद्र सरकार से कुछ बुनियादी यक्ष प्रश्न पूछना जरूरी है:

पहला यह कि हर बार पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द और पुनर्परीक्षा ही क्यों? दूसरा यह कि परीक्षा से पहले ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं बनती कि प्रश्नपत्र लीक होना लगभग असंभव हो? तीसरा यह कि जिम्मेदारी आखिर तय किसकी होगी? चौथा यह कि दलाल और छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी के साथ परीक्षा संस्था के वरिष्ठ जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कब तय होगी? पांचवां यह कि एक पेपर लीक की कीमत विद्यार्थी ही क्यों चुकाए?

छठा यह कि यात्रा, रहने, तैयारी और एक साल के समय का नुकसान झेलने वाले अभ्यर्थियों के लिए क्षतिपूर्ति की व्यवस्था क्यों नहीं? सातवां यह कि गरीब और ग्रामीण विद्यार्थी सबसे ज्यादा प्रभावित क्यों हों? आठवां यह कि महंगी कोचिंग का खर्च उठाने में असमर्थ विद्यार्थी बार-बार होने वाली परीक्षाओं और पुनर्परीक्षाओं का खर्च कैसे उठाए? नौवां यह कि परीक्षा कैलेंडर की विश्वसनीयता कब सुनिश्चित होगी? दसवां यह कि भर्ती परीक्षाओं की तारीख, परिणाम और नियुक्ति की निश्चित समयसीमा क्यों नहीं होनी चाहिए? ग्यारहवां यह कि प्रश्नपत्र की पूरी सुरक्षा-श्रृंखला पारदर्शी क्यों नहीं हो सकती? बारहवां यह कि प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्र तक हर चरण का डिजिटल लॉग और स्वतंत्र ऑडिट क्यों न हो? तेरहवां यह कि परीक्षा संस्थाओं का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कौन करेगा? चौदहवां यह कि जिस संस्था पर परीक्षा कराने की जिम्मेदारी है, उसी पर उसकी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी क्यों निर्भर रहे? पन्द्रहवां यह कि पेपर लीक और तकनीकी गड़बड़ी में फर्क कैसे तय होगा?

सोलहवां यह कि परीक्षा रद्द करने से पहले वैज्ञानिक तरीके से यह निर्धारित क्यों न किया जाए कि वास्तव में कितने अभ्यर्थी प्रभावित हुए? सत्रहवां यह कि दोषियों को सजा और निर्दोषों को न्याय-दोनों साथ कैसे मिलेंगे? अठारहवां यह कि जांच वर्षों तक चलने के बजाय समयबद्ध क्यों न हो? उन्नीसवां यह कि क्या केवल कड़ा कानून पर्याप्त है?बीसवां यह कि सजा बढ़ाने के साथ परीक्षा-प्रणाली की कमजोर कड़ियों को खत्म करने की ठोस कार्ययोजना कहाँ है?

इक्कीसवां यह कि एआई और डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल कब व्यापक होगा? बाइसवां यह कि सुरक्षित प्रश्नपत्र वितरण, बायोमेट्रिक पहचान, सीसीटीवी, डिजिटल ट्रैकिंग और असामान्य गतिविधियों की पहचान जैसी तकनीकों का मानकीकरण क्यों न हो? तेइसवां यह कि कोचिंग माफिया और पेपर लीक नेटवर्क पर संयुक्त कार्रवाई कब? चौबीसवां यह कि केवल पेपर खरीदने वाले विद्यार्थियों या छोटे बिचौलियों तक जांच सीमित क्यों रहे? पच्चीसवां यह कि क्या परीक्षा सुधार को शिक्षा सुधार से अलग रखा जा सकता है?

छब्बीसवां यह कि गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा और निःशुल्क डिजिटल तैयारी संसाधनों के बिना गरीब विद्यार्थी समान अवसर कैसे पाएगा? सत्ताईसवां यह कि क्या परीक्षा व्यवस्था रोजगार व्यवस्था से जुड़ी है? अट्ठाइसवां यह कि लाखों युवाओं को वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं में लगाए रखने के बजाय शिक्षा, कौशल, रोजगार और उद्यमिता के वैकल्पिक रास्ते कितने मजबूत किए जा रहे हैं?

उनतीसवां यह कि क्या परीक्षा व्यवस्था आर्थिक विकास का हिस्सा बनेगी? तीसवां यह कि यदि मानव पूंजी भारत की सबसे बड़ी ताकत है, तो उसकी प्रतिभा को निष्पक्ष परीक्षा और समयबद्ध नियुक्ति के माध्यम से अर्थव्यवस्था की उत्पादक शक्ति में बदलने की राष्ट्रीय रणनीति क्या है?

वहीं, सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह कि क्या भारत पेपर लीक होने के बाद कार्रवाई करने वाली व्यवस्था से आगे बढ़कर ऐसी परीक्षा प्रणाली बनाएगा जिसमें पेपर लीक की गुंजाइश ही न्यूनतम हो क्योंकि एक पेपर लीक केवल प्रश्नपत्र नहीं लीक करता बल्कि वह विद्यार्थी का समय, परिवार का पैसा, उसकी उम्मीद और व्यवस्था पर विश्वास भी लीक कर देता है।

और सबसे गरीब विद्यार्थी के लिए इसका अर्थ और भी गंभीर है: वह यह कि "जिसके पास कोचिंग के लिए पैसा नहीं, क्या उसके पास निष्पक्ष परीक्षा और अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ने का भरोसा तो होना ही नहीं चाहिए?" यही प्रश्न परीक्षा सुधार को शिक्षा सुधार, सामाजिक न्याय और भारत की आर्थिक रफ्तार से जोड़ता है। इसलिए इस बारे में कोई भी लापरवाही भारत के युवा भविष्य से खिलवाड़ नहीं तो क्या है?

मेरा सुझाव है कि सिर्फ एक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से काम नहीं चलेगा, बल्कि भ्रष्टाचार से संक्रमित हर उस शख्स को सिस्टम से आउट किया जाए तो तुच्छ लाभ के लिए साधनहीन, सुविधाहीन लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की जुर्रत करता है।

जो चाहता ही नही कि गरीब वर्ग के लोग आगे बढ़ें। वह आरक्षण की सोच में भी पलीता लगाता है क्योंकि आरक्षित वर्ग के बच्चे भी परेशान हो रहे हैं।

बेरोजगारी गरीबी असमानता भ्रष्टाचार से दबा लोकतंत्र !

मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ के जशन में डूबा है। हुक्मरानों के आह्वान पर देश में घर घर तिरंगा फहराया गया । राजपथ से लेकर जनपथ तक रोशनी की झालर जगमगा रही है लेकिन इस खुशहाल भारत के पीछे एक और हकीकत भी छिपी है यह है मुफलिसी, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता व सस्ते सुलभ न्याय से महरूम हिंदुस्तान, जिसमें आज भी भूख है, बेगार करने और अन्याय सहने की मजबूरी है, पूंजीवाद के हाथों में जकड़ती लोकतांत्रिक व्यवस्था है इन सबसे इतर नारे हैं उम्मीद हैं और इनके बीच बेरोजगारी महंगाई भ्रष्टाचार से कराहता आम आदमी है। हालिया आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर लगभग 5.5% है, जो वैश्विक औसत (4.9%) के आसपास और कई प्रमुख जी-20 अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में स्थिर स्थिति में है, हालांकि युवाओं के बीच यह दर तुलनात्मक रूप से अधिक बनी हुई है।आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार देश में कुल बेरोजगारी दर स्थिरस्थिर है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की दर लगभग 5.1% और शहरी क्षेत्र की दर लगभग 6.4% से 6.6% के बीच दर्ज की गई है।युवा बेरोजगारी की समस्या चुनौती बनकठभारत में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक (लगभग 15% से 16% के बीच) है, जो कौशल अंतराल और तकनीक-आधारित बदलावों को दर्शाती है। वैश्विक और भारतीय बाजारों में अनौपचारिक रोजगार और गुणवत्तापूर्ण पूर्णकालिक नौकरियों की उपलब्धता एक बड़ी चिंता बनी हुई है। भारत में आज भी गरीबी की समस्या विकराल बनी हुई है। भारत में 20 करोड़ से भी ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे हैं और काफी मुश्किल से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। गरीबी से जुड़े कई ऐसे आंकड़े हैं, जो वाकई डराने वाले हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 23.4 करोड़ लोग गरीबी के स्तर पर जीवन जीने को मजबूर हैं। यह संख्या इस बात पर निर्भर करती है कि गरीबी को मापने के लिए किस मानक या पैमाने का उपयोग किया जा रहा है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक के संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे संकेतकों के आधार पर भारत में लगभग 23.4 करोड़ लोग घोर या बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है।विश्व बैंक के अत्यधिक गरीबी के आंकड़े बता रहे हैं कि विश्व बैंक के मानकों ($2.15 प्रतिदिन आय) के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीने वाले लोगों की संख्या घटकर लगभग 7.5 करोड़ (75 मिलियन) रह गई है। पिछले एक दशक में लगभग 26.9 से 27 करोड़ लोग इस अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। यदि उच्च स्तर यानी लगभग $4.20 प्रतिदिन के मानक को देखा जाए, तो भारत की लगभग 23.9% आबादी (करीब 34.2 करोड़ लोग) आर्थिक सुरक्षा के उस दायरे से नीचे आती है। नवीनतम ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, कुल 123 देशों की सूची में भारत को 102वां स्थान मिला है। इस सूचकांक में भारत का कुल स्कोर 25.8 है, जो देश में भूख और कुपोषण की स्थिति को 'गंभीर' श्रेणी में रखता है। 123 देशों की पड़ताल में भारत का स्थान 102 वां है इस के अनुसार 25.8श्रेणी गंभीर प्रमुख स्वास्थ्य व पोषण 12.0%बाल बौनापन उम्र के हिसाब से कम लंबाई 32.9%बाल कमज़ोरी लंबाई के हिसाब से कम वजन 18.7% रिपोर्ट में दूसरी सबसे अधिक बाल मृत्यु दर 2.8% है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 में भारत 182 देशों में 91वें स्थान पर है। भारत का कुल स्कोर 39 (100 में से) है, जो पिछले वर्ष (2024 में 96वीं रैंक) की तुलना में पाँच स्थानों का सुधार दर्शाता है। यह रिपोर्ट ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी की जाती है।डेनमार्क, फिनलैंड और सिंगापुर सबसे कम भ्रष्ट देशों में शामिल हैं। भारत का प्रदर्शन (101रैंक)पाकिस्तान (136वीं रैंक), श्रीलंका (107वीं रैंक), और नेपाल (109वीं रैंक) से बेहतर है, लेकिन चीन (76वीं रैंक) और भूटान (18वीं रैंक) से पीछे है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 (तीसरा संस्करण) पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के द्वारा जारी की गई है। यह रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के शीर्ष 10% सबसे अमीर लोगों के पास वैश्विक संपत्ति का तीन-चौथाई (लगभग 75%) हिस्सा है, जबकि सबसे निचले 50% हिस्से के पास केवल 2% संपत्ति है।भारत में शीर्ष 10% लोगों के पास राष्ट्रीय आय का 58% हिस्सा है, जबकि निचले 50% लोगों को केवल 15% ही मिलता है।भारत में असमानता गहराई से जड़ें जमा चुकी है, जहाँ शीर्ष 10% राष्ट्रीय आय का 58% हिस्सा अर्जित करते हैं और शीर्ष 1% के पास देश की कुल संपत्ति का 40% हिस्सा है। इसे महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर के 15.7% पर स्थिर बने रहने से और बढ़ावा मिलता है। देश में अदालतों में न्याय के लिए लम्बी लाइन लगीं है अगली पेशी अगले साल के चलते लाखों की संख्या में वादी व पीड़ित तारीख पर चक्कर काटते हुए दुनिया से चले जाते हैं पर न्याय नहीं मिलता। स्थिति यह है कि देशभर की अदालतों में निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कुल 5.64 करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित (पेंडिंग) हैं।

सरकारी मुहर

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

आंगनवाड़ी केंद्र के उस जंग लगे लोहे के दरवाजे के पास अस्सी साल के रामसेवक दादा हर दोपहर ठीक बारह बजे अपना पुराना लाल रंग का ट्रांजिस्टर रेडियो लेकर इस तरह बैठ जाते थे जैसे कोई ईमानदार आदमी भ्रष्टाचार की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हो। उस रेडियो का एंटीना वैसे ही टूटा हुआ था जैसे सरकारी वादों की कमर टूटी होती है और उसमें न तो कोई बैटरी थी और न ही पीछे कोई तार लगा था क्योंकि इस देश में व्यवस्था बिना करंट के ही झटके देने में माहिर है। दफ्तर की सहायिका जब भी उन्हें उस बेजान डिब्बे का नॉब घुमाते और कान लगाकर सुनते देखती तो अपनी प्रशासनिक हंसी बिखेरते हुए कहती कि दादा जब इस रेडियो में न सेल हैं न तार तो रोज दोपहर को इस कड़कती धूप में यहाँ आकर क्या सुनने का नाटक करते हो। रामसेवक दादा अपनी सफेद मूंछों पर वैसे ही हाथ फेरते जैसे नेता चुनाव जीतने के बाद जनता के सपनों पर फेरता है और एक गहरी सांस लेकर कहते कि बेटी इसमें कोई फिल्मी गाना या सरकारी भजन नहीं आ रहा है बल्कि इसमें इस पूरे जिले की अंधी और बहरी व्यवस्था की वो धड़कन बज रही है जिसे तुम जैसे फाइलों के कीड़े कभी सुन ही नहीं सकते क्योंकि तुम्हारी सुनने की शक्ति तो साहब की जी हुजूरी में ही खर्च हो जाती है। आसपास से गुजरने वाले ग्रामीण और पंचायत के पंच उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है मासाब की उम्र का असर दादा पर भी हो गया है जो बिना बिजली के डिब्बे से वैसी ही खबरें निकालना चाहते हैं जैसी बिना काम किए सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाती है। रामसेवक दादा बिना किसी की बात पर ध्यान दिए उस पुराने ट्रांजिस्टर को अपनी सूती चादर के कोने से वैसे ही जतन से पोंछते जैसे कोई चपरासी साहब की मेज पोंछता है और चुपचाप अपने कान को उसके स्पीकर के पास सटाकर बैठ जाते थे। ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक कार्यालय तक हर कोई इस बात से वैसे ही हैरान था जैसे कोई बिना रिश्वत के काम होने पर होता है कि आखिर उस बिना तार के मूक रेडियो के भीतर ऐसा क्या राज बंद था जिसे रामसेवक दादा अपनी जान से ज्यादा संभालकर रखते थे।

पंचायत का सचिव जब भी अपनी चमचमाती मोटरसाइकिल से आता जिसकी चमक जनता के टैक्स से और भी निखर रही थी तो दादा उसके सामने वैसे ही हाथ जोड़कर खड़े हो जाते जैसे प्रजातंत्र में मतदाता उम्मीदवार के सामने खड़ा होता है।

सचिव चिढ़कर अपनी फाइलें संभालता जो शायद रिश्वत के वजन से भारी थीं और गुस्से में कहता कि अरे बूढ़े जब तक कागजों की जांच पूरी नहीं होगी और सत्यापन रिपोर्ट ऊपर से नहीं आएगी तब तक तुम्हारा काम नहीं होगा और तुम इस मूक डिब्बे को लेकर वैसे ही चक्कर काटते रहोगे जैसे फाइलों का पहिया घूमता है। दादा बिना कोई प्रतिवाद किए उस लाल ट्रांजिस्टर को अपनी गोद में समेटते और गांव की कच्ची पगडंडी पर चुपचाप अपने कदम बढ़ा देते क्योंकि उन्हें पता था कि व्यवस्था की सड़क अभी बननी बाकी है। गांव के नौजवान आपस में खुसर पुसर करते कि शायद दादा का कोई पुराना मुआवजा अटका है या फिर वे जमीन के किसी विवाद में सरकारी दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं लेकिन किसी को भी उस सूखे रेडियो और सरकारी फाइलों के बीच छुपे उस कड़वे सच का जरा सा भी सुराग नहीं मिल पा रहा था जैसे किसी को सरकारी बजट का असली ठिकाना पता नहीं चलता। एक दिन अचानक ब्लॉक के नए विकास अधिकारी यानी बीडीओ साहब गांव में चल रही विकास योजनाओं का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जो असल में अपनी फोटो खिंचवाने का एक सरकारी बहाना था।

उनके साथ पंचायत की पूरी टीम और मीडिया के लोग वैसे ही चल रहे थे जैसे शादी में बाराती चलते हैं और हर मोड़ पर साहब की ऐसी तस्वीरें खींच रहे थे जैसे वे स्वयं साक्षात विकास के देवता हों। बीडीओ साहब ने जब आंगनवाड़ी केंद्र के बाहर रामसेवक दादा को उस बेजान लाल रेडियो को कान से लगाए देखा तो अपनी सहृदयता का वैसा ही प्रदर्शन करने के लिए उनके पास पहुंच गए जैसा चुनाव से पहले प्रत्याशी करता है।

रक्षाबंधन पर लगने वाला है चंद्र ग्रहण

लेकिन भारत में सूतक का प्रभाव नहीं रहेगा

इस बार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा. शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित माना जाता है. ऐसे में शुक्रवार को रक्षाबंधन पड़ना धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है. इसी दिन चंद्र ग्रहण की घटना भी होने जा रही है, हालांकि भारत में ग्रहण दिखाई नहीं देगा।

सनातन धर्म में रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम विश्वास और स्नेह का प्रतीक माना जाता है. इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र यानी राखी बांधती है और भाई जीवनभर उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व बेहद खास संयोगों के बीच मनाया जाएगा. खास बात यह है कि 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है. हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, लेकिन ग्रहण को लेकर धार्मिक मान्यताओं और राखी बांधने के शुभ समय को लेकर लोगों में जिज्ञासा बनी हुई है।

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा. शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित माना जाता है. ऐसे में शुक्रवार को रक्षाबंधन पड़ना धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है. इसी दिन चंद्र ग्रहण की घटना भी होने जा रही है. हालांकि भारत में ग्रहण दिखाई नहीं देगा।

भारत में नहीं होगा सूतक का प्रभाव

पंडित कल्कि राम के मुताबिक, किसी स्थान पर ग्रहण दिखाई नहीं देने की स्थिति में वहां सामान्य तौर पर ग्रहण का सूतक मान्य नहीं माना जाता, इसलिए भारत में इस चंद्र ग्रहण का सूतक प्रभाव लागू नहीं होगा. फिर भी धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों के लिए ग्रहण का समय पूजा-पाठ और ईश्वर का स्मरण करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति ग्रहण को धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानता है, तो ग्रहण के दौरान अपने घर में रहकर इष्ट देवता के मंत्र का जाप कर सकता है. इस दौरान पूजा-पाठ और भगवान का ध्यान करने से मन को शांति मिलती है. पंडित कल्कि राम ने सलाह दी है कि श्रद्धालु ग्रहण काल को ध्यान, मंत्र जाप और आध्यात्मिक साधना में व्यतीत कर सकते हैं।

इतने बजे रक्षा बंधन का शुभ मुहूर्त

राखी बांधने के समय को लेकर उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन का पर्व मध्याह्न 12:31 बजे के बाद मनाना उचित रहेगा. इसके लिए भाई-बहन स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें. इसके बाद भगवान का पूजन करें और शुभ मुहूर्त में बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधे. अभिजीत मुहूर्त में रक्षाबंधन मनाना विशेष शुभ माना गया है. रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय बहन भाई की सुख-समृद्धि, दीर्घायु और सफलता की कामना करती है.

वहीं भाई बहन को हर परिस्थिति में सहयोग और सुरक्षा देने का संकल्प लेता है. यही वजह है कि यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार में प्रेम और रिश्तों की मजबूती का संदेश भी देता है. इस बार रक्षाबंधन शुक्रवार के दिन पड़ने और उसी दिन चंद्र ग्रहण होने के कारण धार्मिक दृष्टि से चर्चा में है. ऐसे में श्रद्धालुओं के लिए जरूरी है कि वे अपनी स्थानीय परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार पूजा-पाठ करें और राखी बांधने के समय का ध्यान रखें।

सावन शुक्ल षष्ठी को मनाई जाएगी कल्कि जयंती

भगवान विष्णु को जगत का पालनहार माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने समय-समय पर धर्म की रक्षा और संसार के कल्याण के लिए विभिन्न अवतार लिए। पौराणिक ग्रंथों में भगवान विष्णु के 24 प्रमुख अवतारों का वर्णन मिलता है, जिनमें से 23 अवतार हो चुके हैं। वहीं, कलियुग के अंत में भगवान विष्णु के कल्कि अवतार लेने की मान्यता है। इसी भविष्यवाणी से जुड़ी स्मृति और भगवान कल्कि के अवतरण की प्रतीक्षा के प्रतीक के रूप में हर साल सावन मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को कल्कि जयंती मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता है कि जब कलियुग के अंत में पृथ्वी पर पाप और अधर्म बढ़ जाएगा, तब भगवान विष्णु कल्कि रूप में अवतार लेकर अधर्म और बुराई का नाश करेंगे तथा धर्म की पुनः स्थापना करेंगे।

कल्कि जयंती की तिथि को लेकर क्यों है कन्फ्यूजन?

साल 2026 में सावन शुक्ल षष्ठी तिथि को लेकर लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ पंचांगों में 17 अगस्त 2026 को कल्कि जयंती मनाने की बात कही जा रही है, जबकि कुछ जगहों पर 18 अगस्त 2026 को पूजा की जानकारी दी गई है। ऐसे में सही तिथि और पूजा के शुभ मुहूर्त को लेकर लोगों के मन में सवाल है। इस लेख में पंचांग गणना के आधार पर कल्कि जयंती 2026 की सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार कल्कि का जन्म कलियुग में भारत देश में उत्तर प्रदेश राज्य के संभल जिले में होगा। एक परम श्रीहरि भक्त के घर में कल्कि जन्म लेंगे। यह एक ब्राह्मण परिवार का घर होगा।

कैसा होगा कल्कि का स्वरूप

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार कल्कि भगवान विष्णु के 10वें अवतार होंगे जो कलियुग में पाप औप पापियों का अंत करने के लिए धरती पर अवतरित होंगे। श्रीमद्भगवत पुराण में इसको लेकर विस्तृत विवरण है। इसके अनुसार घोर कलियुग में जब धरती पर अत्यधिक पाप बढ़ जाएगा तब भगवान विष्णु कल्कि अवतार लेंगे जो 64 कलाओं से युक्त होगा। कल्कि सफेद घोड़े पर सवार होकर पापियों का अंत करेंगे और धरती पर फिर से धर्म की स्थापना करेंगे। इस तरह कलियुग का अंत होगा और फिर से सतयुग शुरू होगा।

सावन के महीने में लगाएं बेलपत्र सहित दो पौधे

सावन के महीने में भगवान शिव की भक्ति के साथ साथ प्राकृति का भी बेहद सुंदर रुप देखने को मिलता है। सावन के महीने में बेलपत्र के साथ साथ और भी पौधे घर में लगाने से आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। वास्तु गुरु से जानें सावन के महीने में कौनसे पौधे लगाना शुभ।

सावन का महीना बहुत ही पवित्र माना जाता है। सावन का महीना का महीना शिव भक्तों के लिए तो खास होता ही है। साथ ही इस समय प्रकृति भी अपने सबसे सुंदर रुप में रहती है। सावन के महीने में भगवान शिव की भक्ति के साथ साथ घर में सुख समृद्धि और घर का वास्तु ठीक करने के लिए कुछ पौधे जरुर लगाने चाहिए। सावन में कुछ विशेष पौधे लगाने से जीवन में सुख समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। आइए जानते हैं वास्तु गुरु मान्या से कि सावन के महीने में घर का वास्तु ठीक करने के लिए कौन से पौधे लगाना शुभ फलदायी रहती है।

सावन में बेलपत्र लगाने के लाभ

वास्तु गुरु मान्या कहती है कि भगवान शिव को बेलपत्र अधिक प्रिय है। ऐसे में सावन के महीने में बेलपत्र का पेड़ जरूर लगाना चाहिए। आप चाहें तो इसे किसी मंदिर या अपने घर में लगा सकते हैं। लेकिन, इस बात का ख्याल रखें कि जो पौधा आप लगा रहे हैं उसकी ठीक से देखभाल जरूर करें। ऐसा कहा जाता है कि बेलपत्र घर में सकारात्मकता लाता है और घर की नकारात्मकता को दूर करता है।

सावन में शमी का पौधा लगाने के लाभ

सावन के महीने में शमी का पौधा लगाना भी बहुत शुभ फलदायी साबित होता है। अगर किसी को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। या बिना वजह के खर्चे रहते हैं तो सावन के महीने में अपने घर में शमी का पौधा जरूर लगाएं ऐसा करने से आर्थिक तंगी से राहत मिलती है।

सावन में तुलसी का पौधा लगाने के लाभ और सही दिशा

वास्तु गुरु मान्या कहती हैं कि सावन के महीने में तुलसी का पौधा लगाना भी फलदायी साबित होता है। तुलसी का माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इसे घर में सावन के महीने में लगाने से सकारात्मकता बढ़ती है। लेकिन, तुलसी का पौधा लगाते हुए दिशा का विशेष ख्याल रखें। इसे उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में ही लगाएं। इन दिशाओं में कुबेर और भगवान विष्णु का वास होता है। इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है।

सावन में घर की इस दिशा में लाकर रखें त्रिशूल और डमरू

सावन के पवित्र महीने में भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए घर में त्रिशूल और डमरू रखना बेहद शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, आर्थिक उन्नति होती है और सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं। तो आइए विस्तार से जानें घर में डमरू और त्रिशूल रखने की सही दिशा, स्थान, नियम और फायदे।

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। ऐसे में इस दौरान उनसे संबंधित कुछ चीजों को घर लाना बेहद शुभ फलदायक माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करने के लिए सावन में त्रिशूल और डमरू घर लाना उत्तम होता है। हालांकि, पूर्ण लाभ के लिए इन्हें सही स्थान और सही दिशा में रखना आवश्यक माना गया है। नियमानुसार त्रिशूल व डमरू घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है, वास्तु दोष का नाश होता है और सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं। ऐसे में आइए वास्तु गुरु मान्या से जानते हैं घर में त्रिशूल और डमरू रखने की दिशा, स्थान, नियम और लाभ विस्तार से।

त्रिशूल और डमरू किस दिशा में रखें?

अगर आप सावन के पावन माह में शिवजी का डमरू और त्रिशूल घर लाने की सोच रहे हैं, तो सही दिशा का ख्याल जरूर रखें। वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि त्रिशूल और डमरू को उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में रखना चाहिए। इस दिशा में को ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में बेहद उत्तम व पवित्र माना गया है। यदि ऐसा संभव न हो तो आप पूर्व दिशा में भी डमरू और त्रिशूल रख सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

घर में किस स्थान पर रखें त्रिशूल और डमरू?

सही दिशा के साथ-साथ सही स्थान का ख्याल रखना भी आवश्यक है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में शिवलिंग या शिवजी की प्रतिमा के पास डमरू और त्रिशूल रखना शुभ होता है। इसके अलावा, आप चाहें तो इनका छोटा या चित्र या यंत्र आप घर के मुख्य द्वार पर ऊपर की तरफ लगा सकते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से नकारात्मकता और बुरी नजर अंदर प्रवेश नहीं करती है।

घर में त्रिशूल और डमरू रखने के नियम

वास्तु गुरु मान्या कहती हैं कि आप जिस भी स्थान पर त्रिशूल या डमरू रखें वहां की साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ख्याल रखना चाहिए। उस स्थान पर रोज अच्छी तरह साफ-सफाई करें और संभव हो तो गंगाजल का छिड़काव करें। इस बात का ख्याल रखें कि कभी भी गंदगी वाले स्थान पर त्रिशूल और डमरू को नहीं रखना चाहिए।

पूजा के दौरान त्रिशूल पर तिलक जरूर लगाना चाहिए। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा-आरती करें। साथ ही, पूजा के बाद डमरू भी जरूर बजाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से आसपास का वातावरण शुद्ध और सकारात्मक होता है।

त्रिशूल खरीदते समय उसके धातु पर भी जरूर ध्यान देना चाहिए। मान्यता है कि तांबे या चांदी का त्रिशूल सावन में घर लाना शुभ होता है। अपने सामर्थ्य अनुसार आप त्रिशूल छोटा या बड़ा ला सकते हैं। हालांकि, भूलकर भी लोहे का त्रिशूल नहीं खरीदना चाहिए।

त्रिशूल और डमरू घर में रखने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में त्रिशूल और डमरू सही स्थान व दिशा में रखना बहुत शुभ फलदायक होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से बुरी शक्तियों का नाश होता है और तांत्रिक दोष भी दूर हो सकते हैं। साथ ही, वास्तु दोष को दूर करने के लिए भी इन्हें घर में रखना शुभ माना गया है। ऐसा करने से घर में मौजूद ऊर्जा सकारात्मक और संतुलित बनी रहती है। इतना ही नहीं, माना जाता है कि त्रिशूल और डमरू घर में रखने से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और आर्थिक उन्नति के संयोग बनते हैं। घर में डमरू की ध्वनि से घर का वातावरण शांत और तनावमुक्त बना रहता है।

सावन में कैलाश छोड़ कनखल में निवास करते हैं भोलेनाथ

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के महीने में भोलेनाथ पृथ्वी लोक पर अपनी ससुराल यानी हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर में निवास करते हैं.

सावन में कनखल ही क्यों बनते हैं शिवजी का धाम?

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं. इस दौरान सृष्टि के संचालन और देखभाल की पूरी जिम्मेदारी भगवान शिव संभालते हैं।

भगवान शिव सावन के महीने में माता पार्वती के साथ अपने ससुराल कनखल आते हैं और यहीं से पूरे ब्रह्मांड का संचालन करते हैं. यही वजह है कि सावन में कनखल में दर्शन और जल चढ़ाने का विशेष महत्व है।

क्या है दक्षेश्वर महादेव की पौराणिक कथा?

यह मंदिर प्रजापति दक्ष और माता सती के ऐतिहासिक प्रसंग से जुड़ा हुआ है:

राजा दक्ष का महायज्ञ: राजा दक्ष (माता सती के पिता) ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया था, जिसमें उन्होंने सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन भगवान शिव को नहीं बुलाया।

माता सती का योगाग्नि में आत्मदाह: अपने पति का अपमान सहन न कर पाने के कारण माता सती ने यज्ञ कुंड की अग्नि में अपने प्राणों की आहुति दे दी.

वीरभद्र का प्रकोप: इस घटना से क्रोधित होकर शिवजी के अवतार वीरभद्र ने राजा दक्ष का सिर काट दिया।

बकरे का सिर और शिव का वरदान: देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव ने प्रसन्न होकर राजा दक्ष के धड़ पर बकरे का सिर लगाकर उन्हें पुनर्जीवित किया. राजा दक्ष ने अपनी भूल स्वीकार की और शिवजी से प्रार्थना की कि वे हर वर्ष सावन के महीने में यहां निवास करें।

दक्षेश्वर महादेव मंदिर की खास बातें

उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित कनखल का दक्षेश्वर महादेव मंदिर धार्मिक और पौराणिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जाता है. इस ऐतिहासिक मंदिर का मुख्य आकर्षण यहां स्थित प्राचीन शिवलिंग और वह पौराणिक यज्ञ कुंड है, जिसे माता सती के आत्मदाह के प्रसंग से जोड़कर देखा जाता है. मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से यहां शिवलिंग पर जल अर्पित करते हैं, भोलेनाथ उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. मंदिर परिसर का वातावरण बेहद शांत और आध्यात्मिक है, जहां प्रसिद्ध मां आनंदमयी आश्रम और पवित्र गंगा घाट भी स्थित हैं, जो श्रद्धालुओं को एक दिव्य शांति का अनुभव कराते हैं।

सावन के दौरान यदि आप हरिद्वार की यात्रा पर जा रहे हैं, तो दक्षेश्वर महादेव के दर्शन करना बिल्कुल न भूलें. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने में भगवान शिव स्वयं कनखल में निवास करते हैं और अपने भक्तों की हर पुकार व प्रार्थना को प्रत्यक्ष रूप से सुनते हैं।

कश्मीरा शाह ने शादियों और बेवफाई पर जाहिर की निराशा, कहा- क्या अब भी होता है सच्चा प्यार

अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने 'लाफ्टर शेफ्स' के सभी सीजन में अपनी मजेदार पर्सनैलिटी से दर्शकों के दिलों में दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। सोमवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए शादियों और बेवफाई पर निराशा जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें आसमान में दिल के आकार का धुंध है। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट के जरिए सवाल उठाया है कि क्या 'सच्चा प्यार' अब भी होता है। कश्मीरा ने लिखा, क्या यही सच्चा प्यार होता है? क्या ये सच में होता है? क्या कोई किसी से इतना प्यार कर सकता है कि उसके लिए पैसे खर्च करे और उसे स्पेशल महसूस कराए? ऐसा प्यार कहां मिलता है? और वो इंसान कौन है? शादियां टूटते और लोगों को धोखा देते देखकर मेरा भरोसा हिल गया है। लगता है मुझे हकीकत की थोड़ी सी झलक चाहिए।

गौरतलब है कि कश्मीरा का यह पोस्ट उनके पति कृष्णा अभिषेक के सुपरस्टार मामा गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे पब्लिक झगड़े के बीच आया है।

बता दें कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता अहूजा अपने रिश्ते के बारे में अलग-अलग और तीखे कमेंट्स कर रही हैं। साथ ही, पब्लिक में अभिनेता के छवि खराब कर रहा हैं।

सुनीता अहूजा ने पॉडकास्ट में शादी में बेवफाई को लेकर खुलकर बातें की, जिसमें दावा किया गया है कि गोविंदा के अफेयर्स रहे हैं। कुछ दिन पहले, सुनीता अहूजा ने पैपराजी से बात करते हुए गोविंदा को अपनी नई हीरोइन का 'शुगर डैडी' कहा था, जिसके साथ, सुनीता अहूजा के मुताबिक, उसका अफेयर चल रहा है।

सुनीता अहूजा के चौंकाने वाले दावों ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। इस पर, गोविंदा ने कुछ समय पहले रिएक्ट भी किया था। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा था कि सुनीता अहूजा उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं।

उन्होंने उनसे मुख्य रूप से गालीगलौज बंद करने और अपनी गालियों पर थोड़ा कंट्रोल रखने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए कि उनके साथ एक बहुत छोटी एक्ट्रेस थी, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका अफेयर चल रहा है और यह भी कहा कि बॉलीवुड के इतिहास में कई बड़े स्टार्स ने अपने से बहुत कम उम्र की एक्ट्रेस के साथ काम किया है।

40 की उम्र के लोगों की कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स है : प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी प्रियंका चोपड़ा ने 40 की उम्र पार कर ली है। अभिनेत्री ने अपनी उम्र से जुड़े पड़ावों को मजेदार अंदाज में समझाते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 40 के बाद भी लाइफ फुल ऑन मस्ती और वाइब्स से भरी होती है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि 40 की उम्र के लोग कुछ जवां , तो कुछ की मांसपेशियां खींच जाती हैं। कोई इस उम्र में दादी बन जाता है, कोई नया बच्चा पैदा करता है, कोई 20 साल की शादी की सालगिरह मनाता है और कोई यंग लड़के-लड़की को डेट करता है। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा द्वारा शेयर किए गए नोट में लिखा, 40 की उम्र में आना बहुत अजीब है, एक दोस्त दादी बन गई है, एक का अभी-अभी बच्चा हुआ है, एक अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रही है और एक 25 साल के लड़के को डेट कर रही है। हममें से आधे लोग 28 के लगते हैं और आधे लोग सोते-सोते ही मांसपेशी खींच लेते हैं। कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स हैं।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की बात करें, तो वे निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म भारतीय के जरिए वे भारतीय सिनेमा में वापसी भी कर रही हैं। एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी में अभिनेत्री 'मंदाकिनी' नाम की एक मुख्य भूमिका निभा रही हैं और उनके साथ सुपरस्टार महेश बाबू भी मुख्य किरदार (रुद्र) में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में कुंभा नाम के व्यक्ति का अहम रोल निभाते नजर आएंगे।

यह एक समय यात्रा (टाइम-ट्रैवल) और ग्लोबल एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसकी कहानी वाराणसी शहर और एक आसन्न संकट के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलमान खान के बड़े फैन निकले ओरी बिस्तर के पास रखता हूं अभिनेता की तस्वीर

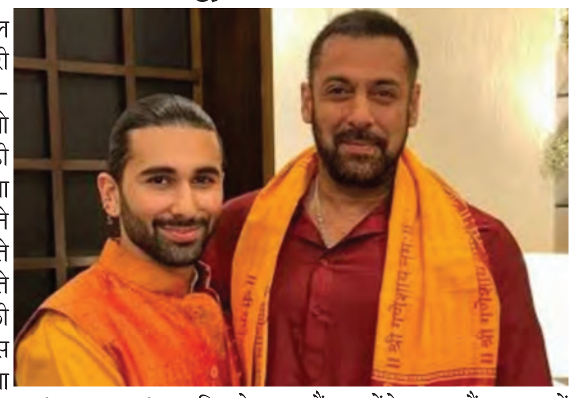

मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों लोकप्रिय स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' में नजर आ रहे हैं। शो में ओरी ने मजेदार खुलासा करते हुए बताया कि वे सोते समय सलमान खान की तस्वीर बिस्तर के पास रखते हैं। ओरी का कहना है कि सलमान खान ने उनके करियर के शुरुआती दिनों में मदद की थी। शो के दौरान रोहित शेट्टी ने ओरी से पूछा, ₹मैंने सुना है कि तुम्हें पेंसिल से डर लगता है। डर को लेकर ओरी ने कहा, हां, मुझे डर है कि अगर मैं पेंसिल से लिख रहा हूं और लिखते समय छींक आ गई, तो पेंसिल मेरी नाक में घुस जाएगी, दिमाग तक पहुंच जाएगी और मैं मर जाऊंगा।

ओरी का ये डर सुनकर शो में मौजूद सभी कंटेस्टेंट हंसने लगे। हालांकि, इसके बाद बातचीत एक अलग मोड़ पर चली गई। एक कंटेस्टेंट ने ओरी की पोल खोलते हुए कहा, सर, वह झूठ बोल रहा है। वह अपने बिस्तर के पास सबसे बड़े स्टार, सलमान खान की तस्वीर रखता है। वह पेंसिल से कैसे डर सकता है? इसे लेकर ओरी ने खुलासा करते हुए बताया कि सलमान खान उनके लिए कितने खास हैं। उन्होंने कहा, मैं हर घर में और हर सफर में सलमान खान की फोटो अपने बिस्तर के पास रखता हूं और अगर मेरे आसपास तस्वीर नहीं है, तो मैं सोने से पहले उस चश्मे को लगाता हूं, जिसमें सलमान की तस्वीर दिखे, ताकि मैं उन्हें देख सकूं। रोहित शेट्टी समेत शो के सभी कंटेस्टेंट को इसके पीछे की वजह जानने की उत्सुकता हुई। रोहित शेट्टी ने इसके पीछे की वजह पूछी, तो ओरी ने कहा, उन्होंने मुझे मेरा पहला हिट ब्रेक दिया था, इसलिए मैं यही फोटो हर जगह साथ लेकर जाता हूं।

ओरी के इस बयान से पता चलता है कि न सिर्फ वे सलमान के बड़े फैन हैं बल्कि उनकी फोटो को अपने लिए एक लकी चार्म भी मानते हैं। फिलहाल शो में ओरी मुश्किल स्टंट कर रहे हैं और अपनी एक ऐसी साइड दिखा रहे है जिसकी फैंस को उम्मीद नहीं थी।

एयर होस्टेस से एक्टिंग का सफर, आज बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल

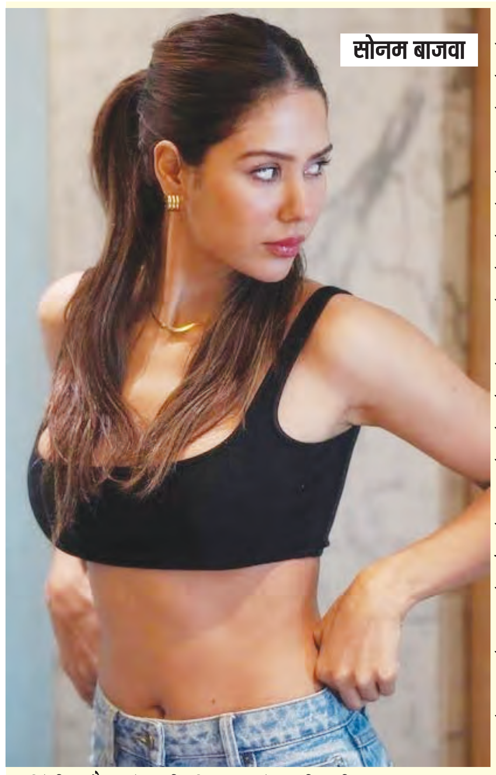
सोनम बाजवा

हिंदी और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक सोनम बाजवा आज के समय में एक ऐसा नाम हैं, जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ बेहतरीन एक्टिंग और लाजवाब डांस मूव्स के जरिए लाखों फैंस के दिलों पर राज करती हैं। सोनम बाजवा एक प्रसिद्ध अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो मुख्य रूप से पंजाबी और हिंदी फिल्मों में काम करती हैं। उनका पूरा नाम सोनम प्रीत कौर बाजवा है, जिनका जन्म 16 अगस्त 1989 को रुद्रपुर, उत्तराखंड में हुआ था। उन्होंने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत वर्ष 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से की। सोनम ने अपनी शुरुआती पढ़ाई-लिखाई रुद्रपुर के जेसी पब्लिक स्कूल से पूरी की। इसके बाद वह दिल्ली आ गईं और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। सोनम को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए वह मुंबई चली गईं और वर्ष 2012 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में बतौर प्रतिभागी भाग लिया।

सोनम ने अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले कुछ समय के लिए एयर होस्टेस के रूप में भी काम किया, लेकिन उसे छोड़ उन्होंने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने के बाद 'पंजाब 1984', 'सरदार जी 2', 'निक्का जैलदार', 'मंजे बिस्तरे', 'गुड्डियां पटोले' और 'कैरी ऑन जट्टा' जैसी कई सफल फिल्मों में काम किया।

अभिनेत्री की हिंदी फिल्म इंडस्ट्री जर्नी की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में कैमियो और कुछ खास प्रोजेक्ट्स के जरिए कदम रखा। इसके अलावा उन्होंने 'बाला' और 'स्ट्रीट डांसर 3डी' में भी विशेष भूमिकाएं निभाईं। फिर अभिनेत्री के करियर में एक ऐसा दौर आया कि उन्होंने इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों के साथ लोकप्रिय फिल्मों में बतौर मुख्य अभिनेत्री काम किया, जिनमें 'हाउसफुल 5' और 'बॉर्डर 2' मूवी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त अभिनेत्री को पंजाबी फिल्म 'अर्दब मुटियारा' में बेहतरीन अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी मिला है। वहीं, सोनम बाजवा आज के समय में बॉलीवुड की उभरती हुई शीर्ष अभिनेत्रियों में एक हैं।

'सिनेमा सिर्फ निर्माता का नहीं होता', 'केजीएफ' के निर्माता के बयान का यश ने दिया जवाब

यश अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। वह इसके प्रमोशन में बिजी हैं। हाल ही में कन्नड़ स्टार ने निर्माता अल्लू अरविंद की उस टिप्पणी का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने 'केजीएफ' की सफलता से पहले यश की लोकप्रियता पर सवाल उठाया था। 'केजीएफ' की सफलता ने ही यश को पूरे भारत में एक मशहूर कर दिया।

क्या बोले थे निर्माता?

शो आप की अदालत में यश से उस बयान के बारे में पूछा गया जो निर्माता अल्लू अरविंद ने दिया था। अल्लू अरविंद ने कहा था 'केजीएफ से पहले यश कौन थे? एक निर्माता फिल्म बनाता है और अभिनेता उसमें काम करके फायदा उठाता है।'

क्या बोले यश?

इस बयान पर यश ने कहा 'यह सच है। मगर मेरा यह भी मानना है कि सिनेमा सिर्फ निर्माता का नहीं होता। सिनेमा में बहुत से लोग काम करते हैं, लेकिन क्रेडिट सिर्फ एक्टर को मिलता है। चाहे वह कैरेक्टर आर्टिस्ट हो या लेखक, सिनेमा में हर कोई कड़ी मेहनत करता है, लेकिन अगर एक्टर उसे संभाल नहीं पाता, तो फिल्म नहीं चलेगी।'

यश ने की दर्शकों की तारीफ

'केजीएफ' स्टार ने आगे कहा 'मुझे लगता है कि दर्शक सही होते हैं, कभी-कभी मैं सोचता हूं कि सारा प्यार एक्टर को ही क्यों मिलता है। फिर मुझे एहसास हुआ कि (काम के) दबाव के बावजूद, जब कोई एक्टर फिल्म के जरिए लोगों से जुड़ पाता है और अपनी भावनाएं पहुंचा पाता है, तो वही चीज काम कर जाती है। मेरा सच में मानना है कि दर्शक कभी गलत नहीं होते।'

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

यश जल्द ही एक और बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए तैयारी कर रहे हैं। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत भी नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होगी।

इंडस्ट्री में मैं जनता को खुश करने के लिए आई हूं न कि किसी एक्टर को : काजल राघवानी

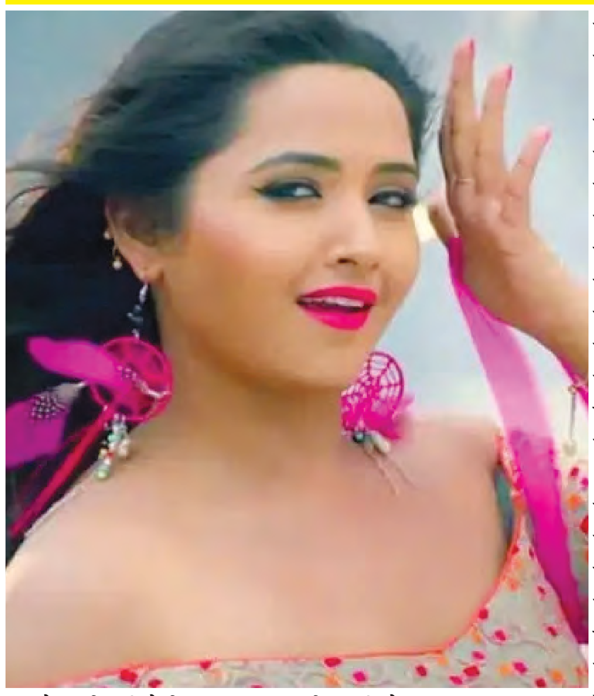

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' और अपने सोशल मीडिया बयानों के कारण चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें झूठा साबित करने पर तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के 3 लोग उनका काम, टैग और हक छीनने में तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, सत्य हमेशा सत्य होता है और सत्य को झूठे लोग कुछ समय तक दबा जरूर सकते हैं, लेकिन सत्य को झूठ में परिवर्तित नहीं कर सकते हैं। मैंने जो कहा है सच कहा है और वो सब जानते हैं और जो अपने स्टारडम के दम पर इसे झुठलाना चाहते हैं, मुझे झूठा साबित करने पे तुले हुए हैं 3 लोग मिलके तो सोचिए मेरी बात कितनी सच्ची होगी जिसे आप सब को मिलके झूठा साबित करने के लिए इस लेवल तक जाना पड़ रहा है।

अभिनेत्री ने अपना नोट शेयर करते हुए लिखा, बाप रे ये तो सब में बेस्ट है। लोगो में छीनने की आदत पड़ी है। चाहे काम हो, किसी का हक या फिर, किसी का टैग। अभिनेत्री का कहना है कि वे अपने काम से जनता को अपनाने आई हैं, न की किसी एक्टर को। उन्होंने लिखा, इस इंडस्ट्री में मैं किसी एक्टर को खुश करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि जनता का दिल जीतने के लिए आई हूं और वे ये सब देख ही रहे हैं।

अभिनेत्री दिनेश लाल यादव निरहुआ के द्वारा दिए बयान पर पलटवार करते हुए लिखा, एक कहते हैं कि पत्नी से प्यार नहीं है। जाहिर है क्योंकि उनकी पत्नी के साथ एक वीडियो वायरल हो गया था, तो सफाई भी देनी बनती है। एक प्रचार के लिए पत्नी को अपनाए और फिर छोड़ दिया। आज शो में कह रहे की एक लड़की भाव नहीं दे रही थी तो चार दिन बात नहीं की और फिर आई लव यू बुलवाया। फिर, जय श्री राम। वाह रे सरस्वती पुत्र की जय हो।

गौरतलब है कि अभिनेत्री का यह पोस्ट तब आया, जब भोजपुरी बवाल के हालिया एपिसोड में पवन सिंह, आम्रपाली और दिनेश लाल यादव निरहुला ने काजल राघवानी को घेरा था। हालांकि, शो में काजल राघवानी मौजूद नहीं थी।

काजल राघवानी का यह बवाल रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' पहले एपिसोड से ही देखने को मिला था, जिसमें अभिनेत्री ने अपने पुराने रिश्तों, शारीरिक शोषण, और इंडस्ट्री के अन्य कलाकारों (जैसे पवन सिंह, निरहुआ और आम्रपाली दुबे) पर कई गंभीर खुलासे किए थे, जिसके बाद भोजपुरी सिनेमा में भारी विवाद छिड़ गया है।

मुकेश खन्ना ने किया 'वंदे मातरम' का समर्थन, 'जन गण मन' पर आपत्ति जताते हुए खुद कर गए गलती

अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर 'शक्तिमान' फेम अभिनेता मुकेश खन्ना एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा कि 'जन गण मन' को हमें

राष्ट्रगान नहीं मानना चाहिए। इसके बजाया हमें 'वंदे मातरम' को बढ़ावा देना चाहिए। हालांकि, अपने बयान में खन्ना एक गलती कर गए। जानिए क्या है वह?

क्या बोले मुकेश खन्ना?

मुकेश खन्ना ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'मैं तीन साल पहले ये बात बोल चुका हूं कि ''वंदे मातरम'को राष्ट्रगीत बनाया जाए। ये 'जन गण मन' हमारा नहीं है। ये क्वीन एलिजाबेथ के जमाने में उनके मान में रवींद्रनाथ टैगोर ने स्तुति गान लिखा था। उसको हमने अपना मान लिया। 'भाग्य विधाता पंजाब सिंह',अरे ये हमारा नहीं है। हमारा है 'वंदे मातरम', जिसे लता जी ने गाया है।'

कहां चूके मुकेश खन्ना?

अपने इस बयान में मुकेश खन्ना ने दो गलतियां कीं। दोनों यहां समझिए...

पहली गलती यह कि अभिनेता ने कहा कि वो तीन साल पहले बोल चुके हैं कि 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगीत बनाया जाए, पर वंदे मातरम तो पहले से ही राष्ट्रगीत है।

दूसरी गलती मुकेश खन्ना ने तब की जब उन्होंने जन गण मन की कुछ पक्तियां बोलकर सुनाईं। उन्होंने कहा- 'भाग्य विधाता पंजाब सिंह'।

खुद भी रिकॉर्ड किया है 'वंदे मातरम'

बातची में मुकेश खन्ना ने आगे बताया कि उन्होंने खुद भी 'वंदे मातरम' गाना रिकॉर्ड किया है। इसे वह 6 महीने के अंदर रिलीज करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने धृष्टता की थी कल्याणजी-आनंद जी भाई के साथ। दो साल हो गए वो गाना पड़ा है मेरे पास। मैंने 7 मिनट का 'वंदे मातरम' गाना रिकॉर्ड किया है, जो आइकॉनिक बन जाएगा। मैं चाहता हूं कि जितनी जल्दी हो सके 'जन गण मन' को हटाओ और 'वंदे मातरम' को लाओ।'

अपनी बातचीत में आगे एक्टर ने पीएम मोदी की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें खुशी है कि वंदे मातरम उठ रहा है।

'मेरे विवाद की वजह से पापा की नौकरी गई' रिया चक्रवर्ती का बड़ा खुलासा

रिया ने बताया कि सुशांत सिंह केस के समय सिर्फ उन्हें ही नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनके विवाद की वजह से उनके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती को भी नौकरी से हाथ धोना पड़ा था।

सरनेम पता चलते ही नौकरी देने से किया इनकार

रिया इन दिनों शो 'ट्रेटर्स 2' में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस हाल ही में फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में पहुंचीं, जहां दोनों ने रिया की जिंदगी के 'चैप्टर 2' को लेकर बातचीत की। इस दौरान रिया ने बताया कि सुशांत की मौत और उसके बाद हुई जांच और गिरफ्तारी के बीच उनके परिवार को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

रिया ने अपने पिता की नौकरी से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए कहा, 'पापा को शहर के एक बहुत बड़े अस्पताल में मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की बहुत बड़ी नौकरी मिली थी। फिर उन्हें मेरा सरनेम पता चला और उन्होंने कहा, 'सॉरी, आप रिया चक्रवर्ती के पिता हैं, तो आप यहां काम नहीं कर सकते।' रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर हैं और मेडिकल कॉर्प्स में एडमिनिस्ट्रेटर और डॉक्टर के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

सुशांत की मौत के बाद बदली रिया की जिंदगी

2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया को काफी मीडिया ट्रायल और सोशल बॉयकॉट का सामना करना पड़ा था।

उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

बाद में CBI की क्लोजर रिपोर्ट से रिया को बड़ी राहत मिली।

रिपोर्ट में उन्हें सुशांत की मौत से जुड़े मामले में किसी आरोप के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया।

बार-बार प्यास लगने को न करें नजरअंदाज इन बीमारियों का हो सकता है इशारा

गर्मी, ज्यादा पसीना आने या अधिक नमकीन खाना खाने के बाद प्यास लगना सामान्य बात है। लेकिन अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार तेज प्यास लगती है और पानी पीने के बाद भी संतुष्टि नहीं मिलती, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार ज्यादा प्यास लगना शरीर में कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है।

कई बार इसके साथ बार-बार पेशाब आना, मुंह सूखना, थकान, कमजोरी या वजन में बदलाव जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। हालांकि केवल प्यास के आधार पर किसी बीमारी का पता नहीं लगाया जा सकता। अगर यह समस्या लगातार बनी हुई है, तो डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी जांच कराना बेहतर है। यहां हम कुछ ऐसी दिक्कतों के बारे में आपको जानकारी देंगे, जिसमें प्यास लगती है।

बार-बार प्यास लगने के कारण

1. डिहाइड्रेशन

शरीर में पानी की कमी होने पर प्यास बढ़ना सबसे सामान्य कारणों में से एक है। गर्म मौसम, ज्यादा व्यायाम, अधिक पसीना, उल्टी या दस्त के कारण शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। ऐसी स्थिति में प्यास के साथ कमजोरी, चक्कर या मुंह सूखने की समस्या भी हो सकती है।

2. डायबिटीज

बार-बार प्यास लगना डायबिटीज के सामान्य लक्षणों में शामिल हो सकता है। जब ब्लड शुगर बढ़ जाता है, तो किडनी अतिरिक्त ग्लूकोज को पेशाब के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करती है। इससे पेशाब ज्यादा आ सकता है और शरीर में पानी की कमी होने पर प्यास बढ़ सकती है। अगर प्यास के साथ बार-बार पेशाब आना, थकान या बिना कोशिश के वजन कम होना भी हो, तो डॉक्टर से जांच की सलाह लेना जरूरी है।

3. ज्यादा नमक का सेवन

डाइट में बहुत अधिक नमक लेने से भी प्यास बढ़ सकती है। सोडियम शरीर के तरल संतुलन को प्रभावित करता है और ज्यादा नमकीन भोजन के बाद सामान्य से अधिक पानी पीने की इच्छा हो सकती है।

4. मुंह का सूखना

कभी-कभी वास्तव में शरीर में पानी की कमी नहीं होती, बल्कि मुंह सूखने की वजह से बार-बार प्यास जैसा महसूस होता है। कुछ दवाएं, मुंह से सांस लेना और अन्य कारण इसके पीछे हो सकते हैं।

5. किडनी से जुड़ी समस्या

किडनी शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किडनी से जुड़ी कुछ समस्याओं में पेशाब के पैटर्न में बदलाव और प्यास बढ़ने जैसी शिकायत हो सकती है। ऐसे लक्षण लगातार रहें तो चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

6. कुछ दवाओं का असर

कुछ दवाओं के कारण मुंह सूख सकता है या पेशाब ज्यादा आ सकता है, जिससे प्यास बढ़ने का अनुभव हो सकता है। यदि किसी नई दवा को शुरू करने के बाद यह समस्या हुई है, तो दवा खुद से बंद करने के बजाय डॉक्टर से बात करें।

नकली पनीर खाने से हो सकती है बड़ी परेशानियां

पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन बाजार में मिलने वाला हर पनीर असली दूध से बना हो, यह जरूरी नहीं। इन दिनों एनालॉग पनीर को लेकर कई राज्यों में सख्ती की जा रही है। एनालॉग पनीर पारंपरिक दूध से बने पनीर के बजाय दूसरे गैर-डेयरी फैट, स्टार्च और अन्य सामग्री से तैयार किया जा सकता है।

FSSAI ने भी साफ किया है कि ऐसे चीज एनालॉग को पनीर के नाम से बेचना नियमों का उल्लंघन है। इसी के चलते हाल में उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर के खिलाफ कार्रवाई और प्रतिबंध की खबरें सामने आई हैं।

ऐसे में यह जानना जरूरी है कि एनालॉग पनीर क्या है, असली पनीर से यह कैसे अलग है और इसे खाने को लेकर चिंता क्यों जताई जा रही है। इस खबर में जानिए एनालॉग पनीर से जुड़े 5 बड़े नुकसान और इससे बचने के तरीके।

पहले जानें कि एनालॉग पनीर क्या होता है?

एनालॉग पनीर ऐसा उत्पाद है जो पारंपरिक पनीर की तरह दिखता और इस्तेमाल होता है, लेकिन इसमें दूध के बजाय वनस्पति फैट, स्टार्च या दूसरे गैर-डेयरी तत्वों का इस्तेमाल किया जा सकता है। समस्या तब बढ़ती है जब इसे ग्राहक को असली पनीर बताकर बेचा जाता है। FSSAI ने इसी तरह की गलत लेबलिंग पर सख्ती की है।

पाचन संबंधी परेशानी

एनालॉग पनीर में दूध की जगह अलग तरह के वसा, स्टार्च और दूसरी सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे उत्पाद हर व्यक्ति के लिए आसानी से पचने वाले हों, यह जरूरी नहीं है। ज्यादा मात्रा में खाने पर कुछ लोगों को पेट भारी लगना, गैस, पेट फूलना, अपच या एसिडिटी जैसी परेशानी हो सकती है। खासकर अगर इसे पहले से ही तले-भुने या मसालेदार खाने के साथ खाया जाए, तो पाचन संबंधी दिक्कत बढ़ सकती है।

ज्यादा वसा और कैलोरी

कई एनालॉग पनीर उत्पादों में वनस्पति वसा का इस्तेमाल किया जाता है। उत्पाद में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उसकी मात्रा के आधार पर इसमें वसा और कैलोरी की मात्रा अलग-अलग हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति इसे नियमित रूप से और ज्यादा मात्रा में खाता है, तो उसकी कुल कैलोरी और वसा की खपत बढ़ सकती है। इसलिए खरीदते समय पैकेट पर पोषण संबंधी जानकारी और सामग्री जरूर देखें।

पोषण की कमी

असली पनीर दूध से तैयार होता है और इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व मिलते हैं। वहीं एनालॉग पनीर का पोषण प्रोफाइल उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री पर निर्भर करता है। इसलिए एनालॉग पनीर को हमेशा असली दूध से बने पनीर के बराबर पोषण वाला उत्पाद नहीं माना जा सकता। अगर कोई व्यक्ति प्रोटीन या कैल्शियम के लिए पनीर को अपनी डाइट में शामिल करता है, तो उसे उत्पाद की पोषण संबंधी जानकारी पर ध्यान देना चाहिए।

दिल की सेहत को लेकर चिंता

कुछ एनालॉग उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली वसा की मात्रा अधिक हो सकती है। अगर किसी व्यक्ति के भोजन में पहले से ही संतृप्त वसा की मात्रा ज्यादा है और वह लंबे समय तक ऐसे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करता है, तो यह उसकी संपूर्ण हृदय-स्वस्थ आहार के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इसलिए एनालॉग पनीर को नियमित भोजन का हिस्सा बनाने से पहले उसमें मौजूद वसा की मात्रा और खाने की मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है।

खाद्य सुरक्षा का जोखिम

एनालॉग पनीर से जुड़ी बड़ी चिंता तब पैदा होती है, जब इसकी सही जानकारी ग्राहक को नहीं दी जाती या उत्पाद खाद्य सुरक्षा मानकों के मुताबिक तैयार और सुरक्षित तरीके से संग्रहित नहीं किया जाता। गलत तरीके से रखे गए किसी भी खाद्य पदार्थ में दूषित होने का खतरा हो सकता है।

इसलिए बिना लेबल, संदिग्ध गुणवत्ता या अनजान स्रोत से मिलने वाले पनीर को खरीदने से बचें। पैकेट वाला उत्पाद लेते समय सामग्री, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि और एफएसएसएआई से जुड़ी जानकारी जरूर जांचें।

बोतल से दूध पिलाना बच्चे के दिमाग पर डालता है असर? संक्रमण से लेकर माइक्रोप्लास्टिक का भी खतरा

बचपन का पोषण जीवन का आधार होता है। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने और करीब छह महीने तक सिर्फ मां का दूध देने की सलाह देते हैं। छह महीने के बाद बच्चे को उचित ठोस आहार शुरू करके स्तनपान दो साल या उससे अधिक समय तक जारी रखा जा सकता है।

मां का दूध बच्चे के लिए इतना खास क्यों है?

मां के दूध को शिशु के शुरुआती महीनों के लिए सबसे जरूरी और आदर्श आहार माना जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार इससे बच्चे के लिए जरूरी पानी, ऊर्जा और पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। मां के दूध में एंटीबॉडी भी मौजूद होते हैं, जो बचपन की बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। मां के दूध का एक बड़ा फायदा संक्रमणों से जुड़ा है। स्तनपान करने वाले बच्चों में पेट और आंतों के संक्रमण का जोखिम कम होता है। 6 महीने तक मां के दूध के साथ बच्चे को पानी की भी जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इससे पानी की पूर्ति भी आसानी हो जाती है।

बोलत से दूध का दिमागी सेहत पर असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं अगर आप अपने नवजात बच्चे को बोतल से दूध पिला रहे हैं तो सावधान हो जाइए इससे वह आपको पहचानने में देर कर सकता है। अध्ययन में पता चला है कि बोतल से दूध पीने वाले बच्चों का आईक्यू अपेक्षाकृत कम हो सकता है। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में 100 शिशुओं पर किए गए अध्ययन में पता चला कि ऐसे बच्चे जल्दी-जल्दी बीमार भी पड़ते हैं और उनकी बौद्धिक क्षमता पर भी असर हो सकता है।

बोतल के इस्तेमाल से संक्रमण का खतरा

शोध के मुताबिक यदि छह माह के बच्चे को स्तनपान के साथ बोतल से दूध पिलाया जाता है तो बच्चा 'निप्पल कंफ्यूजन' का शिकार होता है। इससे बच्चा भूखा रह जाता है और थोड़ी-थोड़ी देर में भूख लगने पर रोता है। फिर चिड़चिड़ा हो जाता है।

माइक्रोप्लास्टिक का खतरा

एक अन्य अध्ययन में स्वीडन स्थित कार्लस्टेड यूनिवर्सिटी में पब्लिक हेल्थ साइंसेज के प्रोफेसर कार्ल गुस्ताफ बोर्नहैग कहते हैं, प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल शिशु की सेहत के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। इससे न सिर्फ शरीर में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा बढ़ने की आशंका रहती है, बल्कि इससे क्रॉनिक बीमारियों का भी खतरा हो सकता है। चाहे आप प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए गर्म पानी में डालते हैं या धूप रखते हैं, बढ़े हुए तापमान के कारण प्लास्टिक में मौजूद रसायन अंदर के पेय पदार्थ को दूषित कर सकते हैं।

जब प्लास्टिक की बोतल गर्मी के संपर्क में आती है, तो रसायन कमरे के तापमान या ठंडे पानी की तुलना में आपके पानी में तेजी से घुल सकते हैं।

घंटों मोबाइल-लैपटॉप चलाते हैं? सिरदर्द के साथ इन दिक्कतों का भी बढ़ सकता है खतरा

लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर की स्क्रीन देखना आज की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। ऑफिस का काम हो, पढ़ाई हो या सोशल मीडिया, घंटों स्क्रीन के सामने बिताना आम हो गया है। ऐसे में कई लोगों को दिन खत्म होते-होते सिरदर्द, आंखों में थकान या बेचैनी महसूस होने लगती है। लेकिन क्या हर बार इसके लिए सिर्फ स्क्रीन जिम्मेदार है? इस खबर में इसी सवाल का जवाब जानेंगे।

स्क्रीन टाइम और सिरदर्द का कनेक्शन क्या है?

सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि आखिर इन दोनों के बीच का कनेक्शन क्या है। दरअसल, डॉक्टर नेहा के मुताबिक, लंबे समय तक बिना ब्रेक स्क्रीन देखने से डिजिटल आई स्ट्रेन हो सकता है। स्क्रीन पर लगातार फोकस करने के दौरान पलकें कम झपकती हैं, जिससे आंखों में सूखापन और थकान बढ़ सकती है। स्क्रीन की चमक और ग्लेयर भी परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गर्दन का तनाव भी बन सकता है वजह

मोबाइल को लगातार नीचे करके देखने या लैपटॉप पर झुककर बैठने से गर्दन और कंधों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ सकता है। यह तनाव कुछ लोगों में सिरदर्द को बढ़ा सकता है।

माइग्रेन वालों को ज्यादा सावधानी

जिन लोगों को पहले से माइग्रेन की समस्या है, उनके लिए अत्यधिक स्क्रीन एक्सपोजर संभावित ट्रिगर हो सकता है। इसके साथ खराब नींद, तनाव, पानी की कमी और समय पर खाना न खाना भी माइग्रेन को प्रभावित कर सकता है।

देर रात फोन चलाने से बिगड़ सकती है नींद

सोने से पहले फोन पर वीडियो देखना या सोशल मीडिया स्क्रॉल करना आसानी से नींद का समय कम कर देता है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और 'ब्रेन फॉग' जैसी परेशानी महसूस हो सकती है।

क्या स्क्रीन इस्तेमाल करने से याददाश्त कमजोर होती है?

सामान्य स्क्रीन इस्तेमाल को सीधे तौर पर मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाने से जोड़ना सही नहीं है। हालांकि लगातार नोटिफिकेशन, बार-बार काम बदलना, देर रात तक स्क्रीन देखना और नींद की कमी मानसिक थकान बढ़ा सकती है। कई बार याददाश्त कमजोर लगने की वजह वास्तव में एकाग्रता में कमी और थका हुआ दिमाग हो सकता है।

बचाव के लिए अपनाएं ये आदतें

स्क्रीन से समय-समय पर नजर हटाएं, छोटे ब्रेक लें, पर्याप्त पानी पिएं और समय पर भोजन करें। वर्कस्टेशन को इस तरह रखें कि लगातार गर्दन झुकाकर स्क्रीन न देखनी पड़े। अगर बिस्तर पर लेटकर स्क्रॉल करना रोज की आदत बन गई है, तो सोने से पहले कुछ समय स्क्रीन-फ्री रखने की कोशिश करें।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर सिरदर्द पहली बार हुआ है, सामान्य से बहुत तेज है, लगातार बढ़ रहा है या इसके साथ कमजोरी, सुन्नपन, भ्रम, दौरे, बेहोशी, बोलने में परेशानी या देखने में महत्वपूर्ण बदलाव जैसे लक्षण हैं, तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। बाकी मामलों में शायद सवाल सिर्फ यह नहीं होना चाहिए कि "कितने घंटे का स्क्रीन टाइम बहुत ज्यादा है?" अगर ये ज्यादा बढ़ रहा है, तो स्क्रीन टाइम को कम करने का प्रयास करें।

दिमाग को भी बीमार कर सकता है आपका गलत खान-पान तनाव-डिप्रेशन से बचने के लिए कैसी रखें डाइट?

मानसिक सेहत का ध्यान रखना उतना ही जरूरी है जितना शरीर को स्वस्थ रखना। अगर तनाव और चिंता जैसी समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए, तो आगे चलकर यह अवसाद और दूसरी मानसिक परेशानियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। हमारी मानसिक सेहत पर हमारी रोजमर्रा की आदतों का भी असर पड़ता है और इनमें खानपान की अहम भूमिका है।

जब हम तनाव में होते हैं या किसी बात को लेकर परेशान रहते हैं, तो अक्सर नमकीन, मीठी या जंक फूड जैसी चीजें खाने का मन करने लगता है। उस समय ये चीजें थोड़ी देर के लिए अच्छा महसूस करा सकती हैं, लेकिन अगर इनका सेवन बार-बार और ज्यादा मात्रा में किया जाए तो सेहत पर उल्टा असर पड़ सकता है। कुछ अध्ययनों में खराब खानपान और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बीच संबंध भी देखा गया है।

आहार विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए खाने की प्लेट में पौष्टिक चीजों को जगह देना जरूरी है। फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, मेवे शरीर के साथ दिमाग के लिए भी फायदेमंद होती हैं। वहीं बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड, कैफीन और शराब का सेवन तनाव और नींद से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा सकती है।

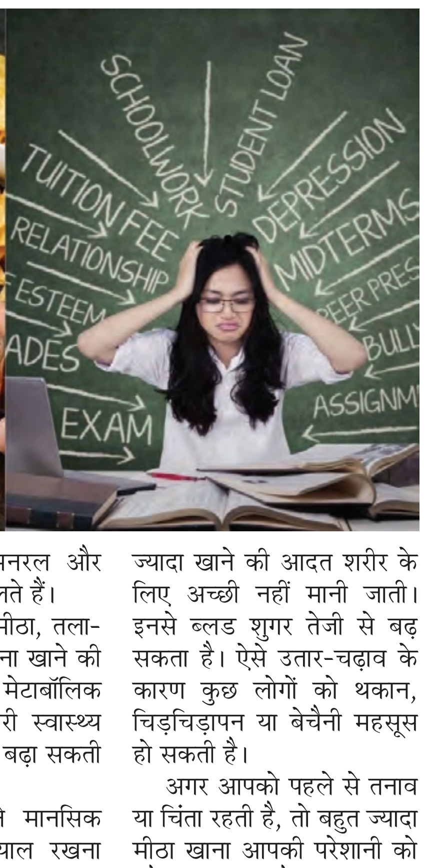

खानपान का मानसिक सेहत पर पड़ता है असर

हम क्या खाते हैं, इसका असर सिर्फ वजन, ब्लड शुगर या दिल की सेहत पर ही नहीं पड़ता, बल्कि मूड और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। संतुलित और पौष्टिक आहार शरीर को जरूरी पोषक तत्व देता है, जो दिमाग के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी होते हैं।

फल-सब्जियां, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा से भरपूर खाना नियमित रूप से लेने से शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और दूसरे पोषक तत्व मिलते हैं।

वहीं बहुत ज्यादा मीठा, तला-भुना और पैकेज्ड खाना खाने की आदत वजन बढ़ने, मेटाबॉलिक समस्याओं और दूसरी स्वास्थ्य परेशानियों का खतरा बढ़ा सकती है।

अगर आप अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना चाहते हैं, तो खाने में सुधार करना जरूरी हो जाता है।

बहुत ज्यादा मीठा और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट कम से कम खाएं

मीठी चीजें, मिठाई, बिस्किट और रिफाइंड आटे से बनी चीजें ज्यादा खाने की आदत शरीर के लिए अच्छी नहीं मानी जाती। इनसे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे उतार-चढ़ाव के कारण कुछ लोगों को थकान, चिड़चिड़ापन या बेचैनी महसूस हो सकती है।

अगर आपको पहले से तनाव या चिंता रहती है, तो बहुत ज्यादा मीठा खाना आपकी परेशानी को और बढ़ा सकता है। इसलिए मीठा पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं, लेकिन इसकी मात्रा पर नजर रखना जरूरी है।

ज्यादा कैफीन से रहें सावधान

चाय और कॉफी ज्यादातर लोगों की रोज की जिंदगी का हिस्सा हैं। सीमित मात्रा में कैफीन लेना आमतौर पर समस्या नहीं माना जाता, लेकिन बहुत ज्यादा चाय, कॉफी या दूसरे कैफीन वाले पेय लेने से बेचैनी, घबराहट और नींद खराब होने जैसी दिक्कत हो सकती है।

शाम या रात में ज्यादा कैफीन लेने से नींद प्रभावित हो सकती है। जब नींद पूरी नहीं होती, तो अगले दिन थकान, चिड़चिड़ापन और तनाव ज्यादा महसूस हो सकता है।

इसलिए अगर आपको पहले से चिंता या नींद की परेशानी है, तो कैफीन की मात्रा कम रखें।

शराब से दूरी बनाना बेहतर

शराब पीने के बाद कुछ लोगों को थोड़ी देर के लिए तनाव कम महसूस हो सकता है, लेकिन ये तनाव और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समय रहते पता चलने में बाधा बन सकती है। नियमित या ज्यादा शराब पीने से नींद खराब होती है और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

लंबे समय तक ज्यादा शराब का सेवन याददाश्त, ध्यान और सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।इसलिए तनाव या चिंता से राहत पाने के

लो ब्लड प्रेशर में क्या खाएं और क्या न खाएं?

प्रश्न : खांसी जुकाम के कारण गला बैठ गया है। बोलने में तकलीफ होती है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- आनंद राव, विजयवाड़ा

उत्तर : सर्दी - जुकाम को आयुर्वेद में 'प्रतिश्याय' के नाम से जाना जाता है। प्रतिश्याय के चलते संक्रमण स्वरयंत्र तक पहुंच जाता है । और स्वरयंत्र के प्रभावित होने के कारण गला बैठ जाता है। आवाज बदल जाती है। ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से राहत मिलती है। खदिरादि वटी के चूसने से स्वर ठीक होने लगता है। इसमें ऊंझा लवंगादि वटी या यष्टिमधु घनवटी के चूसने से भी आराम मिलता है। ऊंझा कंठ सुधार वटी गले के बैठने की स्थिति में उपयोगी है। इसमें यष्टिमधु मिला रहने से यह कफ को भी आसानी से निकाल देता है। मुलैठी के टुकड़े या मुलैठी घन को चूसने से भी राहत मिलती है। हल्का ज्वर रहने की स्थिति में ऊंझा संशमनी वटी, कफकुठार रस और चौंसठ प्रहरी पिपर लेने से लाभ होता है।

गला बैठने की स्थिति में किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई, नमकीन, तले पदार्थ, ठंडे पेय, आइसक्रीम, कुल्फी व फ्रिज में रखे पदार्थ ना खाएं। दही व बासी भोजन से परहेज करें। हर भोजन के बाद कुल्ली अवश्य करें। सीधा-साधा, गर्म, ताजा, सुपाच्य भोजन ही करें। ज्यादा बोलने और जोर से बोलने से भी बचें। ऐसा करने से अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : लो ब्लड प्रेशर में क्या खाएं और क्या न खाएं? कृपया कर बताएं!

- देवेंद्र, सिकंदराबाद

उत्तर : लो ब्लड प्रेशर यानि निम्न रक्तचाप में अधिक फल सब्जियों और पौष्टिक भोजन पदार्थों का सेवन करें ।

*भोजन के साथ मूली, गाजर, खीरा ककड़ी आदि का सलाद बनाकर सेवन करें ।

*प्रतिदिन हरी सब्जियों का सूप बनाकर पीवें।

* अंकुरित अनाज और दालों का सेवन करें।

* प्रतिदिन खजूर, आंवले, सेव, गाजर का मुरब्बा लें।

* भोजन से पहले रोजाना 300 ग्राम टमाटर काटकर उसमें सेंधा नमक मिलाकर लेवें।

* भोजन से पूर्व अदरक और नमक लिया जा सकता है।

* अनार, संतरा, अंगूर, सेव, गाजर, चुकंदर, अन्नानास फल अवश्य लें।

* दूध में दूध छुहारे देर तक उबालकर सेवन करें।

* रात को जल में बादाम भिगोकर फिर सुबह पीसकर दूध में मिलाकर पिएं।

* गाजर के 200 ग्राम रस में 30 ग्राम पालक का रस या आंवले के 25 ग्राम रस में 10 ग्राम शहद मिलाकर सेवन करें।

निम्न रक्तचाप में पचने में भारी, घी - तेल से बने पदार्थ, गर्म मिर्च मसालों और खट्टे, चटपटे खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करें। कठोर मेहनत से बचें। सीढ़ियों पर चढ़ने व धूप में अधिक चलने फिरने से बचें । कम - कम मात्रा में दिन में कई बार भोजन लें। एक साथ अधिक मात्रा में भोजन न करें। अच्छा और पौष्टिक भोजन रोगी का सर्वोत्तम उपचार है।

निम्न रक्तचाप में आमलकी रसायन का सेवन किया जा सकता है। रसायन चूर्ण टेबलेट, ऊंझा ताप्यादि लोह टेबलेट, ऊंझा पंचासव, ऊंझा द्राक्षासव 20 मिलीलीटर मात्रा में आधा कप गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद सेवन किया जा सकता है। निम्न रक्तचाप में यह प्रयोग काफी गुणकारी है।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मदन मोहन शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

भारत में अमीरों की संख्या बढ़ी

100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाता 576 हुए

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में उच्च आय वर्ग के करदाताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2026 में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 39 फीसदी बढ़कर 576 हो गई है। एक वर्ष पहले आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 415 थी। यह वृद्धि देश में बढ़ती आय, व्यावसायिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि केवल अति-उच्च आय वर्ग ही नहीं, बल्कि 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक आय दिखाने वाले करदाताओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

आकलन वर्ष 2026 में इस श्रेणी के करदाताओं की संख्या बढ़कर 5,35,672 हो गई। आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 4,71,419 थी। यानी इस वर्ग में सालाना आधार पर 14 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ऊपरी आय वर्ग में वृद्धि की रफ्तार व्यापक उच्च आय वर्ग की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव के साथ बढ़ी है। आकलन वर्ष 2022 में इस श्रेणी में केवल 142 करदाता थे। इसके बाद आकलन वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 301 हो गई, जो 112 फीसदी की भारी वृद्धि थी। वहीं, आकलन वर्ष 2024 में इसमें मामूली गिरावट आई और संख्या घटकर 284 रह गई। लेकिन इसके बाद फिर तेजी लौटी और आकलन वर्ष 2025 में यह बढ़कर 415 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2026 में यह संख्या 576 तक पहुंच गई।

क्या एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या भी बढ़ी है?

एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या लगातार स्थिर गति से बढ़ती रही है। आकलन वर्ष 2022 में इस वर्ग में 1,93,800 करदाता थे। यह संख्या आकलन वर्ष 2023 में बढ़कर 2,69,184 हो गई। आकलन वर्ष 2024 में यह 3,49,974 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 4,71,419 थी। आकलन वर्ष 2026 में यह बढ़कर 5,35,672 तक पहुंच गई। रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2022 के मुकाबले अब 1 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या दोगुने से भी अधिक हो चुकी है। वहीं, 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या चार गुना बढ़ गई है।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए क्या अनुमान हैं?

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर आठ फीसदी रहने का अनुमान है। इसके अलावा, ऋण वृद्धि 19.3 फीसदी रहने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की एफसीएनआर(बी) जमा योजना के जरिये विदेशी मुद्रा भंडार में मजबूती आने की उम्मीद है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 707 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ये आंकड़े देश की आर्थिक स्थिति को और मजबूत करने का संकेत देते हैं।

क्या सभी क्षेत्रों में समान आर्थिक वृद्धि दिख रही है?

रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समान मजबूती नहीं दिखाई दे रही है। जून तिमाही के दौरान स्वास्थ्य सेवा, सीमेंट और मनोरंजन जैसे कुछ क्षेत्रों में लाभ पर दबाव देखने को मिला। इससे पता चलता है कि शीर्ष आय वर्ग और कुछ व्यवसायों की मजबूत आय वृद्धि के बावजूद। कॉरपोरेट जगत के सभी हिस्सों में समान प्रदर्शन नहीं हो रहा है। कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को अभी भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह दर्शाता है कि आर्थिक सुधार एक समान नहीं है।

काम आसान करने वाला एआई जेब पर पड़ रहा भारी

एक कर्मचारी पर 7 लाख तक पहुंचा खर्च!

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आज के समय में हर दफ्तर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है. कंपनियों का जोर है कि उनके कर्मचारी अपने रोजमर्रा के काम में किसी न किसी रूप में एआई की मदद जरूर लें. धारणा यह है कि एआई से समय की बचत होती है जिससे कंपनियों का मुनाफा बढ़ता है. लेकिन, जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है. नई रिपोर्ट बताती है कि एआई का इस्तेमाल कंपनियों की जेब पर बहुत भारी पड़ रहा है. हालात ये हैं कि दुनिया की टॉप एक फीसदी कंपनियां अपने हर एक कर्मचारी के एआई टूल्स पर करीब 7 लाख रुपये खर्च कर रही हैं.

हर कर्मचारी पर खर्च हो रहे सात लाख रुपये

रैंप के एआई इंडेक्स की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की शीर्ष एक प्रतिशत कंपनियों का एआई बजट आसमान छू रहा है. पिछले महीने तक ये कंपनियां अपने प्रत्येक कर्मचारी पर औसतन 7,400 डॉलर यानी करीब 7 लाख रुपये खर्च कर रही थीं. सबसे हैरानी की बात यह है कि खर्च में यह उछाल बहुत कम समय में आया है. इसी साल जनवरी में यह खर्च प्रति कर्मचारी 2,590 डॉलर (लगभग 2,47,500 रुपये) था. महज कुछ महीनों में यह आंकड़ा तीन गुने के करीब पहुंच गया है. हालांकि, यह खर्च हर जगह एक जैसा नहीं है. जहां टॉप 1 प्रतिशत कंपनियां भारी-भरकम रकम चुका रही हैं, वहीं टॉप 10 प्रतिशत कंपनियों का खर्च प्रति कर्मचारी करीब 650 डॉलर (62,000 रुपये) है. अगर सभी का औसत निकाला जाए, तो यह मात्र 11.95 डॉलर (करीब 1,140 रुपये) पर आ जाता है. एआई टूल्स की लागत में इस बेतहाशा बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह इनकी बिलिंग का नया तरीका है. ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी बड़ी एआई लैब्स ने अब 'प्रति-टोकन' मॉडल अपना लिया है. आसान भाषा में समझें तो, एआई लैब अब कंपनियों से इस आधार पर पैसे लेती हैं कि उन्होंने कितने टोकन इस्तेमाल किए हैं. कर्मचारी एआई टूल से जितना ज्यादा काम करवाएगा, उतने ही ज्यादा टोकन खर्च होंगे. नतीजतन, बिल भी उतना ही भारी आएगा. इस बढ़ते खर्च की गूंज टेक इंडस्ट्री के दिग्गजों तक पहुंच चुकी है. ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन का कहना है कि यह अब एक तरह का मीम बन गया है, जहां कंपनियां शिकायत करती हैं कि उनका पूरे साल का बजट पहली तिमाही में ही खत्म हो गया. वहीं, एनवीडिया के अधिकारी ब्रायन कटानजारो ने भी अप्रैल में माना था कि उनकी टीम के लिए कंप्यूटर प्रोसेसिंग (कंप्यूट) का खर्च कर्मचारियों की सैलरी से भी ज्यादा हो गया है.

सोना 1,703 बढ़कर 1.54 लाख पर पहुंचा

इस महीने 11 हजार महंगा हो चुका, चांदी आज 2,531 बढ़कर 2.36 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 17 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,703 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,531 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 17 दिन में ही सोना 11 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 6 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.36 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

शेयर बाजार में बिकवाली; सेंसेक्स 281 अंक टूटा

निवेशकों के 79000 करोड़ रुपये स्वाहा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें सत्र में गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। दोनों प्रमुख मानक सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा-जनित दबाव निकट अवधि में बाजार को प्रभावित करता रहेगा।

निफ्टी 50 सूचकांक 78.35 अंक या 0.32 फीसदी गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ, वहीं बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंक या 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 77,728.16 पर समाप्त हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ऊर्जा से प्रेरित इनपुट लागत का दबाव बाजार को प्रभावित कर रहा है। पहली तिमाही (वित्त वर्ष 2027) में उम्मीद से बेहतर आय दर्ज की गई। इससे आने वाली तिमाहियों में आय उन्नयन को समर्थन मिलने की संभावना है। कम लागत वाले स्टॉक के लाभ ने लाभप्रदता में मदद की, पर इसकी स्थिरता निगरानी योग्य है। उच्च लागत वाले पुनर्भरण से दूसरी तिमाही (वित्त वर्ष 2027) में लाभ मार्जिन विस्तार बाधित हो सकता है। एनएसई पर क्षेत्रीय सूचकांकों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। निफ्टी आईटी सूचकांक में 1.84 फीसदी की बड़ी गिरावट आई। निफ्टी फार्मा 0.31 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.12 फीसदी नीचे आए। इसके विपरीत, निफ्टी ऑटो 0.23 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.42 फीसदी और निफ्टी मेटल 1.39 फीसदी ऊपर चढ़े। निफ्टी प्राइवेट बैंक ने भी 0.69 फीसदी की बढ़त हासिल की। निफ्टी 50 के बढ़त वाले शेयरों में हिंडाल्को, टाटा स्टील, एचडीएफसी लाइफ, ओएनजीसी, एक्सिस बैंक और एलएंडटी शामिल थे। एचसीएल टेक, इंफोसिस, सन फार्मा, टीसीएस और नेस्ले इंडिया प्रमुख गिरावट वाले शेयर रहे। एचएसटी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिसिल्वन राधाकृष्णन ने बताया कि दिन के निचले स्तर से उबरने के बावजूद बाजार दबाव में रहा। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजार में लगातार पांचवें सत्र में गिरावट दर्ज की गई।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें निवेशकों की धारणा पर लगातार भारी पड़ रही हैं। राधाकृष्णन ने यह भी कहा कि व्यापक बाजार का मिजाज सतर्क बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतें भारतीय इक्विटी के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई हैं। नरम अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व द्वारा कम प्रतिबंधात्मक नीति की उम्मीदों को मजबूत किया है।

हालांकि, खाड़ी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार मजबूती भारतीय इक्विटी के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा बनी हुई है। राधाकृष्णन ने आगे कहा कि भारत एक प्रमुख तेल आयातक देश है। इस कारण यह ऊर्जा कीमतों में लगातार वृद्धि के प्रति विशेष रूप से कमजोर बना हुआ है। यह स्थिति निवेशकों को सतर्क रख रही है। मानक सूचकांक महत्वपूर्ण तकनीकी स्तरों के करीब पहुंच रहे हैं। रिपोर्ट दाखिल करते समय ब्रेंट क्रूड की कीमतें 1.01 फीसदी बढ़कर 89.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर थीं। सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भी तेजी आई। 24 कैरेट सोने का भाव 0.41 फीसदी बढ़कर 1,55,139 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी की कीमतें 0.56 फीसदी बढ़कर 2,37,254 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। अन्य एशियाई बाजार भी ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए। जापान का निक्केई 225 0.72 फीसदी बढ़कर 69,211 पर बंद हुआ। सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स 0.43 फीसदी बढ़कर 5,768 पर पहुंचा। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 1.37 फीसदी बढ़कर 25,465 पर समाप्त हुआ। ताइवान का भारित सूचकांक 0.10 फीसदी बढ़कर 45,857 पर बंद हुआ।

साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग पर नियामक गंभीर

सेबी प्रमुख तुहिन कांत बोले- बाजार से ले रहे सुझाव

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने बाजार की साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़े जोखिमों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि सेबी की टीमें बाजार के विभिन्न भागीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रही हैं। इसका उद्देश्य उनकी भागीदारी का स्तर और विशेष चिंताओं को समझना है।

सोशल मीडिया से भी कई सुझाव मिल रहे हैं, जिनका सेबी विश्लेषण कर रहा है। सेबी जल्द ही इस मामले पर एक अंतिम विचार तैयार करेगा। पांडे ने क्वांटम कंप्यूटिंग को एक महत्वपूर्ण चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसमें मुख्य मुद्दा इन्वेंटराइजेशन है। संगठनों को पहले यह जानना होगा कि क्रिप्टोग्राफी में कहां कमियां हैं। इसे क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स कहा जाता है। हर संगठन को इसकी पहचान सुनिश्चित करनी होगी। आगे चलकर, उन्हें पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफिक मानकों का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। उन्हें प्री-क्वांटम वाले मानकों से बचना होगा।

क्वांटम कंप्यूटिंग में मुख्य चुनौती क्या है?

क्वांटम कंप्यूटिंग में सबसे बड़ी चुनौती इन्वेंटराइजेशन है। इसमें यह सीखना शामिल है कि क्रिप्टोग्राफी में कहां कमियां हैं। इसे क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स के रूप में जाना जाता है। हर संगठन को इस जानकारी को सुनिश्चित करना चाहिए। यह भविष्य की सुरक्षा के लिए पहला महत्वपूर्ण कदम है।

साइबर जोखिमों को कम करने में कौन मदद कर सकता है?

पांडे ने बताया कि कई लोग साइबर जोखिमों को कम करने में मदद कर सकते हैं। छोटे ब्रोकर और अन्य बाजार भागीदार इसमें भाग ले सकते हैं। यह मार्केट एसओसी (सुरक्षा संचालन केंद्र) के माध्यम से संभव है। इस केंद्र का रखरखाव एक्सचेंज द्वारा किया जाता है। यह एक सामूहिक प्रयास होगा।

भविष्य के लिए क्या कदम उठाने होंगे?

संगठनों को आगे चलकर पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफिक मानकों का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। उन्हें प्री-क्वांटम मानकों के बजाय इनका उपयोग करना होगा। इसमें पहले जागरूकता और मूल्यांकन शामिल है। फिर भविष्य के लिए सुरक्षित मानकों का उपयोग करना है। अंत में, पिछली कमजोरियों को दूर करना और पीक्यूसी कमियों को भरना है। यह क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स तैयार होने के बाद होगा।

भारत से इलेक्ट्रिक कार निर्यात 18 गुना बढ़ा

करदाता 31 दिसंबर तक दें 'विदेशी संपति' की जानकारी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत से इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात 18 गुना बढ़कर 36.9 करोड़ डॉलर (करीब 352.81 करोड़ रुपये) हो गया है। एक साल पहले समान तिमाही में यह सिर्फ 2.22 करोड़ डॉलर था। यूरोप भारतीय ई-कारों का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा। स्पेन 4,000 वाहनों के साथ सबसे बड़ा खरीदार रहा। उसे 14.64 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ। ब्रिटेन को 2,646 ई-वाहन बेचे गए। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पहली तिमाही में कुल 10,802 इलेक्ट्रिक कारें विदेश भेजी गईं, जबकि एक साल पहले सिर्फ 1,309 वाहनों का निर्यात हुआ था।

करदाता 31 दिसंबर तक दे सकेंगे अघोषित विदेशी संपत्ति की जानकारी; 30% टैक्स के साथ जुर्माना

छोटे करदाताओं की अघोषित विदेशी संपत्तियों और आय को टैक्स के दायरे में लाने के लिए आयकर विभाग ने विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना को अधिसूचित कर दिया है। यह 16 अगस्त 2026 से लागू हो गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के मुताबिक, पात्र करदाता 31 दिसंबर 2026 तक अपनी अघोषित विदेशी संपत्तियों एवं आय की जानकारी ऑनलाइन दे सकेंगे। इस पर 30 फीसदी टैक्स के साथ इतना ही जुर्माना देना होगा। योजना का प्रस्ताव वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में किया गया था। इससे उन करदाताओं को राहत मिलेगी, जिन्होंने अपनी विदेशी संपत्ति या विदेशी आय की जानकारी आयकर विभाग को नहीं दी है।

छात्र, आईटी पेशेवर और नौकरी करने वाले एनआरआई इसके दायरे में आएंगे। घोषित संपत्ति दोबारा आय में नहीं जोड़ी जाएगी और इस पर काला धन कानून लागू नहीं होगा। पात्रता और संपत्ति के मूल्य के आधार पर अलग-अलग श्रेणियां तय की गई हैं। पहली श्रेणी में 1 करोड़ और दूसरी श्रेणी में 5 करोड़ रुपये तक की संपत्ति को शामिल किया गया है।

60 फीसदी होगी कुल देनदारी

विदेशी संपत्ति या आय पर 30 फीसदी कर और इतना ही जुर्माना लगाने के बाद कुल देनदारी 60 फीसदी हो जाएगी। संपत्ति का बाजार मूल्य 31 मार्च 2026 के अनुसार तय किया जाएगा। यदि किसी करदाता की अघोषित विदेशी संपत्ति 60 लाख रुपये और आय 20 लाख है तो कुल घोषित राशि 80 लाख रुपये होगी। इस पर 48 लाख रुपये की देनदारी बनेगी।

पेट्रोल पंपों से चुपचाप गायब हो गया ई10!

चीफ इकनॉमिक एडवाइजर ने की वापस लाने की मांग, 8 करोड़ गाड़ियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के यूज को लेकर पिछले कुछ समय से पूरे देश में बहस चल रही है। कुछ लोगों का दावा है कि ई20 पेट्रोल से गाड़ियों का माइलेज प्रभावित हो रहा है और इंजन में खराबी आ रही है। हालांकि सरकार ने इन दावों का खंडन किया है।

इस बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने देश में पुरानी गाड़ियों के लिए ई20 के साथ-साथ ई10 पेट्रोल को फिर से शुरू करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि कम ब्लेंड वाला पेट्रोल पुराने दोपहिया वाहनों को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। नागेश्वरन ने एक लेख में कहा कि ई20 पेट्रोल से इंजन खराब होने की चिंताएं उपलब्ध सबूतों से साबित नहीं होती हैं। इथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में लगभग दो-तिहाई ऊर्जा होती है। इसका मतलब है कि ई20 के इस्तेमाल से ऊर्जा में 7 प्रतिशत तक की कमी आती है। उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका और भारत में हुई टेस्टिंग में उन वाहनों में कोई ज्यादा टूट-फूट नहीं पाई गई जो ई20 के लिए नहीं बने थे।

किसे होगा फायदा?

हालांकि, उन्होंने एक वास्तविक चिंता की ओर इशारा किया जो बीएस4 से पहले बने लगभग 7.5 से 8 करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों से जुड़ी है, जिनमें कार्बोरेटर का इस्तेमाल होता है। सीईए ने बताया कि देश में बीएस4 से पहले बने लगभग 7.5 से 8 करोड़ पुराने दोपहिया वाहन हैं जो कार्बोरेटर पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि कार्बोरेटर ब्लेंड में मौजूद अतिरिक्त ऑक्सीजन को भांप नहीं पाता और उसके अनुसार खुद को एडजस्ट नहीं कर पाता। इसलिए जब उसे ई20 पर चलाया जाता है तो इंजन हवा के मुकाबले बहुत कम ईंधन खींचता है और ज्यादा गर्म हो जाता है। उन्होंने कहा, 'मूल रोडमैप में इस बात का ध्यान रखा गया था और यह सुझाव दिया गया था कि इन वाहनों के लिए कम ब्लेंड वाला ईंधन बिक्री के लिए उपलब्ध रहे, लेकिन वह ईंधन चुपचाप पंपों से गायब हो गया और उसे वापस लाने की जरूरत है। पंपों पर कम ब्लेंड वाले ईंधन को विकल्प के तौर पर फिर से शुरू करने से लोगों की ज्यादा चिंताएं दूर हो जाएंगी। इथेनॉल का कुल इस्तेमाल बढ़ने के बजाय कम होगा और रेट्रोफिट प्रोग्राम के आगे बढ़ने तक मौजूदा वाहनों के बेड़े की सुरक्षा होगी।'

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह---	06-00 बजे
चंद्र	तुला	मे	कन्या--	08-06 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला----	10-10 बजे
बुध	कर्क	मे	वृश्चिक--	12-21 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु----	14-36 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर--	16-40 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ---	18-32 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन---	20-09 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष----	21-45 बजे
			वृष-----	23-29 बजे
			मिथुन--	01-32 बजे
			कर्क----	03-48 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष मंगलवार **18 August 2026**
तिथि - षष्ठी **17-51** तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - स्वाति **06-46** अहोरात्र तक
योग - शुक्ल **03-22** तक उप ब्रह्म
करण - तैतिल **17-51** तक उप गर
विशेष: वर्ण षष्ठी
श्री कल्कि ज.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-29 से 17-04 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-01 - 07-35	अशुभ	काल	18-42 - 20-08	अशुभ
उत्पात	07-35 - 09-10	अशुभ	लाभ	20-08 - 21-32	शुभ
चंचल	09-10 - 10-46	शुभ	उत्पात	21-32 - 22-57	अशुभ
लाभ	10-46 - 12-21	शुभ	शुभ	22-57 - 00-21	शुभ
अमृत	12-21 - 13-57	शुभ	अमृत	00-21 - 01-46	शुभ
काल	13-57 - 15-32	अशुभ	चंचल	01-46 - 03-10	शुभ
शुभ	15-32 - 17-08	शुभ	रोग	03-10 - 04-35	अशुभ
रोग	17-08 - 18-42	अशुभ	काल	04-35 - 06-01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको अपने कार्य संबंधों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। फिर भी, आपका दृढ़ संकल्प आपको मजबूत और केंद्रित रहने में मदद करता है। सहानुभूति आपके कार्यों का मार्गदर्शन करती है, और निरंतर प्रयास परिणाम लाता है। सावधानीपूर्वक योजना बनाना और धैर्य रखना आपको पढ़ाई और करियर दोनों में आगे बढ़ने में मदद करेगा, भले ही गति धीमी लगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यो में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी रचनात्मकता निखरती है, और आपका अंतर्ज्ञान कार्यस्थल की गतिशीलता के प्रति आपकी समझ को निखारता है। तार्किक सोच आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति करने में मदद मिलती है। जैसे-जैसे परिस्थितियाँ बदलती हैं, आपका लचीलापन आपको सहज रूप से अनुकूलन करने में मदद करता है, जिससे आप आगे बढ़ते रहते हैं।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अच्छा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

नितिन नवीन की टीम में राजस्थान का दबदबा

वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष बनीं, सतीश पूनिया को महामंत्री की जिम्मेदारी

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान से राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुए डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम में पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। पार्टी की ओर से सोमवार को नई टीम की सूची जारी की गई। वहीं वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इन दो नामों के अलावा राजस्थान से ही मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है।

सतीश पूनिया फिलहाल भाजपा के हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने के बाद संगठन में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। पूनियां इससे

पहले राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं और संगठन में लंबे समय तक विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

सतीश पूनिया को इसी साल राजस्थान से भाजपा ने राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया था और वे निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसके बाद अब पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय संगठन में महामंत्री की जिम्मेदारी दी है। ऐसे में राजस्थान भाजपा की राजनीति में उनका कद और बढ़ गया है।

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया है। यानी राजस्थान से राष्ट्रीय संगठन में पूनियां को महामंत्री की नई जिम्मेदारी मिली है, जबकि वसुंधरा राजे का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद कायम रखा गया है। राजे लंबे समय से भाजपा की राष्ट्रीय टीम में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। 2023 में जारी भाजपा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में भी उनका नाम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर शामिल था।

भाजपा की ओर से जारी सूची में बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। वहीं, शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री (संगठन) के रूप में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय महामंत्रियों की सूची में सतीश पूनियां के अलावा विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया के नाम शामिल हैं।

स्कूलों में एंट्री बैन पर विवाद: शिक्षा मंत्री दिलावर की सफाई

कहा- मीडिया के आने पर रोक नहीं, बस अनुमति जरूरी

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में मीडिया की एंट्री पर रोक लगाने को लेकर उठे विवाद के बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्कूलों में मीडिया के प्रवेश पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं लगाया है। आदेश को गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। सरकार का मकसद मीडिया की स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि स्कूलों में पढ़ने वाले नाबालिग बच्चों की सुरक्षा और निजता सुनिश्चित करना है।

दिलावर ने कहा कि किसी नाबालिग विद्यार्थी की फोटो, वीडियो या बाइट लेने से पहले उसके अभिभावक की अनुमति जरूरी होगी। यदि मौके पर अभिभावक मौजूद नहीं हैं तो स्कूल के शिक्षक से अनुमति ली जा सकती है, क्योंकि स्कूल में शिक्षक बच्चों के अभिभावक की भूमिका में होते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को बिना किसी उद्देश्य के अचानक स्कूल परिसर में प्रवेश कर बच्चों से बातचीत या उनका इंटरव्यू करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इससे बच्चे की निजता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मीडिया प्रतिनिधि या अन्य व्यक्ति को किसी विशेष मामले में विद्यार्थियों से बातचीत,

फोटो, वीडियो या रिकॉर्डिंग करनी है तो उसे पहले संस्था प्रधान से अनुमति लेनी होगी। बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संस्था प्रधानों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। दिलावर ने कहा कि सरकार मीडिया की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। लेकिन नाबालिग बच्चों की फोटो, वीडियो या बयान सार्वजनिक करने से पहले उनकी सुरक्षा, गरिमा और निजता का ध्यान रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं को लेकर लगातार निगरानी की जाती है। अभिभावकों और शिक्षकों की नियमित बैठकें भी होती हैं, जिनमें स्कूल की व्यवस्थाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्कूलों की व्यवस्थाएं किसी से छिपी नहीं हैं, लेकिन किसी व्यक्ति का बिना अनुमति स्कूल परिसर में आकर अपनी मर्जी से कुछ भी करना उचित नहीं है।

दरअसल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार की ओर से सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश और विद्यार्थियों की फोटो-वीडियोग्राफी को लेकर निर्देश जारी किए गए थे। आदेश में संस्था प्रधान की पूर्व अनुमति के बिना बाहरी व्यक्ति के स्कूल परिसर में प्रवेश पर रोक, विजिटर रजिस्टर में एंट्री और विद्यार्थियों की फोटो, वीडियो, इंटरव्यू, ऑडियो रिकॉर्डिंग या लाइव स्ट्रीमिंग के लिए पूर्व लिखित अनुमति जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। आदेश में बच्चों की निजता, गरिमा और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले फोटो, वीडियो या व्यक्तिगत जानकारी के संग्रह और प्रसार पर भी रोक की बात कही गई है। इन निर्देशों के सामने आने के बाद विपक्ष और विभिन्न संगठनों की ओर से सवाल उठाए गए। इसे मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश के तौर पर भी देखा गया।

जब भी भजनलाल सरकार युवाओं को नौकरी देती है

गहलोत के पेट में दर्द शुरू हो जाता है : राजेंद्र राठौड़

चूरू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बीदासर दौरे के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा. राठौड़ ने कहा कि जब भी भजनलाल सरकार युवाओं को नौकरी देने का काम करती है, तब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पेट में दर्द शुरू हो जाता है.

राठौड़ ने कहा कि सफाई कर्मियों को नियुक्ति पत्र देने के मामले को लेकर सरकार के मंत्री धरने पर बैठ गए थे. यह मामला पूर्ववर्ती सरकार के समय हाईकोर्ट के आदेशों से जुड़ा हुआ था.

उन्होंने गहलोत सरकार के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस समय सरकार की विफलताओं को लेकर उनके सहयोगी सचिन पायलट को अजमेर में लोक सेवा आयोग तक पैदल मार्च करना पड़ा था. अशोक चांदना को बूंदी में धरने पर बैठना पड़ा.

राठौड़ ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार में भ्रष्टाचार के मुद्दे भी उठते रहे. हेमाराम चौधरी को सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर रोना पड़ा था, जबकि विधायक कुंदनपुर को विरोध स्वरूप अपने बाल काटकर भेजने पड़े थे. आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत उन सभी घटनाओं को भूल गए हैं और वर्तमान सरकार पर सवाल उठा रहे हैं. उन्होंने गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान सामने आई इन घटनाओं को भी याद रखना चाहिए.

अमित शाह ने जो ज्ञान बांटा है वह अपराध बोध से ग्रस्त हैं : अशोक गहलोत

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा चित्तौड़गढ़ में 'वंदे मातरम' को लेकर दिए गए भाषण के बाद राजस्थान की राजनीति में सियासी उबाल आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने एक सोशल मीडिया पोस्ट जारी करते हुए शाह के बयानों को उनका 'अपराध बोध' करार दिया और 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक वंदे मातरम के आधिकारिक इतिहास का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधा। गहलोत ने स्वतंत्रता संग्राम से दूर रहने तथा अब सत्ता में आकर इतिहास के पन्नों को बदलने की कोशिश करने का सीधा आरोप लगाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चित्तौड़गढ़ दौरे के दौरान अपने संबोधन में कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया था। खासतौर से दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' के विवादित घटनाक्रम का ज़िक्र करते हुए कांग्रेस पर कथित तुष्टीकरण नीति के आरोप लगाए थे। शाह ने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान जब बंकिम चंद्र

चट्टोपाध्याय की अमर कृति 'वंदे मातरम' का गायन हो रहा था, तब कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी ने चालू गान के बीच में ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गाना रुकवाने का इशारा किया। अमित शाह ने कहा कि पूरा देश टीवी पर इस दृश्य को देखकर स्तब्ध रह गया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में कांग्रेस ने आजादी के इस महामंत्र को इतिहास के पन्नों से मिटाने की कोशिश की है। उन्हें माफ़ी मांगनी चाहिए।

गृह मंत्री के बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। गहलोत ने कहा कि चित्तौड़गढ़ में अमित शाह द्वारा वंदे मातरम पर दिया गया भाषण सुनकर इतिहास के जानकारों को हंसी आई है।

गहलोत ने लिखा कि भाजपा और आरएसएस का वंदे मातरम से कभी कोई संबंध नहीं रहा। आज सत्ता में आने के बाद इतिहास पर प्रवचन देना इनका केवल अपराध बोध है। उन्होंने कहा कि अपने इसी अपराध बोध को छुपाने के लिए ये लोग अब संसद में वंदे मातरम को लेकर कानून बनाने की बातें कर रहे हैं।

पूर्व सीएम ने स्पष्ट किया कि भाषणों से इतिहास के पन्ने नहीं बदले जा सकते और देश की जनता सच्चाई को अच्छी तरह से जानती है।

अपनी पोस्ट में अशोक गहलोत ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के इतिहास और कांग्रेस पार्टी के स्वतंत्रता संग्राम का ऐतिहासिक ब्योरा सामने रखा।बताया कि 1896 में पहली बार कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 'वंदे मातरम' गाया था।

नकली सोना देकर लाखों रुपए की ठगी

विरोध किया तो फर्जी पुलिस बनकर पीटा

बूंदी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी जिले में सदर थाना क्षेत्र के रामनगर में असली सोना दिखाकर ठगी करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। ठगों ने जोधपुर के तीन युवकों को सस्ते दाम में सोना देने का झांसा देकर 9 लाख रुपए की चपत लगा दी। पीड़ित युवकों के विरोध करने पर आरोपियों ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर उनके साथ मारपीट की और डरा-धमकाकर रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर सदर थाने पहुंचे और पूरी आपबीती पुलिस को बताई। जोधपुर निवासी पीड़ित भोमाराम ने पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट में बताया कि लगभग एक महीने पहले उसकी मुलाकात सांवरिया सेठ मंदिर के पास रामनगर निवासी दो युवकों से हुई थी। इन दोनों युवकों ने भोमाराम और उसके साथियों को काफी सस्ते दाम में असली सोना उपलब्ध कराने का लालच दिया और धीरे-धीरे उनसे गहरी दोस्ती कर ली। विश्वास जमने के बाद, कुछ दिनों पहले जोधपुर से दो युवक सौदा करने बूंदी पहुंचे। वहां रामनगर में ठगों ने उन्हें 100 ग्राम असली सोना दिखाकर पूरी तरह से अपने विश्वास में ले लिया और 9 लाख रुपए में सौदा तय हो गया। तय समय पर जब तीनों पीड़ित युवक रकम लेकर बूंदी के रामनगर पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें नकली सोना थमा दिया और बदले में 9 लाख रुपए मांग लिए। जब पीड़ितों को सोने की शुद्धता पर शक हुआ और उन्होंने किसी सुनार से इसकी जांच कराने की बात कही, तभी अचानक बाहर से 'पुलिस आ गई, भागो-भागो' की आवाजें आने लगीं।

पीड़ित भोमाराम के अनुसार, आवाज सुनते ही लगभग 10 से 15 लोग पुलिस की वेशभूषा में वहां दाखिल हुए। उन्होंने खुद को असली पुलिसकर्मी बताते हुए पीड़ितों को झूठे मुकदमे में फंसाने का डर दिखाया। जब पीड़ितों ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट की और जबरन 9 लाख रुपए छीन लिए।

एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला : माइक्रोलाइट विमान से टकराई ग्राउंड हैंडलिंग गाड़ी, पायलट और ट्रेनी सुरक्षित

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अप्रन और रनवे एरिया से सुरक्षा में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यहां एक एनसीसी माइक्रोलाइट विमान हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि एनसीसी कैडेट्स को रूटीन फ्लाइंग ट्रेनिंग के लिए माइक्रोलाइट विमान को हैंगर से रनवे की ओर टैक्सिंग कराकर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी की एक गाड़ी विमान से टकरा गई। टक्कर के बाद माइक्रोलाइट विमान क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट और एनसीसी ट्रेनी कैडेट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

घटना के बाद जयपुर एयरपोर्ट की ग्राउंड सेफ्टी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। एयरपोर्ट के अप्रन और रनवे जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की

घटना को गंभीर माना जा रहा है।

सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना सोमवार सुबह-सुबह उस वक्त हुई जब जयपुर एयरपोर्ट के एनसीसी हैंगर से कैडेट्स की नियमित ट्रेनिंग के लिए माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट को उड़ान भरने के लिए निकाला जा रहा था। इसी दौरान एयरपोर्ट पर ग्राउंड सर्विस देने वाली प्राइवेट एजेंसी की एक ग्राउंड व्हीकल गाड़ी अचानक एयरक्राफ्ट के रास्ते में आ गई और उससे सीधे टकरा गई। टक्कर से एनसीसी का यह हल्का माइक्रोलाइट प्लेन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरपोर्ट रनवे और टैक्सिवे के संवेदनशील हिस्से में हुई इस भिड़ंत के बाद तुरंत ही एयरपोर्ट पर इमरजेंसी और सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय हो गए। राहत की सबसे बड़ी बात यह रही कि हादसे के तुरंत बाद जब अधिकारियों ने प्लेन की स्थिति जांची, तो पायलट और उनके साथ उड़ान भरने जा रहे एनसीसी कैडेट दोनों को सुरक्षित पाया गया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना में किसी भी अधिकारी या कैडेट को गंभीर शारीरिक चोट नहीं आई है और दोनों पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। यदि यह हादसा एयरक्राफ्ट के टेक-ऑफ की रफ्तार पकड़ने के दौरान रनवे के नजदीक होता, तो हादसे का पैमाना बड़ा हो सकता था। घटना के तुरंत बाद संबंधित माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट को निरीक्षण के लिए सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया गया है और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम नुकसान का आकलन कर रही है।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे व्यस्त हवाई अड्डे में किसी प्राइवेट ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी के वाहन का इस तरह सीधे टैक्सिंग कर रहे विमान के संपर्क में आ जाना हवाई सुरक्षा मानकों का बहुत बड़ा उल्लंघन माना जा रहा है।

प्रारंभिक सूत्रों के हवाले से एयरपोर्ट ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर और ग्राउंड व्हीकल मैनेजमेंट की तालमेल और निगरानी में गंभीर चूक मानी जा रही है। एयरसाइड में जब भी कोई एयरक्राफ्ट टैक्सिंग करता है, तो ग्राउंड वाहनों को निर्धारित दूरी पर रोकने और 'राइट ऑफ वे' देने के सख्त विधिक नियम होते हैं।

ग्राउंड सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी इंडोथाई के ड्राइवर और उसके ऑन-ड्यूटी सुपरवाइजर की भूमिका की जांच की जा रही है कि क्या वाहन चालक को टैक्सिंग की अनुमति मिली थी या उसने नियमों को ताक पर रखकर वाहन आगे बढ़ाया।

'एसपी और कलेक्टरों पर दबाव बना रही सरकार'

गहलोत बोले- सबको सीएमओ बुला रहे हैं

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान. में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। सिविल लाइन स्थित निवास पर मीडिया से रूबरू होते हुए गहलोत ने कहा कि निकाय चुनाव जीताने के लिए सरकार एसपी और कलेक्टरों पर दबाव बना रही है। अलग-अलग दिनों में अलग-अलग जिला कलेक्टरों और एसपी को जयपुर बुलाया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि सरकार पूरी तरह से घबराई हुई है। ऐसे में कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिए जा रहे हैं कि उनके जिले में भाजपा को जीत दिलाओ। गहलोत ने कहा कि यह आरोप वे सोच समझ कर लगा रहे हैं क्योंकि उन्हें इस बारे में महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं। अगर ऐसा नहीं हो तो सरकार और प्रशासन स्थिति स्पष्ट करे। गहलोत ने कहा कि 'राज्य सरकार निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर पूरी तरह से डरी हुई है। सरकार तो चुनाव कराने को तैयार ही नहीं थी लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद उन्हें चुनाव कराना पड़ रहा है क्योंकि हाईकोर्ट ने तो यहां तक कह दिया था कि अगर सरकार चुनाव नहीं करा पा रही तो हम कराएंगे। इसके बाद सरकार को चुनाव कराने को मजबूर होना पड़ा। अब चुनाव कराने पड़ रहे हैं तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अलग-अलग ग्रुप में एसपी और कलेक्टरों को बुलाकर बैठकें ले रहे है। उन पर दबाव बना रहे हैं कि निकाय और पंचायत चुनाव में भाजपा को जीत दिलाओ।' मीडिया से बात करते समय अशोक गहलोत ने लोगों से अपील की है कि वे धरना प्रदर्शन भले ही करें लेकिन भूख हड़ताल पर नहीं बैठे क्योंकि सरकार संवेदनहीन हो गई है। अगर कोई भूख हड़ताल या अनशन करता है तो सरकार को संवेदनशील होकर उनकी बात सुननी चाहिए लेकिन राजस्थान में ऐसा नहीं हो रहा है। कई जगह लोग अपनी मांगों को लेकर कई दिनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं पर बातचीत करने को तैयार नहीं है।

पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा : सरकारी नौकरी के लिए छोटे भाई को बनाया डमी कैंडिडेट, 6 साल बाद मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी पाने की लालसा में पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी को सोडाला थाना पुलिस ने पकड़ लिया। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2020 में अपनी जगह सगे छोटे भाई को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा दिलाने वाले 5 हजार रुपए के इनामी सोनू यादव को पुलिस ने दबोच लिया। मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने वाला उसका भाई मनोज कुमार यादव पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। मनोज वारदात के समय भिवाड़ी पुलिस में कांस्टेबल था और वर्तमान में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत है।

डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी सोनू यादव (33) नीमराणा कोटपुतली बहरोड़ का रहने वाला है। पुलिस मुख्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी

भर्ती अनुभाग संजय यादव की रिपोर्ट पर सोडाला थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। 7 नवंबर 2020 को आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में चौधरी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जनता नगर (रांकड़ी), सोडाला स्थित परीक्षा केंद्र पर जीआरपी अजमेर के लिए अभ्यर्थी सोनू यादव के स्थान पर उसका छोटा भाई मनोज कुमार यादव डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा में बैठा था। परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी बैठाने के मामले में मनोज यादव को जयपुर की सोडाला पुलिस ने 28 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पुलिस मुख्य अभ्यर्थी सोनू यादव की तलाश में जुटी थी। लगातार फरार रहने और पुलिस की पकड़ में नहीं आने पर उस पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

सोनू यादव की गिरफ्तारी के लिए थानाधिकारी मनोज बैरवाल के नेतृत्व में टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। इसके बाद पुलिस ने सोनू यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए सोनू यादव ने अपनी जगह छोटे भाई मनोज को परीक्षा में बैठाने की साजिश रची थी। परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के जरिए शामिल होने के बावजूद मामला सामने आने पर दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर परीक्षा फर्जीवाड़े से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

पति-पत्नी के झगड़े में बीच-बचाव करने पहुंची साली

गुस्साए जीजा ने कुल्हाड़ी से किया हमला, जयपुर ले जाते समय मौत

झालावाड़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले में महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद में बीच-बचाव करने पहुंची बड़ी साली हसीना बी पर आरोपी ने कुल्हाड़ी से वार कर दिया। इससे गंभीर घायल हसीना की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो गई। यह मामला पिड़ावा के दलेलपुरा मोहल्ले का है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है और प्रकरण दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

थाना अधिकारी रामपाल यादव ने बताया कि पिड़ावा के दलेलपुरा मोहल्ले में गफूर उर्फ बबलू कारू बड़ी साली हसीना बी के घर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ किराए पर रहता था। शुक्रवार देर रात करीब डेढ़ बजे गफूर और उसकी पत्नी के बीच किसी घरेलू बात को लेकर झगड़ा हो गया। जब गफूर अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था, तब हसीना बी बीच-बचाव करने पहुंची।

इस दौरान गफूर ने हसीना बी पर कुल्हाड़ी से सिर, मुंह सहित शरीर पर कई जगह वार कर दिया। इस हमले के बाद आधी रात घर में चीख पुकार मच गई। शोरगुल सुनकर घरवाले और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन, तब तक आरोपी मौके से भाग चुका था। गंभीर घायल हसीना बी को परिवारजन और मोहल्ले वाले तत्काल पिड़ावा उपजिला चिकित्सालय ले गए, जहां से उसे झालावाड़ रैफर कर दिया।

जिस नौकर पर था घर का भरोसा, उसी ने कर दी लाखों की चोरी, 48 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के बकानी कस्बे में दिनदहाड़े हुई लाखों रुपए की नकबजनी की वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई नकदी, सोने के कंगन और चांदी के गिलास सहित अन्य सामान बरामद किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वारदात को घर में काम करने वाले नौकर ने ही अंजाम दिया था। आरोपी से पूछताछ कर चोरी गए बाकी के माल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बकानी निवासी बीना गांधी ने 14 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके पति श्याममनोहर गांधी बीमारी के चलते जयपुर में उपचाररत हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी जयपुर गए हुए थे। ऐसे में घर पर उनकी सास रामबाई और नौकर पर्वत सिंह मौजूद थे।

13 अगस्त को बीना गांधी जयपुर से बकानी लौट रही थीं। शाम करीब 7 बजे उनके देवर हेमराज गांधी ने फोन करके बताया कि मकान के कमरों के ताले टूटे हुए हैं। सूचना मिलने के बाद बीना गांधी रात करीब 11 बजे बकानी पहुंचीं। घर में प्रवेश करने पर अलमारियों के ताले टूटे मिले और सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। सामान की जांच करने पर बड़ी चोरी का पता चला। रिपोर्ट के अनुसार घर से करीब 12.50 लाख रुपए नकद, करीब 60 ग्राम वजनी सोने के दो कंगन तथा करीब डेढ़ किलो चांदी के गिलास, पायल, कटोरी, पूजा सेट और चम्मच सहित अन्य सामान चोरी हुआ था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक हर्षराज खरेड़ा के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी बकानी हरि सिंह मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर तंत्र, गोपनीय जांच और तकनीकी सहायता के जरिए वारदात से जुड़े संदिग्धों की जानकारी जुटाई।

जांच के दौरान पुलिस को नौकर पर्वत सिंह तंवर पुत्र कालूलाल तंवर, निवासी रामपुरिया, थाना बकानी की भूमिका संदिग्ध लगी।

गरीबों को कॉरपोरेट स्तर की चिकित्सा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने सनतनगर टीआईएमएस का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की जनता को बेहतर शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। सोमवार को सनतनगर में टीआईएमएस (तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) अस्पताल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गरीबों को कॉरपोरेट अस्पतालों जैसी चिकित्सा सुविधाएं सरकारी क्षेत्र में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टीआईएमएस की शुरुआत की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी चिकित्सा लगातार महंगी होती जा रही है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है।

उनकी सरकार ने सत्ता में आने के बाद अब तक आरोग्यश्री के लिए 2,700 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत 2,526 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस प्रकार गरीबों के स्वास्थ्य पर कुल 5,226 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दो वर्षों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पर 21,800 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार ने सनतनगर के साथ एलबी नगर और अलवाल टीआईएमएस तथा वारंगल अस्पताल के निर्माण को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर राज्य में करीब 10 हजार अतिरिक्त अस्पताल बेड उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि 9 दिसंबर 2027 तक उस्मानिया, एलबी नगर, अलवाल और वारंगल अस्पतालों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक अस्पताल के लिए अलग निदेशक नियुक्त कर निगरानी की व्यवस्था करने और अस्पतालों का संचालन कॉरपोरेट शैली में करने की बात कही। मरीजों के साथ आने वाले अटेंडेंट के लिए भी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उन्होंने सरकारी अस्पतालों में अतिरिक्त समय देने वाले सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सकों को प्रोत्साहन देने की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दस वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण की दिशा में पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआईएमएस और वारंगल अस्पतालों की आधारशिला रखकर उन्हें आगे नहीं बढ़ाया गया।

पूर्व मंत्री के.टी. रामा राव के दावों पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि पूर्व सरकार ने इन अस्पतालों का निर्माण किया था तो दस वर्षों के कार्यकाल में उनका उद्घाटन क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अब जनता को गुमराह करने के बजाय विपक्ष को आत्ममंथन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों के इलाज के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों में यह विश्वास पैदा होना चाहिए कि उनके स्वास्थ्य की चिंता करने वाली सरकार और नेतृत्व उनके साथ खड़ा है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि यदि वह वास्तव में जनता की सेवा करना चाहता है तो प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 से 20 करोड़ रुपये खर्च कर जनसेवा के कार्य करे। उन्होंने कहा कि झूठे प्रचार से जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता और जब तक केसीआर तथा केटीआर अपने रवैये में बदलाव नहीं लाते, वह तथ्यों के साथ जवाब देते रहेंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर गरीबों को बेहतर और सम्मानजनक उपचार उपलब्ध कराना है।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन

झारखंड सरकार का बड़ा फैसला, टीडीपीएल की सभी परीक्षाएं और परिणाम रद्द

सीएम सोरेन ने किया एलान

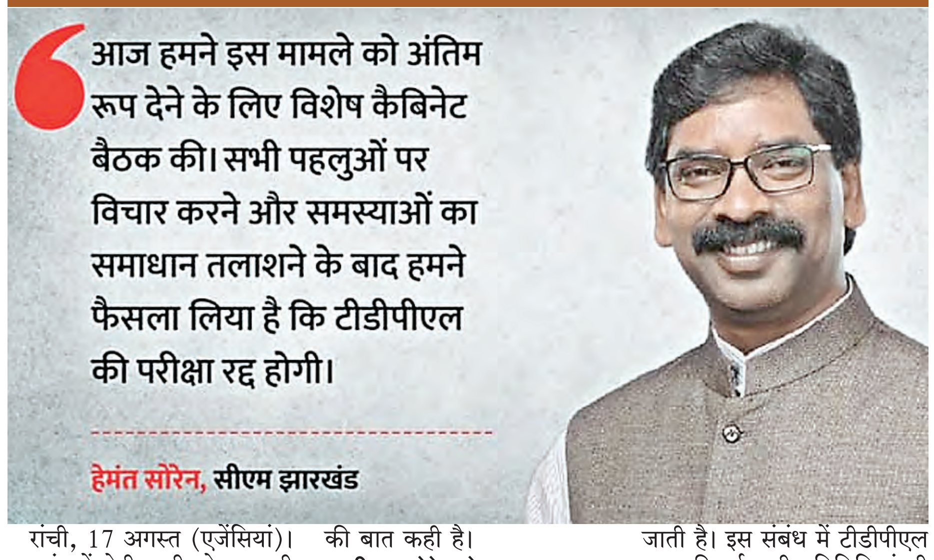

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को 24वें दिन भी जारी रहा। इस बीच छात्रों और सरकार के बीच प्रस्तावित वार्ता होते-होते नहीं हो सकी। हालांकि इस बीच सीएम हेमंत सोरेन ने बड़ा एलान कर दिया है। सीएम सोरेन ने टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाएं, टीडीपीएल द्वारा जारी किए गए परिणाम तथा टीडीपीएल के माध्यम से किसी भी उम्मीदवार का चयन या भागीदारी रद्द करने की बात कही है।

सीएम सोरेन ने क्या कहा?

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज हमने इस मामले को अंतिम रूप देने के लिए विशेष कैबिनेट बैठक की। सभी पहलुओं पर विचार करने और समस्याओं का समाधान तलाशने के बाद हमने फैसला लिया है कि टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाएं, टीडीपीएल द्वारा जारी किए गए परिणाम तथा टीडीपीएल के माध्यम से किसी भी उम्मीदवार का चयन या भागीदारी रद्द की जाती है। इस संबंध में टीडीपीएल द्वारा की गई सभी गतिविधियां भी रद्द कर दी गई हैं।

राहुल गांधी की चिट्ठी से बढ़ा राजनीतिक दबाव

जेपीएससी विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखे पत्र से भी मामला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया था। राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उनके समाधान की दिशा में पहल करने की बात कही थी।

बालाजीनगर सीरवी समाज बडेर की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजीनगर स्थित श्री आईमाताजी बडेर में सीरवी समाज की नवनिर्वाचित चारों कमेटियों की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें घेवरचंद चोयल को बालाजीनगर बडेर का अध्यक्ष तथा राजुराम चोयल को सचिव निर्वाचित किया गया। उपाध्यक्ष हिरालाल चोयल एवं अशोककुमार काग, सह सचिव भंवरलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष भंवरलाल सातपुरा तथा सलाहकार हिराराम काग एवं नारायणलाल बर्फा बनाए गए।

शिक्षा समिति: अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष महेंद्र सानपुरा एवं सोहनलाल हाम्बड़, सचिव सोहनलाल पंवार, सह सचिव राजुराम बर्फा, कोषाध्यक्ष डूगाराम सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष अनिलकुमार बर्फा, मीडिया प्रभारी सुखलाल काग, सह मीडिया प्रभारी सोहनलाल भायल, खेल मंत्री वेनाराम चोयल तथा सह खेल मंत्री कालुराम गेहलोत बनाए गए। एरिया मेंबर के रूप में बाबूलाल मुलेवा, पुनाराम बर्फा, अशोक देवड़ा, लालाराम काग एवं रमेश चोयल को जिम्मेदारी दी गई।

महिला मंडल कार्यकारिणी: अध्यक्षा कमला देवी चोयल, उपाध्यक्षा मोहनीदेवी सोलंकी, सचिव जमनीदेवी बर्फा, सह सचिव ममता देवी मुलेवा, कोषाध्यक्ष पुष्पा देवी चोयल, सह कोषाध्यक्ष कमला देवी पंवार तथा सलाहकार प्यारी देवी चोयल, हन्जादेवी बर्फा एवं रुपादेवी सैणचा बनाई गईं। एरिया मेंबर के रूप में शान्तिदेवी सोलंकी, विमला देवी सानपुरा एवं संगीता देवी गेहलोत को मनोनीत किया गया। महिला शिक्षा समिति अध्यक्षा लक्ष्मीदेवी बर्फा, उपाध्यक्षा ममता देवी चोयल, सचिव रजना देवी पंवार, सह सचिव दामिनी देवी सोलंकी, खेल मंत्री कविता देवी काग, सह खेल मंत्री कुसुम देवी देवड़ा तथा मंच संचालन की जिम्मेदारी मितल देवी सीरवी को दी गई।

श्रीशैलम रोड पर तेंदुए का बच्चा मृत मिला

महबूबनगर, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात अमराबाद टाइगर रिज़र्व इलाके में श्रीशैलम रोड पर तेंदुए का एक बच्चा संदिग्ध हालात में मृत पाया गया। माना जा रहा है कि बच्चे की उम्र छह से आठ महीने के बीच थी। यह श्रीशैलम रोड पर गुंडम चेकपोस्ट के पास सड़क किनारे मृत मिला, जहाँ से सफारी गाड़ियाँ टाइगर रिज़र्व में प्रवेश करती हैं।

वन अधिकारियों ने बताया कि शव पर कोई बाहरी चोट नहीं मिली। दिन में बाद में पोस्टमार्टम किया जाएगा और अधिकारियों को मौत की असली वजह पता चल जाएगी। जिस जगह पर बच्चा मृत मिला, वह जंगली जानवरों की आवाजाही के लिए जानी जाती है। अधिकारियों को शक है कि सड़क पार करते समय किसी गाड़ी ने बच्चे को टक्कर मारी होगी।

हाल के दिनों में, सप्ताहांत (वीकेंड) पर श्रीशैलम की ओर गाड़ियों की आवाजाही बहुत बढ़ गई है। देर रात ट्रैफ़िक पर पाबंदियाँ होने के बावजूद, अधिकारी चिंता जता रहे हैं कि भारी ट्रैफ़िक से जंगली जानवरों को खतरा हो सकता है।

घटकेसर प्रवासी बन्धुओ की सावन की सैर सम्पन्न : घटकेसर प्रगति रिसोर्ट स्थित घटकेसर प्रवासी समाज बंधुओं द्वारा आयोजित सावन की सैर में खेल-कूद, रैन डांस व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित प्रभुराम परिहारिया, जयराम काग, पूनमचंद पंवार, खीमाराम गहलोत,कमल किशोर, पारसमल, तेजाराम काग ,राजूराम मुलेवा, देवाराम परिहारिया, महिलाएं, बच्चे व प्रवासी समाज बन्धु।

वंदे मातरम का अपमान करने पर कांग्रेस की निंदा

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग डिवीज़न के पूर्व कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल, 15 अगस्त 2026 को कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के दौरान हुई कथित अपमानजनक घटना का पुरज़ोर विरोध करते हुए निंदा की है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम हमारे देश के सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक है। इसे महान बंगाली लेखक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था। बंगाल के इस महान सपूत ने देश को एक ऐसा राष्ट्रगीत दिया जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना जगाई। उन्होंने मांग की है कि कांग्रेस नेतृत्व इस घटना के बारे में देश को स्पष्ट जवाब और सफाई दे। अवसर पर अमर सिंह, शब्बीर, संदीप जैन, बालाजी ठाकुर, शंकर कुबेर, राजू यादव, अनिल यादव, अहमद खान, बाबूराजा और अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

हैदराबाद मैराथन में 30 हजार धावकों के शामिल होने की संभावना

यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस-नगर निगम की संयुक्त बैठक

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के सफल और सुरक्षित आयोजन तथा प्रभावी यातायात प्रबंधन को लेकर साइबराबाद पुलिस, साइबराबाद नगर निगम और आयोजन समिति के अधिकारियों ने सोमवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय में संयुक्त बैठक की। बैठक में साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एम. रमेश, भारतीय पुलिस सेवा, यातायात संयुक्त पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह, भारतीय पुलिस सेवा, पुलिस एवं कानून-व्यवस्था के वरिष्ठ अधिकारी, नगर निगम के क्षेत्रीय आयुक्त, तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम के अधिकारी तथा हैदराबाद रनर्स के रेस निदेशक राजेश सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने मैराथन के विभिन्न मार्गों, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, पार्किंग, धावकों की आवाजाही और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की तैयारियों का संयुक्त निरीक्षण किया। इस प्रमुख दौड़ प्रतियोगिता में करीब 30 हजार प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। पूर्ण मैराथन और अर्ध मैराथन का मुख्य आयोजन 30 अगस्त को सुबह 4.30 बजे पीपुल्स प्लाजा से शुरू होकर करीब 10 बजे जी.एम.सी. बालयोगी स्टेडियम में समाप्त होगा। दौड़ का मार्ग केबल ब्रिज के पास साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमा में प्रवेश करेगा। 29 अगस्त को पांच किलोमीटर दौड़ आयोजित होगी। इसमें दिव्यांग प्रतिभागियों की दौड़ सुबह 6.30 बजे से होगी, जबकि पांच किलोमीटर दौड़ में करीब छह हजार प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह दौड़ हाईटेक्स से शुरू होकर जैव-विविधता क्षेत्र से गुजरते हुए गाचीबावली-नोवोटेल के निकट समाप्त होगी। 30 अगस्त को 42 किलोमीटर पूर्ण मैराथन सुबह 4.30 बजे पीपुल्स प्लाजा से शुरू होकर नेकलेस रोड, राजभवन रोड, मोनोरेल सर्किल, जुबली चेकपोस्ट, रोड नंबर 45, फिल्मनगर होते हुए शेखपेट, नरसिंगी, आउटर रिंग रोड जंक्शन और जैव-विविधता क्षेत्र से गुजरकर गाचीबावली स्टेडियम पहुंचेगी। 21 किलोमीटर अर्ध मैराथन भी इसी मार्ग से होगी, हालांकि इसमें नेकलेस रोड और स्टेडियम के चक्कर वाले हिस्से शामिल नहीं होंगे। दस किलोमीटर दौड़ सुबह 7.30 बजे हाईटेक सिटी से शुरू होकर लेमन ट्री जंक्शन और जैव-विविधता क्षेत्र से होते हुए गाचीबावली स्टेडियम में समाप्त होगी। बैठक में दौड़ के दौरान संभावित यातायात अवरोध और सुरक्षा चुनौतियों पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि लंबी दूरी की दौड़ में शामिल प्रतिभागियों के फ्लाईओवर या दर्शनीय स्थलों पर रुककर तस्वीरें और स्वयं के चित्र लेने से मार्ग बाधित होने की स्थिति बन सकती है।

इसे रोकने के लिए मार्ग पर तैनात मार्शल धावकों को अनुशासन में रखने के साथ अलग-अलग रंगों वाले पहचान-पत्रों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों की पहचान सुनिश्चित करेंगे। एक ही स्थान से करीब 10 हजार लोगों के रवाना होने के कारण चरणबद्ध तरीके से धावकों को भेजने की व्यवस्था की जाएगी। गाचीबावली फ्लाईओवर जैसे प्रमुख स्थानों पर विभिन्न श्रेणियों के धावकों के एक साथ मिलने से उत्पन्न होने वाले जाम को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला

कोत्तागुडेम, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिले के अस्वापुरम मंडल के गोंडिगुडेम गांव में इसुकावागु के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक मृत पाया गया। स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान 30 वर्षीय पाकलापति साई के रूप में की, जो अस्वापुरम गांव का रहने वाला था। उसका शव ट्रैक पर मिला, जिसमें सिर और धड़ अलग-अलग थे। सीआई येल्लैया घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की कि यह घटना दुर्घटना थी या आत्महत्या का मामला।

हैदराबाद में नाग पंचमी पर पूजा-अर्चना और व्रत

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रावण महीने के पांचवें दिन, भक्तों ने दिन भर का व्रत रखा, मंदिरों और सांपों की बांबी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना करके नाग पंचमी मनाई। मंदिरों में नाग देवताओं की मूर्तियों पर दूध, शहद, सिंदूर, फूल और मिठाइयाँ चढ़ाई गईं और सुरक्षा व समृद्धि के लिए नाग देवता से प्रार्थना की गई।

यह हिंदू त्योहार वन्यजीवों का सम्मान करता है और जीवित प्राणियों के प्रति प्राचीन पारिस्थितिक सम्मान को दर्शाता है। सांपों का भगवान शिव और भगवान विष्णु से गहरा संबंध है; भगवान शिव अपने गले में सांप धारण करते हैं और भगवान विष्णु शेषनाग पर विश्राम करते हैं।

ड्राइवर ने बस के इंजन से धुआं निकलते देख 45 यात्रियों की जान बचाई

संगारेड्डी, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र आरटीसी ड्राइवर की सूझबूझ से बस में सवार 45 यात्रियों की जान बच गई; इंजन से धुआं निकलते ही उन्होंने तुरंत बस रोक दी। यह घटना सोमवार सुबह मुनिपल्ली मंडल के कामकोले में एनएच-65 पर हुई, जब महाराष्ट्र की बस हैदराबाद जा रही थी। ड्राइवर ने पक्का किया कि यात्री सुरक्षित रूप से बस से नीचे उतर जाएं। यात्रियों ने ड्राइवर की तत्परता की तारीफ़ की। यात्री अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए दूसरी बसों में सवार हुए।

गो सेवा मित्र मंडल, भाग्यनगर द्वारा भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ की ओर से निकाली गई कांवड़ यात्रा का स्वागत ममाजुमला फाटक के पास किया गया। इस अवसर पर गोपाल बलदवा, मनोज अग्रवाल, पंकज वर्मा, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, रविंद्र अग्रवाल, विनोद राठी, विजय अग्रवाल, यश अग्रवाल, मनीष मोर और श्याम अग्रवाल उपस्थित रहे।

किसानों का श्री अन्न प्रौद्योगिकी पर व्यावहारिक ज्ञानवर्धन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र समर्थित एससी उप-योजना के अंतर्गत टीकनपल्ली ग्राम,हाजीपुर मंडल, मंचेरियल के 45 किसानों के एक समूह ने श्री अन्न की खेती, उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने हेतु हैदराबाद संस्थान का दौरा किया। इसे डॉ. कलैसेकर, अध्यक्ष, एससी उप-योजना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया,तथा डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक के पर्यवेक्षण में डॉ. ए श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा सुकर बनाया गया।

डॉ. डी सेवा नायक, डॉ. आर वेंकटेश्वरलू, डॉ. संगप्पा तथा डॉ. लक्ष्मी प्रसन्ना के द्वारा किसानों को श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी, पोषण, जलवायु अनुकूलन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन शामिल उत्तम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी एवं खेती के व्यावहारिक तरीकों पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम ने किसान-वैज्ञानिक के बीच सीधे संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे सहभागियों को श्री अन्न की खेती के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिली।

बिल्डिंग से गिरने से व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को रायदुर्गम की अंजैया नगर कॉलोनी में एक हॉस्टल की बिल्डिंग से गिरने के बाद 38 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति की पहचान प्रकाशम जिले के कनिगिरी के रहने वाले के. सुब्बाराव के तौर पर हुई, जो कुछ समय से हॉस्टल में रह रहे थे। यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई।

हॉस्टल मैनेजमेंट की शिकायत के आधार पर, रायदुर्गम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने हॉस्टल मैनेजमेंट से जानकारी जुटाई और घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच की। वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि सुब्बाराव की मौत आत्महत्या, दुर्घटना या हत्या के कारण हुई।

केजीबीवी मद्दुर में डिनर के बाद 25 छात्राएं बीमार पड़ीं

सिद्दीपेट, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मद्दुर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की कई छात्राएं पिछले दो दिनों में संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार पड़ गई हैं। जहां रविवार को रात का खाना खाने के बाद 13 छात्राएं बीमार पड़ीं, वहीं सोमवार सुबह 12 और छात्राएं बीमार हो गईं। उन्हें चेरियाल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने कुछ छात्राओं को, जिन्हें रविवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वापस हॉस्टल भेज दिया। हालांकि, उल्टी और दस्त शुरू होने पर वे फिर से अस्पताल लौट आईं। ये सभी 25 छात्राएं अभी भी निगरानी में हैं। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धनराज और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने हॉस्टल का दौरा किया और परिसर की जांच की। उन्होंने घटना का कारण जानने के लिए छात्राओं से बातचीत की। एसएफआई नेताओं के नेतृत्व में छात्राओं ने सोमवार को केजीबीवी में विरोध प्रदर्शन किया और कर्मचारियों पर खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसने का आरोप लगाया।

2 साल की बच्ची के साथ रेप की कोशिश

संगारेड्डी, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में, रविवार रात अमीनपुर मंडल के इलापुर थांडा के पास एक 48 साल के व्यक्ति ने दो साल की बच्ची के साथ रेप की कोशिश की। आरोपी रघुनाथ, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, दीपक ब्रिक्स भट्ठा कंपनी में रह रहा था।

वह गंडीगुडेम में स्थित ईंट भट्ठे पर काम करने के बाद कंपनी के पास एक शेड में रह रहा था। आरोपी बच्ची को उसके घर से दूर ले गया। जब उसने बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न की कोशिश की, तो शशि कुमार नाम के एक राहगीर ने बच्ची को रोते हुए देखा और उसे बचाने के लिए आगे आया। उसने तुरंत बच्ची को बचाया और आरोपी को पकड़ लिया। बाद में, पीड़िता के माता-पिता और अमीनपुर पुलिस मौके पर पहुँची। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया और रिमांड पर भेज दिया गया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप : भारत की जीत से शुरुआत

हरिहरन-अर्जुन अगले राउंड में पहुंचे, आयरलैंड की जोड़ी ने मैच छोड़ा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत के साथ शुरुआत की है। नई दिल्ली में मेंस डबल्स के पहले राउंड में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हरा दिया।

भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी आयरलैंड की जोड़ी ने चोट की वजह से मैच से हटने का फैसला किया।

2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हो रहा है। यह चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक चलेगी। भारत ने आखिरी बार 2009 में इस

टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 3 मुकाबले हुए हैं और तीनों में भारतीय खिलाड़ी को हार मिली है।

बैडमिंटन में रिटायरमेंट का मतलब है कि खिलाड़ी मैच शुरू होने के बाद उसे बीच में छोड़ देता है। इसका सबसे आम कारण चोट या शारीरिक परेशानी होती है। मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द या ऐसी चोट, जिससे आगे खेलना जोखिम भरा हो, इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं।

रिटायरमेंट होने पर विपक्षी खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है। यह वॉकओवर या विड्रॉल से अलग होता है, क्योंकि रिटायरमेंट में मैच शुरू हो चुका होता है। टॉप सीड वह खिलाड़ी या जोड़ी होती है जिसे टूर्नामेंट में उसकी रैंकिंग के आधार पर सबसे मजबूत दावेदार माना जाता है। सीडिंग का मकसद मजबूत खिलाड़ियों को शुरुआती दौर में एक-दूसरे के सामने आने से रोकना होता है।

वहीं डिफेंडिंग चैंपियन वह खिलाड़ी होता है जिसने पिछली बार टूर्नामेंट जीता हो और इस बार अपने खिताब को बचाने उतरा हो। इसलिए आयुष शेट्टी के सामने शी यू ची का मुकाबला खास है, क्योंकि शी यू ची डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीतने वाला खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन कहलाता है। ओलंपिक चार साल में एक बार होता है और इसमें क्वालिफिकेशन के जरिए सीमित खिलाड़ी पहुंचते हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप आमतौर पर हर साल होती है, हालांकि ओलंपिक साल में इसका आयोजन नहीं होता।

वहीं ऑल इंग्लैंड ओपन एक ऐतिहासिक टूर्नामेंट है, लेकिन यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का सुपर 1000 इवेंट है। वर्ल्ड चैंपियनशिप सीधे BWF की वर्ल्ड चैंपियनशिप है, इसलिए दोनों का दर्जा अलग है।

गावस्कर ने आईपीएल ट्रेड पर सवाल उठाया

बोले- खिलाड़ी की डील की रकम पब्लिक हो, तभी सैलरी कैप पर रहेगी नजर

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने IPL में खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर पूरी फाइनेंशियल डिटेल सार्वजनिक करने की मांग की है।

गावस्कर कहा कि जब कोई खिलाड़ी एक फ्रेंचाइजी से दूसरी टीम में ट्रेड होता है, तो उसकी डील की रकम भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। इससे सभी फ्रेंचाइजियों को यह पता रहेगा कि टीमों ने तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं।

गावस्कर ने 'मिड-डे' के अपने कॉलम में लिखा कि किसी खिलाड़ी के ट्रेड की रकम की जानकारी दोनों फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और बीसीसीआई को होती है। बाकी टीमों को इस डील की पूरी फाइनेंशियल जानकारी नहीं मिलती। उनके मुताबिक, इससे दूसरी फ्रेंचाइजियों के लिए यह जांचना मुश्किल हो जाता है कि किसी टीम ने तय सैलरी कैप के भीतर रहकर ट्रेड किया है या नहीं। इसलिए ट्रेड की रकम को सार्वजनिक करना पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

गावस्कर के मुताबिक आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग है, इसलिए इसके कामकाज में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। ट्रेड की रकम सार्वजनिक होने से सभी फ्रेंचाइजियों को एक जैसी जानकारी मिलेगी और लीग के नियमों को लेकर उठने वाले सवालों को कम किया जा सकेगा। 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुए थे। उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई थी। 2026 सीजन खत्म होने के बाद ऋषभ पंत और कुलदीप यादव का भी ट्रेड हुआ। पंत एलएसजी से दिल्ली कैपिटल्स लौटे, जबकि कुलदीप दिल्ली से एलएसजी चले गए। आईपीएल के मुताबिक पंत की नई फीस 15 करोड़ और कुलदीप की 13.50 करोड़ रुपए है।

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को लेकर भी टीम बदलने की अटकलें चल रही हैं। हालांकि, अभी उनके मुंबई इंडियंस छोड़ने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हार्दिक 2024 सीजन से पहले गुजरात टाइटंस से ट्रेड होकर मुंबई इंडियंस में आए थे।

श्रीलंका दौरे पर केएल राहुल ने बताया तैयारी का प्लान

टीम इंडिया के उपकप्तान बोले-अनुभव का फायदा उठाना और मौकों को भुनाना जरूरी

खेल डेस्क, 17 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के उपकप्तान केएल राहुल ने अपनी तैयारी और खेल को लेकर सोच साझा की है। राहुल ने बताया कि लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अनुभव का सही इस्तेमाल करना और मिले मौकों को भुनाना जरूरी है।

राहुल ने तैयारी, अनुशासन और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखने को सफलता के लिए अहम बताया। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रखना और मैदान पर अपनी भूमिका को समझना जरूरी है।

केएल राहुल ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में 82 रन बनाए। वह पहले दिन 77 रन के स्कोर पर क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद दूसरे दिन वह दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरे और 82 रन तक पहुंचे। राहुल ने 175 गेंदों की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें केशरा

नुवानथा ने शॉर्ट लेग पर कैच कराया।

केएल राहुल ने बताया कि बड़े दौरे से पहले तैयारी के साथ सही माइंडसेट रखना भी जरूरी है। लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के दौरान खिलाड़ी को अपनी क्षमता और तैयारी की प्रक्रिया पर भरोसा रखना पड़ता है।

राहुल के मुताबिक, मैदान पर उतरने से पहले की तैयारी काफी मायने रखती है। इसलिए वह बुनियादी चीजों पर फोकस करने और अलग-अलग परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखने की कोशिश करते हैं।

राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अपने अनुभव को टीम के लिए इस्तेमाल करने की बात भी कही। श्रीलंका जैसी परिस्थितियों में पिच और हालात को जल्दी समझना और उसके मुताबिक अपने खेल में बदलाव करना महत्वपूर्ण होगा।

एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर राहुल की कोशिश अपनी बल्लेबाजी के साथ टीम की जरूरत के मुताबिक योगदान देने की भी है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने और टीम के माहौल में सकारात्मक योगदान देने की अहमियत बताई।

मिहिर के साथ बातचीत में राहुल ने टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम के माहौल पर भी बात की। उन्होंने बताया कि टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवाओं की ऊर्जा का अच्छा संतुलन है।

राहुल के अनुसार, खिलाड़ी अपनी-अपनी भूमिका को समझते हुए तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में टीम के लिए जरूरी होगा कि सभी खिलाड़ी अपने मौके का फायदा उठाएं और परिस्थितियों के मुताबिक खेलें।

एशियाड में भारत का छोटा दल

36 खेलों में 504 खिलाड़ियों की मांगी मंजूरी; 30 क्रिकेटरों पर 20 का सपोर्ट स्टाफ!

नागोया, 17 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में इस बार भारत का दल छोटा रहेगा। आईओए ने 36 खेलों में 504 खिलाड़ियों की मंजूरी मांगी है। इनमें 275 पुरुष और 229 महिला खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों के साथ 167 कोचिंग व सपोर्ट स्टाफ और 69 अतिरिक्त टीम ऑफिशियल्स की मंजूरी मांगी गई है। क्रिकेट और शूटिंग टीमों के लिए विशेष रूप से बड़ा सपोर्ट स्टाफ रहेगा। एशियाई खेलों में इस बार पिछली बार के मुकाबले भारत का दल छोटा रहेगा। हांगझोउ एशियाड में भारत ने 40 खेलों में 661 सदस्यीय दल उतारा था, लेकिन इस बार भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 36 खेलों में 504 खिलाड़ियों को उतारने की सरकार से मंजूरी मांगी है। इनमें 275 पुरुष और 229 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। खेल मंत्रालय की मंजूरी के बाद भारतीय दल की संख्या या तो और कम हो सकती है या फिर इसमें मामूली बढ़ोतरी होगी। 504 खिलाड़ियों के साथ 167 कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के अलावा 68 अतिरिक्त टीम ऑफिशियल्स की मंजूरी मांगी गई है। क्रिकेट के कद को देखते हुए पिछले एशियाड में स्वर्ण जीतने वाली पुरुष और महिला टीम के साथ सबसे बड़ा सपोर्ट स्टाफ दल जोड़ा जा रहा है। बीसीसीआई ने पुरुषों के लिए 15 और महिलाओं की 15 सदस्यीय टीम के साथ 10-10 का सपोर्ट स्टाफ भेजने का फैसला लिया है। वहीं, पिछले एशियाड में देश को सर्वाधिक सात स्वर्ण समेत 22 पदक दिलाने वाली शूटिंग टीम भी 30 सदस्यीय है, लेकिन उसके लिए 15 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ की मांग की गई है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने वाली पुरुष टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण चुने गए हैं। टीम के साथ सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में स्पिन गेंदबाजी कोच और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर सुनील जोशी गेंदबाजी कोच और अंडर-19 टीम के डेवलपमेंट कोच ऋषिकेश कानितकर बल्लेबाजी कोच होंगे। महिला टीम की टीम की कमान अमोल मजूमदार संभालेंगे। गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी और फील्डिंग कोच मुनीष बाली होंगे।

पुरुष टीम के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष होंगे। नियमों के मुताबिक टीम सदस्यों का 33 प्रतिशत सपोर्ट स्टाफ को दिया जाता है। बीसीसीआई ने दोनों की 30 सदस्यीय टीम पर 10 सपोर्ट स्टाफ दिया है जबकि 10 अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ की अतिरिक्त टीम ऑफिशियल के रूप में मांग की है।

504 खिलाड़ियों, 167 सपोर्ट स्टाफ और 69 अतिरिक्त टीम ऑफिशियल्स को मिलाकर कुल 740 सदस्यीय दल बनता है। इसमें चेफ डि मिशन सहदेव यादव की अगुवाई में 19 सदस्यीय आईओए का दल भी शामिल होगा। इस लिहाज से आईओए ने सरकार से कुल 759 सदस्यीय दल की मंजूरी मांगी है। आईओए के दल में चार डिप्टी चेफ डि मिशन, डॉ. दिनशा पारदीवाला की अगुवाई में छह सदस्यीय मेडिकल स्टाफ, दो प्रेस अटैची भी शामिल हैं। आईओए ने एशियाई खेलों में भारतीय दल भेजने की अनुमानित लागत 22.6 करोड़ रुपये लगाई है। इसमें सेरिमोनियल किट, प्लेइंग किट, पॉकेट भत्ता, टिकट, इंश्योरेंस का खर्च शामिल है। सबसे बड़ा दल एथलेटिक्स का है। इनमें 72 एथलीट और 26 सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। एथलेटिक्स पर तीन करोड़ से अधिक का खर्च आएगा, जबकि क्रिकेट के 50 सदस्यीय दल पर एक करोड़ 84 लाख रुपये का खर्च आएगा।

भारत को 178 रन की बढ़त

श्रीलंका 284 पर ऑलआउट

सुथार ने 4, जडेजा ने 3 विकेट लिए; खराब रोशनी से तीसरे दिन खेल रुका

कोलंबो, 17 अगस्त (एजेंसियां)। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया।

श्रीलंका से सोनल दिनूषा ने 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन बनाए। दोनों ने छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को 3 विकेट मिले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट भी पूरे किए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। केएल राहुल ने 82 और ध्रुव जुरेल ने 51 रन बनाए।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार द हंड्रेड चैंपियन

ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया; सीफर्ट के 72 रन, डॉसन ने छक्के से जिताया

लंदन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेन्स कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के टारगेट को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी। जबकि लियम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने पॉल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरुआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी

रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया।

मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे। बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 162/5 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की।

इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंद में 38 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। लुईस ग्रेगरी ने 16 गेंद में 32 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया।

मैनचेस्टर की ओर से नूर अहमद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। सोनny बेकर ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए।

सीफर्ट 33 रन पर आउट होने से बच गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड में बाउंड्री की ओर खेला था। फिन एलन ने बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश की और गेंद को मैदान के अंदर वापस फेंक दिया, लेकिन रीप्ले में उनका पैर बाउंड्री रोप को छूता दिखा। थर्ड अंपायर ने इसे छह रन दिया। इसके बाद सीफर्ट ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 72 रन बनाए।

सीफर्ट और पॉल वॉल्टर ने मैनचेस्टर को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। बटलर के आउट होने के बाद भी सीफर्ट ने रन बनाने की रफ्तार बनाए रखी और टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

मैनचेस्टर की टीम पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से खेलती थी। इस सीजन से फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स किया गया। टीम इससे पहले दो बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दोनों बार उसे हार मिली थी। इस बार टीम ने पहली बार खिताब जीत लिया।

यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है राजस्थान रॉयल्स

मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या से ट्रेड की अटकलें; फ्रेंचाइजी का कोई बयान नहीं आया

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स IPL 2027 से पहले भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या के साथ उनका ट्रेड हो सकता है। खबर है कि राजस्थान का मैनेजमेंट जायसवाल के रवैये से खुश नहीं हैं। इसकी मुख्य वजह रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना बताई जा रही है। हालांकि, फ्रेंचाइजी या खिलाड़ी की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। जायसवाल ने आईपीएल 2026 के 16 मैचों में 427 रन बनाए थे। उन्होंने 30.50 के एवरेज और 152.50 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वे सीजन में सिर्फ 3 फिफ्टी लगा सके। पूरे सीजन में उनके ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी स्पॉटलाइट में रहे। वैभव ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने ऑरेंज कैप, सुपर सिक्सेस और सुपर स्ट्राइकर का खिताब जीता।

राजस्थान रॉयल्स को फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की जरुरत है। पिछले साल उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया था। हालांकि करन चोट की वजह से सीजन का एक भी मुकाबला नहीं खेल सके थे। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शामिल हो सकते हैं।

राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स भी हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। स्पोर्टस्टार से बातचीत में मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने खिलाड़ियों के ट्रेड के संबंध में किसी बातचीत से इनकार किया था।

2020 में मुंबई इंडियंस ने अपना आखिरी आईपीएल टाइटल जीता था। तब से टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। मुंबई ने आईपीएल 2024 के लिए हार्दिक को गुजरात टाइटंस से ट्रेड के जरिए हासिल किया था। तब 5 बार टीम को आईपीएल जीताने वाले रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कैप्टेंसी दी गई थी।

पीवी सिंधु ने 29 मिनट में जीता पहला मैच

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में आयरलैंड की नोबल को हराया

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्टार पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को विमेंस सिंगल्स मैच में आयरलैंड की सोफिया नोबल को 29 मिनट में हराया। उन्होंने पहला गेम 21-7 और दूसरा गेम 21-11 से जीता। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन ने मेंस डबल्स में आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हराया। त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विमेंस डबल्स में स्पेन की पाउला लोपेज और एल रोड्रिगेज को मात दी। विमेंस सिंगल्स में आयुष शेट्टी का मैच टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन चीन खिलाड़ी शी यू ची से हो रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 3 मुकाबले हुए हैं। तीनों चीनी खिलाड़ी ने जीते हैं।

17 साल के श्रेयस रॉयल ने तोड़ा 37 साल पुराना रिकॉर्ड, बने ब्रिटेन के सबसे युवा चैंपियन

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप 2024 का 9वां और आखिरी राउंड चल रहा था। एक तरफ ब्रिटेन के सबसे महान दिग्गजों में शुमार ग्रैंडमास्टर माइकल एडम्स थे, तो दूसरी तरफ महज 15 साल का एक दुबला-पतला किशोर। दांव पर ब्रिटेन का सबसे कम उम्र का ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड था, जिसे डेविड हॉवेल ने बनाया था। खेल शुरू हुआ। सफेद मोहरों के साथ खेलते हुए एडम्स ने चालों का एक पेचीदा जाल बुनना शुरू किया कि किशोर की मुश्किलें बढ़ती गईं। लेकिन, खेल के निर्णायक मोड़ पर उसने ऐसी चाल चली, जिसने पूरी बाजी को पलट दिया।

उसकी उस चाल से एडम्स भी

हैरत में पड़ गए और उन्होंने ड्रॉ स्वीकार कर लिया। इस तरह 15 साल, छह महीने और 26 दिन की उम्र में उस किशोर ने ब्रिटेन का सबसे कम उम्र का ग्रैंडमास्टर बनकर इतिहास रचा। उसका नाम है-श्रेयस रॉयल। आज वही श्रेयस एक बार फिर खेल व अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में सनसनी बने हुए हैं। इस बार महज 17 साल की उम्र में उन्होंने प्रतिष्ठित ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप में अजेय रहते हुए न सिर्फ खिताब जीता, बल्कि माइकल एडम्स का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास के सबसे कम उम्र के ब्रिटिश चैंपियन भी बन गए हैं। श्रेयस का जन्म नौ जनवरी, 2009 को बंगलूरू, कर्नाटक में हुआ था। उनके माता-पिता जितेंद्र सिंह और अंजू सिंह हैं। जब श्रेयस करीब तीन साल के थे, तब उनके पिता की नौकरी के कारण पूरा परिवार भारत से ब्रिटेन चला गया। श्रेयस ने शुरुआत में ब्रिटेन के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई की। बाद में, शतरंज में उनके हुनर को देखते हुए उन्हें द पॉइंटर स्कूल, ब्लैकहीथ (लंदन) में छात्रवृत्ति पर पढ़ने का मौका मिला। हालांकि, 2018 में श्रेयस के पिता का वर्क वीजा खत्म होने वाला था और परिवार को भारत लौटना पड़ सकता था।

बांग्लादेश छोड़िए, ऑस्ट्रेलिया को क्रिकेट में स्पेन ने भी पछाड़ दिया, 23 साल बाद टूटा ये वर्ल्ड रिकॉर्ड

केरावा (फ़िनलैंड), 17 अगस्त (एजेंसियां)। लगता है क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का बुरा दौर चल रहा है. तभी तो छोटी टीमें भी उसके खिलाफ अपना शक्ति प्रदर्शन करती दिख रही हैं. वो उसके खेल और बनाए रिकॉर्ड पर भारी पड़ रही है. ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में टेस्ट मैच हराकर बांग्लादेश ने जो इतिहास रचा वो तो आपने देखा ही. लेकिन, जो स्पेन ने किया क्या उस पर गौर किया. स्पेन ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में उसके बनाए वर्ल्ड रिकॉर्ड को ही तोड़ दिया है. अब सवाल है कि स्पेन ने ऑस्ट्रेलिया का कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया? इसके तार लगातार सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने से जुड़े हैं. स्पेन अब इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने वाली टीम बन गई है और इस मामले में उसने ऑस्ट्रेलिया के कायम किए वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा है. स्पेन ने 2023 से 2026 के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट में 21 मुकाबले जीते हैं, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. ये सभी मुकाबले टी20 है. स्पेन ने ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड रिकॉर्ड 15 अगस्त 2026 को आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल यूरोप क्वालीफायर सी के फाइट में आइल ऑफ मैन को हराकर तोड़ा. ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड रिकॉर्ड लगातार 20 मुकाबले जीतने का था, जो कि उसने 23 साल पहले 2003 में बनाया था. स्टीव वॉ की कप्तानी में तब ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 17 वनडे और 3 टेस्ट मिलाकर लगातार कुल 20 मैच लगातार जीते थे.

विराट कोहली क्यों पहनते हैं सिर्फ 18 नंबर की जर्सी?

'द रन मशीन' ने खुद बताई असली वजह

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। विराट कोहली भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं. उन्होंने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत को कई मैचों में जीत दिलाई है. कोहली के इंटरनेशनल करियर को जल्द ही 18 साल पूरे होने जा रहे हैं. विराट अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत से ही नंबर 18 की जर्सी पहन रहे हैं और यह अंक फैंस के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हो गया है. अब कोहली ने बताया कि कैसे उन्होंने 18 नंबर की जर्सी पहनने का फैसला किया. विराट कोहली ने 18 अगस्त 2008 को टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था. कोहली को जल्द ही इंटरनेशनल क्रिकेट में 18 साल पूरे होने जा रहे

हैं. उन्होंने एक प्रोमो रिलीज किया, जिसमें कोहली ने 18 नंबर जर्सी पहनने का कारण बताया. उन्होंने साफ किया कि उन्हें 18 अगस्त को डेब्यू करने का मौका मिला था, इसी वजह से उन्होंने 18 नंबर की जर्सी पहनने का फैसला किया.

विराट कोहली ने कहा, 'यह शुरुआत में मेरे लिए सिर्फ एक नंबर था. भारत के लिए मेरा डेब्यू मैच 18 अगस्त को आया था. इस नंबर के साथ मेरा कोई न कोई आध्यात्मिक कनेक्शन जरूर है. जब हम मैचों के लिए मैदान पर जाते हैं, तो मैं काफी लोगों को मेरी जर्सी के नंबर के साथ देखता हूं. भगवान ने मुझे एक खास मौका दिया है और मैं यह देखकर खुद को खुशनसीब मानता हूं.'

विराट कोहली को भारत के लिए खेलते हुए 18 साल पूरे होने जा रहे हैं. कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया और 46.85 के औसत से बल्लेबाजी करते हुए 9230 रन बनाए. उन्होंने 30 शतक और 30 अर्धशतक जड़े. विराट कोहली को वनडे का 'किंग' कहा जाता है.

कल्याण लक्ष्मी योजना जारी रखने के लिए सरकार उच्च न्यायालय में करेगी अपील

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना सरकार कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं को जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ सरकार खंडपीठ में अपील करेगी और गरीब परिवारों के हित में योजनाओं को जारी रखने के लिए कानूनी रूप से हर संभव कदम उठाया जाएगा।

सचिवालय में मंत्री वाकिटी श्रीहरि के साथ मीडिया से बातचीत में पोनम प्रभाकर ने बताया कि कल्याण लक्ष्मी योजना से संबंधित उच्च न्यायालय में डब्ल्यू.पी. संख्या 21732/2026 दायर है। योजना से संबंधित पहले जारी आठ सरकारी आदेशों को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई थी, जिस पर 12 अगस्त को उच्च न्यायालय ने 9 सितंबर तक अंतरिम रोक लगाई है। उन्होंने कहा कि सरकार अदालत के आदेश का सम्मान करती है, लेकिन रोक हटाने के लिए खंडपीठ में अपील कर रही है। मंत्री ने कहा कि योजना बंद करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के लंबित मामलों के लिए हरित मार्ग से धन जारी किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार द्वारा जारी आदेशों में यदि कोई कानूनी कमी रही है तो उसे दूर कर योजना को सुचारु रूप से जारी रखा जाएगा। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार इस बात की भी जांच कर रही है कि उच्च न्यायालय में जवाब दाखिल करने में देरी अधिकारियों की गलती थी या कानूनी मामलों को देखने वाली व्यवस्था की। जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक अनुसूचित जाति कल्याण के लिए 2,734.81 करोड़ रुपये से 2,73,164, अनुसूचित जनजाति के लिए 1,801.48 करोड़ रुपये से 1,79,939, पिछड़ा वर्ग के लिए 7,803.05 करोड़ रुपये से 7,79,401, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए 831.70 करोड़ रुपये से 83,074 और अल्पसंख्यक कल्याण के लिए 3,204.83 करोड़ रुपये से 3,62,769 लाभार्थियों को सहायता मिली है। कुल 16,375.87 करोड़ रुपये खर्च कर 16,78,347 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया गया है। मंत्री ने कहा कि ये योजनाएं कार्यकारी अधिकारों के तहत संचालित कल्याणकारी योजनाएं हैं और इनके लिए बजट में विधानसभा की मंजूरी प्राप्त है। लाभार्थियों के चयन में आयु, आय, आधार और विवाह संबंधी दस्तावेजों की जांच की जाती है तथा वधू की आयु 18 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों पर विवाह का आर्थिक बोझ कम करना सरकार का उद्देश्य है। पोन्नम प्रभाकर ने राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार योजना को समाप्त नहीं, बल्कि कानूनी अड़चनों को दूर कर इसे जारी रखना चाहती है। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त को सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की 376वीं जयंती के अवसर पर टैंक बंड पर उनकी प्रतिमा का मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अनावरण करेंगे।

शक्ति विलय के विरोध में छात्र सड़कों पर उतरे, बंद का आह्वान किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुली कुतुब शाह गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के 500 से अधिक छात्रों ने सोमवार को क्यूक्यूजीपीटी कॉलेज से बहादुरपुरा जंक्शन तक विरोध रैली निकाली, जिसमें तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तावित आईटीआई, व्यावसायिक संस्थानों और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के विलय का विरोध किया गया। यह विलय जीओ 97 के तहत कौशल मानव पूंजी और ज्ञान प्रशिक्षण पहल (शक्ति) / यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी (वाईआईएसयू) ढांचे के अंतर्गत किया जाना है। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) के बैनर तले छात्रों ने आरोप लगाया कि पुनर्गठन से तकनीकी शिक्षा का स्तर गिर सकता है और संस्थानों की स्वायत्तता खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने विलय प्रस्ताव वापस लेने, छात्रों और शिक्षकों से परामर्श करने और पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं, प्रमाणपत्रों और उच्च शिक्षा पात्रता पर गारंटी देने की मांग की। छात्र नेताओं ने कहा, "अलग-अलग शैक्षणिक धाराओं का यांत्रिक विलय - जिनमें से प्रत्येक का अपना अनूठा पाठ्यक्रम, अवधि और शैक्षणिक उद्देश्य है - तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को कम करेगा और संस्थानों की स्वायत्तता से समझौता करेगा।"

सरकार की लापरवाही से योजना बनी 'संतान लक्ष्मी' : हरीश राव

कल्याण लक्ष्मी की लंबित अर्जियां एक लाख पार

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर कल्याणकारी योजनाओं, राशन कार्ड, कर्मचारियों के स्वास्थ्य उपचार और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्गों के लिए आवंटित धन के इस्तेमाल को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में गरीबों और विभिन्न वर्गों के लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही है। हरीश राव ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 35 से 51 तक कल्याण को राज्य का मूल दायित्व बताया गया है। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सत्ता में आते ही एक साथ 42 कल्याणकारी योजनाओं को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में पहले से उल्लेख नहीं होने के बावजूद बेटियों के विवाह में सहायता की जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन सरकार ने कल्याण लक्ष्मी योजना शुरू की थी। उन्होंने पड़ोसी तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां मुख्यमंत्री विजय ने 100 दिनों में बेटियों के विवाह के लिए आठ ग्राम सोना देने का वादा किया और उसे लागू भी कर रहे हैं।

इसके विपरीत तेलंगाना में कल्याण लक्ष्मी के एक लाख से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं। हरीश राव ने आरोप लगाया कि शादियां होने और बच्चों के जन्म के बाद भी लाभार्थियों को राशि नहीं मिल रही है और सरकार की लापरवाही के कारण कल्याण लक्ष्मी अब 'संतान लक्ष्मी' बन गई है। हरीश राव ने कहा कि नए राशन कार्ड भारत राष्ट्र समिति सरकार द्वारा ही जारी किए जाएंगे, ऐसा कांग्रेस के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्वयं कहा था। लेकिन सत्ता में आने के बाद नए राशन कार्ड जारी करने के बजाय करीब एक लाख 40 हजार राशन कार्ड कथित रूप से हटा दिए गए, जिससे गरीब परिवारों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। उन्होंने कहा कि राशन की सीमा हटाकर प्रत्येक व्यक्ति को छह किलो चावल उपलब्ध कराने और सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चावल देने का काम भी पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार ने किया था। पूर्व मंत्री ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य उपचार की व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीनों से कर्मचारियों के वेतन से कर्मचारी स्वास्थ्य योजना की राशि काटी जा रही है, लेकिन कर्मचारियों को यह तक स्पष्ट नहीं है कि इस कार्ड के आधार पर किस अस्पताल में उपचार मिलेगा। उन्होंने सिद्दिपेट के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक खाजा मोहिउद्दीन की पत्नी का उदाहरण देते हुए कहा कि अपोलो अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई और करीब 11 लाख रुपये का बिल आया। स्वास्थ्य योजना का लाभ नहीं मिलने के कारण बिल कम कराने के लिए संबंधित व्यक्ति को उनके पास आना पड़ा। हरीश राव ने कहा कि पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार ने बिना किसी कर्मचारी अंशदान के पत्रकारों को भी कर्मचारी स्वास्थ्य योजना में शामिल किया था।

कल्याण लक्ष्मी योजना बंद करने के खिलाफ आरएस प्रवीण कुमार की शिकायत

नलगोंडा, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के राज्य महासचिव डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं को कथित रूप से रोकने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री पोनम प्रभाकर को जिम्मेदार ठहराते हुए दोनों से इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित करने की भी मांग की। डॉ. प्रवीण कुमार ने सोमवार को नलगोंडा और नागार्जुन सागर के पूर्व विधायकों के साथ जिला कलेक्टर से मुलाकात कर कल्याण लक्ष्मी योजना जारी रखने की मांग वाला ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना को रोकने के पीछे सरकार की भूमिका है और इसी कारण उच्च न्यायालय में सरकार की ओर से प्रति-शपथपत्र दाखिल करने में जानबूझकर देरी की गई। उन्होंने कहा कि कल्याण लक्ष्मी योजना के खिलाफ विजय गोपाल नामक अधिवक्ता ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी। एक महीने बीतने के बावजूद सरकारी अधिवक्ताओं ने प्रति-शपथपत्र दाखिल क्यों नहीं किया, सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री को याचिका की जानकारी होने के बावजूद विधि सचिव, महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता को जवाब दाखिल करने के निर्देश क्यों नहीं दिए गए। डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि कल्याण लक्ष्मी का नोडल विभाग पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग है, फिर भी संबंधित मंत्री पोनम प्रभाकर से मामले में विभागीय टिप्पणियां क्यों नहीं ली गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पिछले नौ महीनों से योजना को लागू नहीं कर रही है और अब इसे समाप्त करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बाल विवाह रोकने और गरीब परिवारों को बेटियों की शादी के लिए कर्ज लेने से बचाने के उद्देश्य से करीब 13 लाख लाभार्थियों की मदद की थी। उनके अनुसार, योजना सीधे लाभार्थियों को सहायता देती थी और इसमें बिचौलियों या कमीशन की कोई व्यवस्था नहीं थी। डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि विवाह कार्ड, आयु और आय प्रमाण पत्रों की जांच के बाद पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों का चयन किया जाता था। उन्होंने चेतावनी दी कि कल्याण लक्ष्मी योजना दोबारा लागू होने तक भारत राष्ट्र समिति सरकार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेगी।

ध्यान भटकाकर संगठित अपराध करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

13.5 तोला सोना और 7.40 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लैंगर हाउस पुलिस ने ध्यान भटकाकर संगठित तरीके से चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13.5 तोला सोने के आभूषण, 7.40 लाख रुपये नकद, एक ऑटो, एक मोटरसाइकिल और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, कर्नाटक के बीदर जिले के हुमनाबाद निवासी 71 वर्षीय दामा मोहन भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक हैं। उनकी शिकायत पर लैंगर हाउस थाने में एक अगस्त को मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध संख्या 182/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपियों ने लैंगर हाउस थाना क्षेत्र में शाह गौस होटल के पास ध्यान भटकाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने कथित तौर पर चार सोने की चूड़ियां, तीन सोने की चेन, एक सोने का लॉकेट और तीन सोने की अंगूठियां चोरी की थीं। इन सभी आभूषणों का कुल वजन 13.5 तोला बताया गया है। मामले की जांच के तहत पुलिस की अपराध शाखा ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

इसके अलावा आसपास के थानों से जानकारी जुटाई गई और अपराधियों के संबंध में खुफिया सूचना का आदान-प्रदान किया गया। गोलकोंडा क्षेत्र की कार्यबल टीम के साथ समन्वय करते हुए पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 16 अगस्त की रात करीब 12 बजकर 12 मिनट पर शाह गौस होटल के पास आरोपियों का पता लगाया और उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 46 वर्षीय सैयद असद, 27 वर्षीय उमेर खान, 34 वर्षीय सैयद मोइन, 24 वर्षीय अजार हुसैन, 30 वर्षीय मोहम्मद इब्राहिम और 35 वर्षीय सैयद अब्दुल मजीद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इनमें कुछ आरोपी पूर्व में भी पुलिस की निगरानी सूची में रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार सोने की चूड़ियां, जिनका कुल वजन सात तोला, तीन सोने की चेन, जिनका कुल वजन तीन तोला, एक सोने का लॉकेट जिसका वजन 1.2 तोला तथा तीन सोने की अंगूठियां जिनका कुल वजन 2.3 तोला है, बरामद की हैं। इस प्रकार बरामद सोने के आभूषणों का कुल वजन 13.5 तोला है। इसके अलावा आरोपियों के पास से 7.40 लाख रुपये नकद, टीजी 11 टी 5919 नंबर का एक ऑटो, एपी 11 एडी 3426 नंबर की काले-लाल रंग की मोटरसाइकिल और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। यह गिरफ्तारी लैंगर हाउस थाने के उपनिरीक्षक रामबाबू और अपराध शाखा की टीम ने थाना प्रभारी एवं निरीक्षक बी. वेंकट रामुलु तथा जासूसी निरीक्षक के. सत्यनारायण के मार्गदर्शन में की। कार्रवाई की निगरानी टॉलीचौकी संभाग, गोलकोंडा क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त सैयद फैयाज ने की।

मंत्री ने स्थानीय उद्योगों से जोड़ने वाला रोजगार पोर्टल लॉन्च किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना एवं खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने मेडक जिले के मुप्पिरेड्डीपल्ली गांव में अपनी तरह का पहला रोजगार पोर्टल लॉन्च किया, जो कुशल श्रमिकों की क्षेत्रीय मांग को पूरा करने के लिए छात्रों और नौकरी चाहने वालों को सीधे स्थानीय उद्योगों से जोड़ता है। मंत्री ने कहा कि यह पोर्टल देश में एक अनूठी पहल है जो उद्योगों और छात्रों के बीच की खाई को पाटती है।

इस अवसर पर बोलते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि इस क्षेत्र में एक हजार से अधिक उद्योग हैं जिन्हें कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है। उन्होंने पोर्टल को जिला प्रशासन और उद्योगपतियों का सराहनीय संयुक्त प्रयास बताया। मंत्री ने कहा, क्षेत्र और पूरे देश में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या बनी हुई है।

हालांकि तेलंगाना सरकार टीओएमकॉम के माध्यम से विदेशों में रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है, लेकिन स्थानीय उद्योगों को कुशल श्रमिकों की आपूर्ति की भी सख्त जरूरत है। विवेक ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के माध्यम से 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया गया था, और इन उद्योगों को कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार युवाओं को उच्च वेतन वाली नौकरियां हासिल करने में सक्षम बनाने के लिए जर्मन और जापानी भाषाओं में प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि सिंगारेणी क्षेत्र के मंदामारी इलाके में जर्मन भाषा का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। छात्रों ने बी2 प्रवीणता स्तर प्राप्त कर लिया है और उन्हें 25 लाख रुपये तक के वेतन वाली नौकरियों के प्रस्ताव मिल रहे हैं। सरकार उनके वीजा संबंधी खर्चों का आधा हिस्सा भी वहन कर रही है। विदेश जाकर काम करने से कई परिवारों का जीवन स्तर बेहतर हो सकता है।

मेदक किले को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए : विवेक

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, खान और भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने सोमवार को मेदक किले को समर्पित एक विशेष डाक कवर का अनावरण किया। इस अवसर पर मंत्री ने मेदक किले के ऐतिहासिक महत्व को पहचानते हुए एक विशेष डाक कवर जारी करने के लिए डाक विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेदक के अब जिला मुख्यालय के रूप में कार्य करने के साथ, मेदक किले को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।

विवेक ने कहा, चूंकि यह किला एक धरोहर है, इसलिए केंद्र सरकार से आवश्यक मंजूरी लेनी होगी। सांसद रघुनांदन राव के माध्यम से केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय से धनराशि प्राप्त करने का अवसर है। उन्होंने आगे कहा, केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले अनुदान और राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले समान योगदान को मिलाकर धनराशि आवंटित की जानी चाहिए। डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की कि किले पर चढ़ना एक मुफ्त और प्रभावी व्यायाम के समान है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पहले मेडक चर्च के विकास के लिए 30 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाने का जिक्र करते हुए मंत्री ने सुझाव दिया कि मेडक को एक पूर्ण विकसित पर्यटन केंद्र में परिवर्तित किया जाना चाहिए। मेदक के सांसद रघुनांदन राव, विधायक मैनामपल्ली रोहित, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।

नागार्जुनसागर से किसानों के लिए तत्काल पानी छोड़ने की मांग

नलगोंडा, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खरीफ मौसम शुरू हुए करीब दो महीने बीतने के बावजूद नागार्जुनसागर परियोजना के अयाकट क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से तत्काल पानी छोड़ने की मांग की है। भाजपा किसान मोर्चा ने कहा कि नागार्जुनसागर परियोजना को क्षेत्र का आधुनिक मंदिर माना जाता है और इससे हजारों किसानों की खेती तथा कृषि मजदूरों की आजीविका जुड़ी हुई है। वर्तमान खरीफ मौसम में फसलों की रक्षा के लिए परियोजना से तुरंत सिंचाई जल छोड़ा जाना जरूरी है। किसान मोर्चा नेताओं ने कहा कि बारिश का मौसम होने के बावजूद किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसलें प्रभावित होने का खतरा है। उन्होंने सरकार से कम से कम आवश्यक मात्रा में पानी उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि किसानों की खड़ी फसलों को बचाया जा सके और कृषि मजदूरों को भी रोजगार मिलता रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। नागार्जुनसागर से पानी छोड़े जाने पर न केवल फसलों को सिंचाई मिल सकेगी, बल्कि भूजल स्तर बढ़ने से बोरवेल और कृषि कुओं में भी पानी उपलब्ध होने की संभावना बढ़ेगी। किसान मोर्चा ने अधिकारियों से किसानों की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निर्णय लेने और नागार्जुनसागर परियोजना से अयाकट क्षेत्र के लिए पानी जारी करने की अपील की।

क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन के नाम पर ठगी मामले में चार गिरफ्तार

पीड़ित से जबरन सात लाख रुपए छीनने का आरोप

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुड़ा पुलिस ने क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन के नाम पर लोगों को जाल में फंसाकर ठगी और जबरन रुपये वसूलने के मामले का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से मामले से जुड़े साक्ष्यों को जुटाया है और फरार पांचवें आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, बेगम बाजार निवासी जे. आर. चौधरी ने 15 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन के नाम पर उनके साथ ठगी की। आरोप है कि इस दौरान इस्माइल नगर, बंडलागुड़ा में उनसे जबरन सात लाख रुपये छीन लिए गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों की संलिप्तता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। पुलिस को आज सूचना मिली कि आरोपी चंद्रायनगुट्टा स्थित किंग्स स्नकर में एकत्र हुए हैं। इसके आधार पर पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर चार आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साबेर बिन अहमद हदरानी उर्फ सैफ, मोहम्मद अबुल सलाम, मोहम्मद अनस और मोहम्मद आसिफ के रूप में हुई है। इनमें साबेर फिटनेस प्रशिक्षक है, जबकि अबुल सलाम और अनस विद्यार्थी हैं। मोहम्मद आसिफ वाहन चालक है। जांच में सामने आया कि आरोपी सामाजिक माध्यम के जरिए लोगों से संपर्क करते थे और क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन का झांसा देकर उनका विश्वास जीतते थे। इसके बाद पीड़ितों को किसी निर्धारित स्थान पर बुलाया जाता था और वहां कथित तौर पर ठगी तथा जबरन धन वसूली की वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की इसी तरह के अन्य मामलों में भी कथित संलिप्तता सामने आई है। इनमें बंडलागुड़ा थाने में अपराध संख्या 304/2026 तथा चंद्रायनगुट्टा थाने में अपराध संख्या 86/2026, 261/2026 और 310/2026 के मामले शामिल हैं। इन मामलों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब फरार आरोपी आसिफ को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके साथ ही वर्तमान और अन्य संबंधित मामलों में शामिल धनराशि बरामद करने, पूरे धन के लेन-देन का पता लगाने, अन्य लोगों की भूमिका निर्धारित करने तथा आरोपियों द्वारा की गई अन्य समान वारदातों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सामाजिक माध्यमों के जरिए क्रिप्टोकरेंसी, निवेश या अन्य वित्तीय लेन-देन का प्रस्ताव देने वाले अज्ञात लोगों से सावधानी बरतें। किसी भी लेन-देन से पहले संबंधित व्यक्ति और प्रस्ताव की वास्तविकता तथा विश्वसनीयता की पूरी तरह जांच करें। पूरी कार्रवाई चंद्रायनगुट्टा के सहायक पुलिस आयुक्त ए. सुधाकर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में की गई। सहायक पुलिस आयुक्त ने बंडलागुड़ा थाने के निरीक्षक आर. देवेंद्र, उपनिरीक्षक एस. नागराज रेड्डी और उनकी टीम की त्वरित कार्रवाई तथा मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करने के लिए सराहना की।

एयरपोर्ट पर रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के सामान में गोला-बारूद मिला

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आरजीएआई में एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के सामान में कुछ जिंदा कारतूस और इस्तेमाल किए गए कारतूस के खोल मिलने की खबर है। हैदराबाद के रहने वाले इस यात्री ने हाल ही में भारतीय सेना से रिटायरमेंट लिया था और अपने पास मौजूद गोला-बारूद भारत सरकार को सौंप दिया था। हालांकि, बताया जा रहा है कि वह अपने बैग में रह गए कुछ कारतूस और खाली खोल सौंपना भूल गए थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.